विवरणिका
2023-24

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड साईंसेस फॉर वुमैन

एन॰ए॰ए॰सी॰ द्वारा 'ए+' ग्रेड के साथ मान्यता प्राप्त

एन॰आई॰आर॰एफ॰ 2023 कॉलेज रैंकिंग – 32

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

(24 अगस्त 1908 - 23 मार्च 1931)

शिवराम हरि राजगुरू का जन्म 1908 में पूना जिले के खेद में एक हिन्दू ब्राह्मण परिवार में हुआ। वे बहुत छोटी उम्र में ही वाराणसी आ गए जहां पर उन्होंने संस्कृत सीखी और हिन्दू धार्मिक ग्रन्थों का अध्धयन किया। वाराणसी में वे क्रान्तिकारियों के संपर्क में आए। वे स्वाधीनता आन्दोलन में सम्मिलित हो गए और हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (एच॰एस॰आर॰ए॰) के सक्रिय सदस्य बन गए। राजगुरू में निर्भिकता की भावना और अदम्य साहस कूट-कूट कर भरा था। उनकी अराधना और पूजा का मात्र एक ही उद्देश्य उनकी मातृभूमि थी, जिसकी मुक्ति के लिए वे किसी भी त्याग को कम मानते थे। वे चन्द्र शेखर आज़ाद, सरदार भगत सिंह और जतिन राम के निकटतम सहयोगी रहे तथा कानपुर, आगरा और लाहौर मुख्यालयों सहित उनकी गतिविधियों के प्रमुख केन्द्र उत्तर प्रदेश और पंजाब थे। राजगुरू एक बहुत अच्छे निशानेबाज थें और पार्टी के गनमैन के रूप में नवाज़े जाते थे। उन्होंने क्रांति के आन्दोलन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण सन् 1928 में लाहौर में ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जे॰पी॰ सांडर्स की हत्या थी।

सरदार भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव ने साडर्स की हत्या का प्रयास किया था। वे दोषी ठहराए गए और उन्हें मृत्यु दंड दिया गया। राजगुरू को उनके दो साथियों सहित 25 मार्च, 1931 को शाम को लाहौर जेल में फांसी दे दी गई। शहीद होने के समय राजगुरू की आयु मात्र 23 वर्ष थी।

अनुक्रमणिका

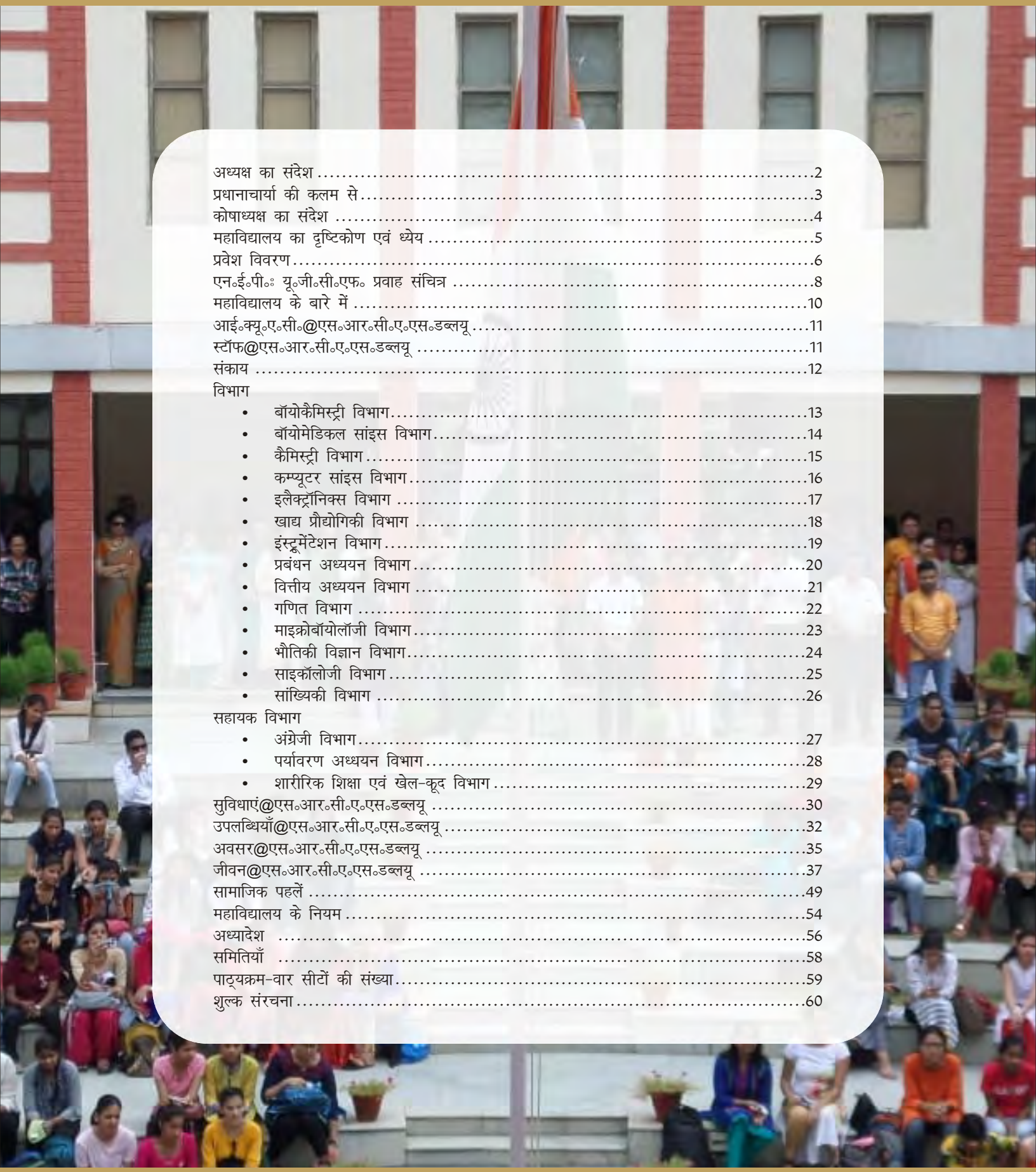

अध्यक्ष का संदेश 2
प्रधानाचार्या की कलम से 3
कोषाध्यक्ष का संदेश 4
महाविद्यालय का दृष्टिकोण एवं ध्येय 5
प्रवेश विवरण 6
एन॰ई॰पी॰ः यू॰जी॰सी॰एफ॰ प्रवाह संचित्र 8
महाविद्यालय के बारे में 10
आई॰क्यू॰ए॰सी॰@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 11
स्टॉफ@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 11
संकाय 12
विभाग
- बॉयोकैमिस्ट्री विभाग 13
- बॉयोमेडिकल सांइस विभाग 14
- कैमिस्ट्री विभाग 15
- कम्प्यूटर सांइस विभाग 16
- इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग 17
- खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग 18
- इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग 19
- प्रबंधन अध्ययन विभाग 20
- वित्तीय अध्ययन विभाग 21
- गणित विभाग 22
- माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग 23
- भौतिकी विज्ञान विभाग 24
- साइकॉलोजी विभाग 25
- सांख्यिकी विभाग 26

सहायक विभाग
- अंग्रेजी विभाग 27
- पर्यावरण अध्धयन विभाग 28
- शारीरिक शिक्षा एवं खेल-कूद विभाग 29

सुविधाएं@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 30
उपलब्धियाँ@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 32
अवसर@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 35
जीवन@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 37
सामाजिक पहलें 49
महाविद्यालय के नियम 54
अध्यादेश 56
समितियाँ 58
पाठ्यक्रम-वार सीटों की संख्या 59
शुल्क संरचना 60

अध्यक्ष का संदेश

वर्ष 1989 में स्थापित शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन, बुनियादी और व्यावहारिक विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमुख संस्थानों में से एक है। कॉलेज को एन॰ए॰ए॰सी॰ द्वारा 'ए' ग्रेड के साथ मान्यता प्राप्त है और इसकी एन॰आई॰आर॰एफ॰ 2023 कॉलेज रैंकिंग - 32 है। दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक कॉलेज के रूप में, यह संस्थान पूरी तरह से एन॰सी॰टी॰, दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित है। कॉलेज का लक्ष्य न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास से उन्हें सशक्त बनाना भी है।

इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, कॉलेज सभी क्षेत्रों में सर्वांगीण सहायता प्रदान करता है, चाहे वह बुनियादी ढाँचा हो, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हों, अनुसंधान गतिविधियाँ हों, उद्यमशीलता का प्रदर्शन हो, खेल सुविधाएँ हों, सांसकृतिक गतिविधियाँ हों, पर्यावरण चेतना हो, सामाजिक जुड़ाव हा अथवा पूर्व छात्रों और कई लोगों के साथ सूचनाओं या अन्य संसाधनों के परस्पर आदान-प्रदान एवं साझेदारी के लिए निरंतर संबंध हों। इन गतिविधियों को सक्षम करने के लिए, कॉलेज में युवा लड़कियों को उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में प्रशिक्षित करने और भारत के सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनने के मिशन को प्राप्त करने के लिए कॉलेज के पास समर्पित, प्रतिबद्ध और अच्छी तरह से निपुण संकाय और कर्मचारी हैं।

यह विवरणिका आपको कॉलेज की झलक और प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए आवश्यक जानकारी से अवगत कराती है।

शुभकामनाएं।

प्रो॰ अमिता गुप्ता
अध्यक्ष,
शासी निकाय,
शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन,
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रधानाचार्य की कलम से

मैं आपका शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेस फॉर वूमैन में हार्दिक स्वागत करती हूँ और हमारे छात्रों को प्राप्त अनुभवों के अवसर व श्रेणी की विविधता पर एक नज़र डालने व प्रवेश संबंधी अन्य जानकारी के लिए के लिए प्रवेश ई-विवरणिका 2023 प्रस्तुत करती हूँ।

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेस फॉर वूमैन में पिछले एक दशक में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। आज हमें 2000 से अधिक छात्राओं को और 14 विभिन्न विषयों में शिक्षा प्रदान करने के दायित्व को निभाने पर गर्व महसूस होता है। हमारे शिक्षण और अनुसंधान के प्रभाव को अब पूरे देश में मान्यता प्राप्त है जोकि हमारी राष्ट्रीय रैंकिग में लगातार वृद्धि दर्शाती है। कर्मचारियों की प्रतिभाशाली और विविध टीम द्वारा समृद्ध, हम साझेदारी की भावना के माध्यम से उत्कृष्टता प्रदान करने और अवसर की समानता बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा के साथ काम करते हुए, हम आने वाले सत्र 2023-24 में कई रोमांचक अवसरों की आशा कर सकते हैं।

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेस फॉर वूमैन एन॰ए॰ए॰सी॰ द्वारा ग्रेड 'ए+' मान्यता प्राप्त संस्थान है तथा एन॰आई॰आर॰एफ॰ द्वारा ऑल इन्डिया रैंकिंग 2023 में 32वें स्थान पर है, जो न केवल शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है बल्कि समग्र विकास के लिए एक पोषक पर्यावरण भी प्रदान करता है। हमारे पास व्यक्तिगत जरूरतों के लिए उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने और माध्यमिक शिक्षा के बाद के अवसरों के लिए युवाओं को तैयार करने का एक महान इतिहास है।

शहीद राजगुरू कॉलेज का उद्देश्य अपने छात्रों को प्रतिस्पर्धित माहौल प्रदान करना है और उन्हें अपने संबंधित क्षेत्रों में अग्रदूत साबित करना है। वर्तमान में कॉलेज में 14 स्नातक पाठ्यकम प्रदान किये जा रहे हैं - बी॰एससी॰ (ऑनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) बॉयोमेडिकल सांइस, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) कैमिस्ट्री, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) कम्प्यूटर सांइस, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) इलैक्ट्रॉनिक्स, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) फूड टेक्नॉलॉजी, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन, बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) मैथमेटिक्स, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) माइक्रोबॉयोलॉजी, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) फिजिक्स, बी॰ए॰ (ऑनर्स) साइकॉलोजी, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) स्टेस्टिक्स।

कॉलेज अपने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के लिए जाना जाता है। कॉलेज का प्रत्येक विभाग उच्च सुसज्जित प्रयोगशालाओं से लैस है। हमारे छात्रों के लिए एक उन्नत और इंटरैक्टिव लर्निंग के अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए तीन मंजिला आर.एफ.आई.डी. इनेबल्ड पुस्तकालय, वाई-फाई सक्षम परिसर और उन्नत प्रक्षेपण प्रणाली और इंटरैक्टिव मॉनिटरर्स भी हैं। शारीरिक फिटनेस के मूल को आत्मसात करने के लिए, महाविद्यालय में एक पूर्णतः सुसज्जित जिम भी है, जो सभी विद्यार्थियों के लिए खुला है। इस महाविद्यालय में लगभग 120 विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की व्यवस्था है। रैम्पों और ऐलीवेटरों सहित, कैम्पेस का डिजाईन शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए भी अनुकूल है। महाविद्यालय में एक इन्डोपर ऑडिटोरियम, एक ओपन-एयर एम्फीथियेटर और एक सम्मेलन कक्ष है। 9.5 एकड़ में फैला हुआ हरा-भरा कैम्पस महविद्यालय के परिवेश को शान्त बनाए रखता है।

राजगुरू महाविद्यालय, वर्षों से अपने भूतपूर्व छात्रों की उनके सम्बन्धित क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता का गौरवान्वित साक्षी रहा है और निश्चित रूप से भविष्य में भी और अधिक छात्रों के सम्बंध में साक्षी रहेगा। महाविद्यालय को, वर्ष-दर-वर्ष, अनेक उज्जवल युवा मस्तिष्कों को सफलता की ऊंचाईयों तक पहुंचने में सक्षम बनाने का प्रयास करते हुए उनमें बदलाव लाने और कुछ बेहतर करने की क्षमता विकसित करने का अवसर मिला है।

प्रवेश प्रक्रिया और पाठ्यक्रम के चयन के सम्बन्ध में आसानी से जानकारी प्राप्त करने में छात्रों और उनके अभिभावकों की सहायता के लिए इस ई-विवरणिका में, प्रवेश पत्र को भरने, शुल्कों, सभी कोर्सों के पाठ्यक्रमों और सामान्य चुनिंदा विकल्पों सहित प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में सारी जरूरी जानकारी दी गई है।

नए शैक्षिक सत्र के आरम्भ के साथ ही, मैं प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं, उनके जीवन का एक नया चरण आरम्भ हो रहा है, जिसमें वे जीवन पर्यन्त साथ देने वाले मित्र बनाएंगे और बौद्धिक तथा सामाजिक रूप से आगे भी बढ़ेंगे। आने वाले वर्षों के लिए मैं आप सभी को शुभकामनाएं देती हूं और आशा करती हूं कि आप यहां पर अत्यन्त लाभदायक, आनन्दमय और अविस्मरणीय समय व्यतीत करेंगे।

(डॉ. पायल मागो)
प्रधानाचार्या

कोषाध्यक्ष का संदेश

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक कॉलेज, जो पूरी तरह से एनसीटी, दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित है, का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा, अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं, ताकि वे उद्योग के लिए तैयार हों और उच्च अध्ययन भी कर सकें। कई सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ और अन्य सामाजिक मंच उन्हें आगे बढ़ने और अपने व्यक्तित्व में नए आयाम जोड़ने का अवसर देते हैं।

यह विवरणिका कॉलेज और इसकी गतिविधियों के बारे में गहराई से जानकारी देती है, जिससे आपको सही विकल्प चुनने में सुविधा होगी।

शुभकामनाएं।

प्रोफेसर सुनैना
कोषाध्यक्ष,
शासी निकाय,
शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन,
दिल्ली विश्वविद्यालय

महाविद्यालय का दृष्टिकोण एवं ध्येय

दृष्टिकोण – उद्योग जगत–शैक्षिक संस्थाानों का मजबूत गठबंधन बनाते हुए उच्च शैक्षणिक मानदंडों के सृजन को जारी रखते हुए और अनुसन्धान तथा विकास में अग्रणी भूमिका निभाते हुए विश्व के अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में उभरना है ताकि ढांचागत शिक्षण व्यवस्था के माध्यम से प्रासंगिक ज्ञान का प्रसार करते हुए हमारे समाज के सामाजिक–आर्थिक ताने–बाने के समक्ष उत्पान्न विद्यमान एवं भावी चुनौतियों पर विजय पाने के लिए पेशेवर तैयार करते हुए समाज की सेवा की जा सके।

ध्येय – नई शताब्दी में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर सकने वाले चहुंमुखी प्रतिभासम्पन्न पेशेवरों की एक नई पीढ़ी का निर्माण करना और उसे पोषित करना। भावी पेशेवरों के बीच व्यावहारिक कार्यनीतियों को आत्मसात करना और उनका प्रसार करना तथा तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश में संगठन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए उनकी समझ–बूझ को बढ़ावा देना हमारा प्रयास होगा।

प्रवेश विवरण

सभी यू॰जी॰ कार्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट, अंडर-ग्रेजुएट बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन-2023 (यू॰जी॰-बी॰ओ॰आई॰) और कॉमन सीट आवंटन प्रणाली-2023 (सी॰एस॰ए॰एस) पर निर्दिष्ट पात्रता आवश्यकताओं, मानदंडों और प्रक्रियाओं के आधार पर किया जाता है। .

यू॰जी॰ स्तर पर प्रस्तावित प्रत्येक कार्यक्रम के लिए पात्रता मानदंड यू॰जी॰ बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन-2023 (यू॰जी॰ बी॰ओ॰आई॰-2023) (विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट, admission.uod.ac.in पर उपलब्ध) में प्रकाशित किए गए हैं। उम्मीदवारों को यू॰जी॰-बी॰ओ॰आई॰-2023 और प्रवेश वेबसाइट से पात्रता मानदंड सावधानीपूर्वक जांचना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित, यू॰जी॰ बी॰ओ॰आई॰-2023 और सी॰एस॰ए॰एस॰-2023 के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानदंडों के अलावा कोई अतिरिक्त पात्रता मानदंड नहीं हैं।

उम्मीदवार अपडेट, दिशानिर्देश, कार्यक्रम और प्रवेश-संबंधित नीतियों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट की नियमित जांच करने के लिए जिम्मेदार है।

अंडर-ग्रेजुएट (यू॰जी॰) प्रवेश-2023 के संबंध में अधिसूचना/अपडेट के लिए, देखें: *www.admission.uod.ac.in*

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी यू॰जी॰ कार्यक्रमों में प्रवेश कॉमन यूनिवर्सिटी प्रवेश परीक्षा-अंडर-ग्रेजुएट 2023 (सी॰यू॰ई॰टी॰ (यू॰जी) - 2023) के आधार पर किया जाएगा।

1. केवल सी॰यू॰ई॰टी॰ (यू॰जी॰)-2023 में शामिल होना दिल्ली विश्वविद्यालय में सीट सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त शर्त नहीं होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय यू॰जी॰ कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को सी॰एस॰ए॰एस-2023 में आवेदन करना होगा।
2. आवेदन प्रक्रिया शुरू करने से पहले, उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे यू॰जी॰ बी॰ओ॰आई॰-2023 और सी॰एस॰ए॰एस॰-2023 की सामग्री को ध्यान से पढ़ें, और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922, इसके संशोधनों और कानूनों से परामर्श लें। दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट *www.du.ac.in* पर उपलब्ध अध्यादेश, नियम, विनियम और अधिसूचनाएं अंतिम और बाध्यकारी होंगी।
3. दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को सामान्य न्यूनतम पात्रता मानदंड और कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता मानदंड के लिए यू॰जी॰ बी॰ओ॰आई॰-2023 को देखना होगा। *(https://www-du-ac-in/uploads/new&web/13-02-2023&DU&UG&BOI%202023-pdf)*
4. उम्मीदवार को कार्यक्रमों का चयन करने से पहले विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित कार्यक्रमों की सूची, कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता मानदंड, सीट मैट्रिक्स, शुल्क संरचना और अन्य प्रासंगिक जानकारी देखनी चाहिए।
5. विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए पात्रता का निर्धारण और दस्तावेजों का सत्यापन विश्वविद्यालय का एकमात्र अधिकार क्षेत्र होगा।
6. केवल वही उम्मीदवार जो सीयूईटी (यू॰जी॰)-2023 में उपस्थित हुआ है और किसी एक मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की है, सी॰एस॰ए॰एस॰-2023 के लिए आवेदन करने के लिए पात्र होगा।
7. उम्मीदवार को विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट *(https://admission.uod.ac.in)* के माध्यम से विश्वविद्यालय के सी॰एस॰ए॰एस॰-2023 में ऑनलाइन आवेदन करना और प्राथमिकताएं भरना अनिवार्य है। किसी अन्य माध्यम से प्रस्तुत आवेदन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।
8. सभी यू॰जी॰ कार्यक्रमों के लिए सीट आवंटन पूरी तरह से सी॰यू॰ई॰टी॰ (यू॰जी॰)-2023 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा।

प्रवेश विवरण

9. प्रदर्शन-आधारित कार्यक्रमों, और ई॰सी॰ए॰ और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा में सीट आवंटन के लिए, सी॰यू॰ई॰टी॰ (यू॰जी॰)-2023 और प्रदर्शन टेस्ट/परीक्षण और/या प्रमाणपत्रें के संयुक्त स्कोर पर विचार किया जाएगा।

10. प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित सी॰एस॰ए॰एस॰-2023 मेरिट सूची का विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों द्वारा पालन किया जाएगा।

11. उम्मीदवारों को प्रवेश से संबंधित सभी संचार और अपडेट के लिए अपने डैशबोर्ड, ईमेल और प्रवेश वेबसाइट *(www-admission-uod-ac-in)* की जांच करने की सलाह दी जाती है।

12. प्रवेश दिशानिर्देशों, अनुसूची, पात्रता मानदंड और सी॰एस॰ए॰एस॰-2023 नियमों के बारे में उम्मीदवार की जागरूकता की कमी के लिए विश्वविद्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। यह उम्मीदवार की एकमात्र जिम्मेदारी है कि वह विश्वविद्यालय के डैशबोर्ड, ईमेल और प्रवेश वेबसाइट को नियमित रूप से जांचता रहे।

13. प्रवेश के लिए आवश्यकताओं का अनुपालन न करने पर, जिसमें प्रासंगिक दस्तावेज जमा न करना और/या निर्धारित तिथि और समय के भीतर शुल्क का भुगतान न करना शामिल है, उम्मीदवार प्रवेश का अपना अधिकार खो देगा।

14. उम्मीदवार को विश्वविद्यालय/कॉलेज द्वारा सूचित किए जाने पर मूल दस्तावेजों को सत्यापित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

15. किसी भी आरक्षित श्रेणी (पी॰डब्ल्यू॰बी॰डी॰, सी॰डब्ल्यू॰ और के॰एम॰ सहित) के तहत आरक्षण का दावा करने के लिए अपनी पात्रता साबित करना उम्मीदवार की एकमात्र जिम्मेदारी है। एस॰सी॰/एस॰टी॰/ओ॰बी॰सी॰-एन॰सी॰एल॰/ई॰डब्ल्यू॰एस॰/अल्पसंख्यक/सी॰डब्ल्यू॰/पी॰डब्ल्यू॰बी॰डी॰/के॰एम॰ श्रेणियों के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को सक्षम जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा जारी संबंधित आरक्षित श्रेणी/उप-श्रेणी के प्रमाण पत्र/दस्तावेज अपलोड करने होंगे।

16. यदि किसी भी स्तर पर, प्रवेश से संबंधित उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज नकली/गैर-वास्तविक और/या मनगढ़ंत या किसी अन्य तरीके से दोषपूर्ण पाए जाते हैं, तो उक्त उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और यदि पहले ही प्रवेश ले लिया है, तो प्रवेश बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द कर दिया जाएगा। यदि कार्यक्रम पूरा करने के बाद भी ऐसा पाया जाता है, तो उसकी डिग्री रद्द कर दी जाएगी और उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

17. प्रवेश प्रक्रिया में उम्मीदवार की भागीदारी अनंतिम होगी। यदि, किसी भी स्तर पर, यह पाया जाता है कि पात्रता आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया गया है, तो प्रवेश, यदि दिया गया है, तो रद्द कर दिया जाएगा और ऐसे उम्मीदवार के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

18. यदि कोई उम्मीदवार बाद में अयोग्य पाया जाता है तो विश्वविद्यालय प्रवेश शुल्क वापस नहीं करेगा।

19. विश्वविद्यालय, यू॰ओ॰डी॰ द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी उम्मीदवार का प्रवेश रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

सामान्य सीट आवंटन प्रणाली 2023 को तीन चरणों में विभाजित किया गया हैः-

चरण I : दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करना

चरण II : कार्यक्रमों और कॉलेजों के लिए रिक्तियाँ भरना

चरण III : आवंटन-सह-प्रवेश

विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को निर्धारित समय के भीतर सी॰एस॰ए॰एस॰ के सभी तीन चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा।

एन०ई०पी०ः यू०जी०सी०एफ० प्रवाह संचित्र

National Education Policy (NEP) 2020 highlights that quality higher education must aim to develop good, thoughtful, well rounded and creative individuals. The way to achieve such capabilities is only through holistic and multi-disciplinary education with the freedom for students to shape their studies.

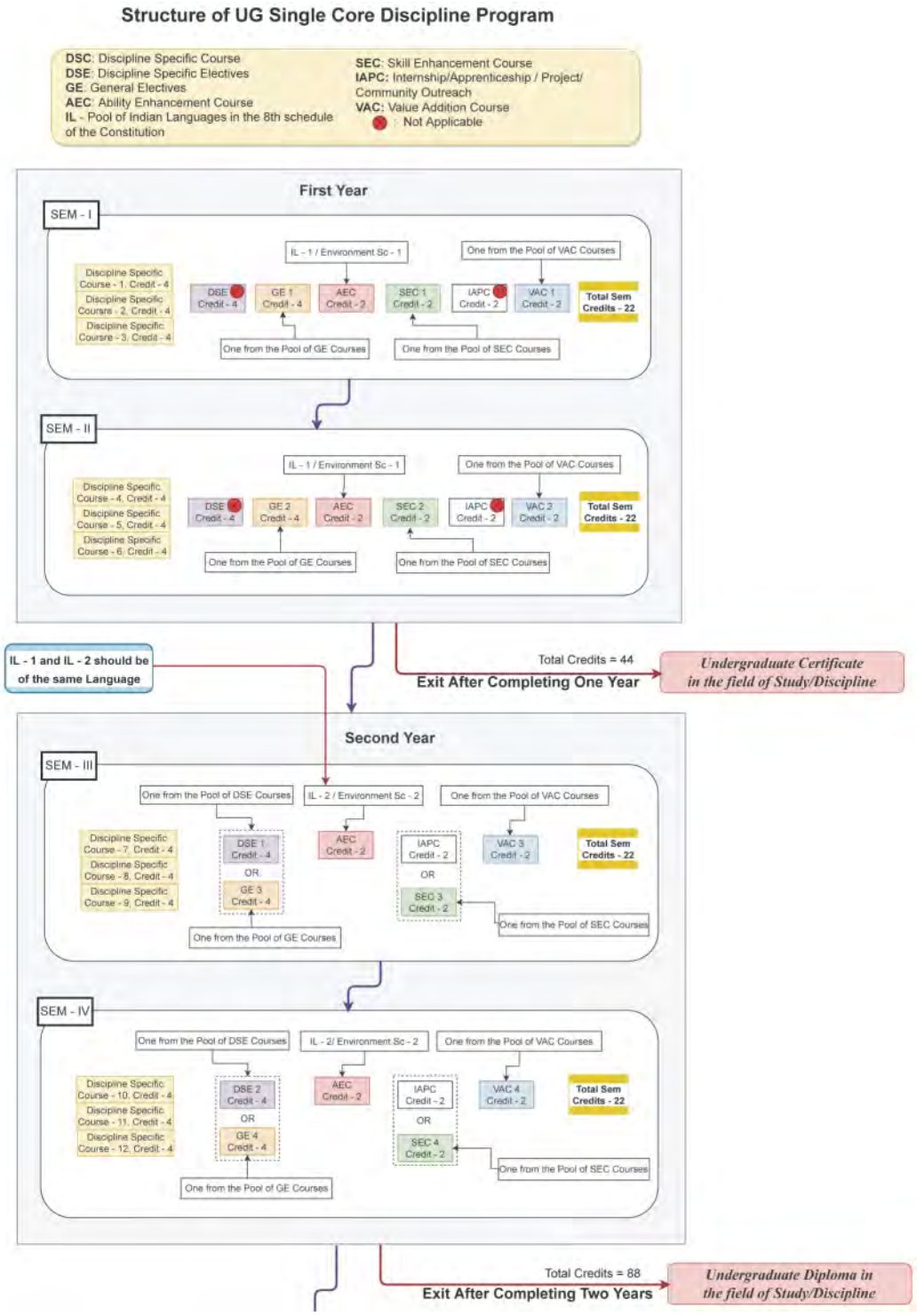

continued on Page 9 ...

एन॰ई॰पी॰ः यू॰जी॰सी॰एफ॰ प्रवाह संचित्र

... in continuation of Page 8

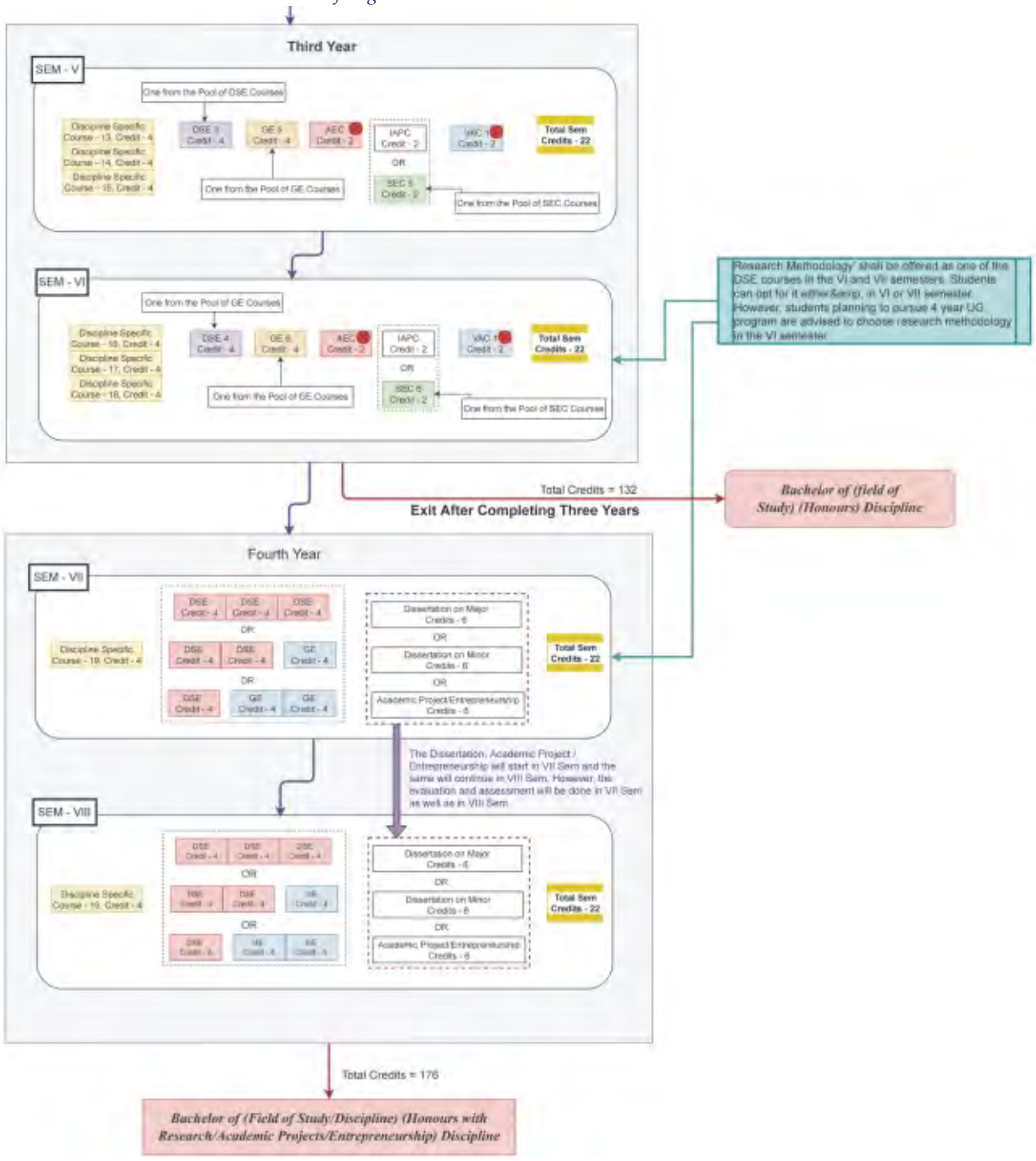

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her

- In a single core discipline program, the student shall Major in the core discipline. However, if he/she wishes to Minor in another discipline then he/she has to earn 28 credits from GE courses of the second discipline.

In four years, a student will study the following number of DSCs, DSEs and GEs.
Total DSC papers : 20
Total DSE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)
Total GE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)

- The student can **Minor** in another discipline, if he/she fulfills the following criteria:

Seven GEs = Minor
(7 x 4) = 28 credits

Example. A student is enrolled in B.A. (Hons.) History and decides to pursue 4th year (sem VII + sem VIII).

If he successfully completes the 4th year, he/she will be awarded **Major in History**.

In addition, if the student successfully completes, seven GEs in Political Science, he/she will be awarded **Minor in Political Science**.

महाविद्यालय के बारे में

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार द्वारा वित्त पोषित शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लायड सांइसेज फॉर वीमैन की स्थापना 1989 में हुई थी। इस महाविद्यालय द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं :

क्रम सं.	पाठ्यक्रमों के नाम	क्रम सं.	पाठ्यक्रमों के नाम
1.	बी.एससी. (आनर्स), बॉयोकैमिस्ट्री	8.	बी.एससी. (आनर्स), गणित
2.	बी.एससी. (आनर्स), बॉयोमैडिकल सांइस	9.	बी.एससी. (आनर्स), माइक्रोबॉयोलॉजी
3.	बी.एससी. (आनर्स), कैमिस्ट्री	10.	बी.एससी. (आनर्स), भौतिकी विज्ञान
4.	बी.एससी. (आनर्स), कम्प्यूटर सांइस	11.	बी.एससी. (आनर्स), सांख्यिकी
5.	बी.एससी. (आनर्स), इलैक्ट्रॉनिक्स	12.	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
6.	बी.एससी. (आनर्स), खाद्य प्रौद्योगिकी	13.	बी.एम.एस. (बैचलर इन मैनेजमेंट स्टडीज)
7.	बी.एससी. (आनर्स), इंस्ट्रूमेंटेशन	14.	बी.ए. (आनर्स), साइकॉलॉजी

ये पाठ्यक्रम एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं जहां विद्यार्थी विश्व्यापी चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करने के लिए आवश्यक और व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करते हैं। वर्तमान में, इस महाविद्यालय में देश के विभिन्न भागों से आने वाले लगभग 1,700 छात्र हैं।

महाविद्यालय में सुशिक्षित एवं सक्षम संकाय सदस्य हैं। सीखने, न सीखने और पुनः सीखने की योग्यता शिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू है। महाविद्यालय में शिक्षण का सार यह है कि अध्यापक और विद्यार्थी के बीच अंतराल को विलीन कर दिया गया है, अध्यापक और विद्यार्थी एक ही प्रक्रिया के अंश हैं। महाविद्यालय में कुशल सहायक कर्मचारी हैं, जो विभिन्न प्रयोगशालाओं और महाविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के सुचारू कार्यकरण के लिए उत्तरदायी हैं।

नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा यह महाविद्यालय विभिन्न विधाओं में अल्पकालिक कार्यशालाओं और व्याख्यानों का आयोजन करता है। सिस्को (सी.आई.एस.सी.ओ.) के सहयोग से यह महाविद्यालय एक सिस्को नेटवर्किंग अकादमी का संचालन करता है और विद्यार्थियों को सी.सी.एन.ए. उद्योग प्रमाणन के लिए तैयार करता है। लाइब्रेरी ऑटोमेशन और नेटवर्किंग में पी.जी. डिप्लोमा हेतु, इस महाविद्यालय में, इंदिरा गांधी मुक्त राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (आई.जी.एन.ओ.यू.) का एक केन्द्र भी है। महाविद्यालय जर्मन भाषा में प्रमाणन और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

महाविद्यालय अपने छात्रों को अतिरिक्त और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर भी देता है। पारंपरिक शिक्षा के अलावा महाविद्यालय में विभिन्न सोसायटियां हैं जो छात्रओं को सम-सामयिक गतिविधियों में भी आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करतीं हैं।

आई॰क्यू॰ए॰सी॰@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

चूंकि गुणवत्ता में वृद्धि एक सतत प्रक्रिया है, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन समिति (आई॰क्यू॰ए॰सी॰) कॉलेज प्रणाली का हिस्सा है जो गुणवत्ता वृद्धि और रखरखाव के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में काम करती है। IQAC का मुख्य कार्य कॉलेज के समग्र प्रदर्शन में सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करना है। छात्रों, अभिभावकों और पूर्व छात्रों की प्रतिक्रिया से सुधार का निरंतर चक्र चलता है। हमारी ताकत को मापने के लिए परिणाम विश्लेषण एक महत्वपूर्ण पैरामीटर है। कॉलेज छात्रों और कर्मचारियों के समग्र विकास के लिए सक्रिय रूप से इंटर और इंट्रा कॉलेज कार्यशालाओं, सेमिनारों, गतिविधियों आदि का आयोजन करता है। प्रत्येक छात्र के लिए मेंटरशिप छात्र-शिक्षक संपर्क का एक और पहलू है।

IQAC समिति ने 'सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) प्रक्रियाओं' पर एक व्याख्यान और समस्या चर्चा सत्र का आयोजन किया। सेमिनार के दौरान GeM पोर्टल पर खरीदारी में शामिल शिक्षण और पैरा-टीचिंग स्टाफ को प्रत्यक्ष खरीद और बोली प्रक्रिया के माध्यम से खरीद के दौरान पालन की जाने वाली व्यवस्थित प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में संकाय और कर्मचारियों सहित लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया और GeM पोर्टल पर आने वाली समस्याओं पर चर्चा की।

इसके अलावा, आई॰क्यू॰ए॰सी॰ के तत्वाधान में, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन ने क्लिनिकल रिसर्च एंड एपिडेमियोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलीरी साइंसेज (आई॰एल॰बी॰एस॰), नई दिल्ली, जो 'फैटी लीवर रोग' पर स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन करता है, द्वारा परिकल्पित किया गया 'स्माइल्स प्रोजेक्ट – दस लाख स्वास्थ्य-शिक्षित छात्रों के माध्यम से मजबूत भारत' का भी सफल आयोजन किया।

स्टॉफ@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

शिक्षण स्टॉफ

गैर-शिक्षण एवं प्रशासनिक स्टॉफ

संकाय

प्रधानाचार्य,
एस.आर.सी.ए.एस.डब्लयू.

प्रोफेसर (डॉ.) पायल मागो■
पीएच.डी. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी)
दिल्ली विश्वविद्यालय

बॉयोलॉजी एवं माईक्रोबॉयोलॉजी विभाग

डॉ. रेखा मेहरोत्रा■
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (जेनेटिक्स), एम.फिल. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी) दिल्ली विश्वविद्यालय

बॉयोकैमिस्ट्री विभाग

डॉ. साधना जैन■
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री), एम.एससी.
(बॉयोकैमिस्ट्री), दिल्ली विशिविद्यालय

बॉयोमेडीकल साईंस विभाग

डॉ. राधिका बक्शी
(प्रोफेसर)
पी.एचडी. (बॉयोकैमिस्ट्री) ए.आई.आई.एम.एस.,
एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री) दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. श्रुति बंसवाल
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (मोलेक्यूलर बॉयोलॉजी एवं बॉयोटेक्नालॉजी)
आई.ए.आर.आई., दिल्ली, एम.एससी. ('लाट मोलिक्यूलर बॉयोलॉजी)
दिल्ली विश्वविद्यालय

बॉयोमेडीकल साईंस विभाग

डॉ. वर्षा मेहरा■
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोमेडीकल साईंस), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (बॉयोटेक्नालॉजी), जे.एन.यू.

डॉ. मौ. साकिब अन्सारी
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री),
एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री) बुन्देलखंड विश्वविद्यालय

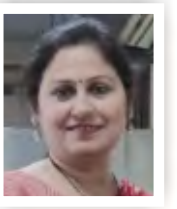

डॉ. इन्दु अरोड़ा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (कैमिस्ट्री), एम.एससी. (कैमिस्ट्री)
दिल्ली विश्वविद्यालय

कैमिस्ट्री विभाग

डॉ. जसजीत कौर■
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोटेक्नालॉजी), एम.एससी. (कैमिस्ट्री),
पंजाब विश्वीविद्यालय, पटियाला

कम्प्यूटर साईंस विभाग

डॉ. सुरुचि चावला
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (सी.एस.), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.टेक. (सी.एस.ई.), कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय

कम्प्यूटर साईंस विभाग

सुश्री दीपाली बजाज
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (कम्प्यूटर साईंस), मदुरई कामराज
विश्वविद्यालय, एम.सी.ए. (इग्नू), दिल्ली

डॉ. आकांक्षा■
(एसोसिएट प्रोफेसर) पीएच.डी. (सी.एस.), डी.यू.
एम.फिल. (सी.एस.), मदुरई कामराज विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (सी.एस.), बनस्थली विद्यापीठ

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग

सुश्री वेनिका गुप्ता■
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलैक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

सुश्री प्रीति सिंघल
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलैक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

फूड टेक्नॉलॉजी विभाग

डॉ. दीपा जोशी
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (डेयरी), एन.डी.आर.आई., करनाल,
एम.एससी. (एफ.टी.), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

डॉ. रंजना सिंह■
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (फूड टेक्नॉलॉजी), एम.एससी.
(फूड टेक्नॉलॉजी), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

डॉ. परा ढोलकिया
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (एफ.टी.), एम.एससी. (फूड एंड न्यूट्रीशन),
एम.एस., बडौदा विश्वविद्यालय

इन्ट्रूमेंटेशन विभाग

डॉ. दया भारद्वाज■
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी., टी.ई.आर.आई. विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (एम.आई.सी.ए.) जीवाजी विश्वविद्यालय

डॉ. स्नेहा काबरा■
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (इलैक्ट्रॉनिक्स),
एम.एससी. (इलैक्ट्रॉनिक्स), डी.यू.

मैथेमैटिक्स विभाग

डॉ. पुनीता सक्सेना■
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (मैथेमैटिक्स), जामिया मिलिया इस्लामिया,
एम.फिल., एम.एससी. (मैथेमैटिक्स), विश्वविद्यालय

भौतिकी विज्ञान विभाग

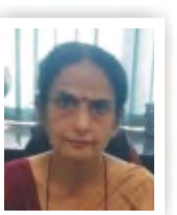

डॉ. अलका वोहरा कुंआर■
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (भौतिकी), एम.एससी. (भौतिकी),
दिल्ली विश्वविद्यालय

■प्रभारी प्राध्यापक, संबंधित विभाग ■1 समन्वयक, वित्तीय और प्रबंधन अध्ययन विभाग ■
2 समन्वयक, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग ■3 समन्वयक, मनोविज्ञान विभाग ■4 समन्वयक, सांख्यिकी विभाग

बॉयोकैमिस्ट्री विभाग

'Innovation is our Tradition'

यह विभाग बी.एससी. (आनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री को संचालित करता है। पाठ्यक्रम में जीवन के अणुओं, कोशिका जीव विज्ञान, प्रोटीन, एंजाइम, जीन संगठन, मानव शरीर विज्ञान, संक्रामक रोग, पादप जैव रसायन आनुवंशिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान आदि का अध्ययन शामिल है। यह पाठ्यक्रम छात्रें को विभिन्न विषयों में अपने मास्टर कार्यक्रमों और औद्योगिक नौकरियों को चुनने का अवसर देता है, जिससे उन्हें अन्य कार्यक्रमों पर बढ़त मिलती है। विभाग शैक्षणिक ब्लॉक में भूतल पर स्थित है।

पूर्व में विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जा चुका है। हमारे कई छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। अन्य छात्रों ने भी विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों जैसे एम्स, डीयूईटी, पीजीआईएमईआर, हैदराबाद विश्वविद्यालय और बीएचयू आदि की पीजी प्रवेश परीक्षाओं में अखिल भारतीय रैंक हासिल की है।

स्नातक पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक सभी प्रकार के प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं पीएच मीटर से लेकर यूवी दृश्यमान स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रेफ्रिजेरेटेड सेंट्रीफ्यूज, इलेक्ट्रोफोरेसिस इकाइयों, पीसीआर इत्यादि जैसे बुनियादी और उन्नत उपकरणों से सुसज्जित हैं।

विभाग छात्रों को छोटी शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। कुछ छात्रों की अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकार किया गया और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया।

छात्रों को ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), डाबर रिसर्च फाउंडेशन और दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस जैसे अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के नियमित शैक्षिक दौरे के लिए भी? ले जाया जाता है।

पाठ्येतर गतिविधियां

- विभाग की निर्वाचित छात्र सोसायटी 'विन्कुलम', छात्रों को समग्र दृष्टिकोण विकसित करने और कक्षा शिक्षण से परे अनुसंधान हितों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ सेमिनार, बौद्धिक वार्ता, प्रशिक्षण कार्यक्रम, पूर्व छात्र बैठकें और कार्यशालाएं आयोजित करती है।
- विभाग का एक अन्य मुख्य आकर्षण इसका वार्षिक टेक-फेस्ट 'एलिक्सिर' है जो विज्ञान के सार का जश्न मनाने के लिए हर साल आयोजित किया जाता है। विभाग अपनी वार्षिक पत्रिका 'अनलॉकिंग माइंड्स' भी जारी करता है।
- विभाग छात्रों को ताजगी का एहसास दिलाने के लिए शैक्षिक और मनोरंजक दोनों तरह की यात्राएँ आयोजित करता है। नैनीताल और मसूरी की पिछली यात्राओं को छात्रों ने बहुत पसंद किया है।
- शिक्षाविदों के अलावा, विभाग छात्रों को विभिन्न इंट्रा और इंटर-कॉलेज सांस्कृतिक गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- विभाग नियमित रूप से मेंटर (संकाय) - मेंटी (छात्र) बैठकें, पर्यावरण-मानसिक जागरूकता गतिविधियाँ भी आयोजित करता है और विभिन्न त्यौहार मनाता है। धीमी गति से सीखने वालों के लिए स्वैच्छिक छात्र सलाहकार भी नियुक्त किए जाते हैं। ये सभी गतिविधियाँ मूल्य-आधारित शिक्षा के सार को बढ़ावा देती हैं।

बॉयोमेडिकल सांइस विभाग

बायोमेडिकल साइंस बी.एससी. (ऑनर्स) एन.ई.पी. योजना के तहत चार साल का स्नातक कार्यक्रम है। विभाग की स्थापना वर्ष 2005 में जैविक विज्ञान में कैरियर के लिए आवश्यक मजबूत ज्ञान आधार और कौशल सेट के लिए छात्रों को एक मजबूत मंच प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। पाठ्यक्रम में ह्यूमन फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, जेनेटिक्स, बायोकैमिस्ट्री, इम्यूनोलॉजी, पैथोलॉजी, बायोइनफॉरमैटिक्स, बायोफिजिक्स, टॉक्सिकोलॉजी, सांख्यिकी, बायोटेक्नोलॉजी और मेडिसिनल केमिस्ट्री में क्रेडिट शामिल हैं। पाठ्यक्रम इसे वास्तव में अंतःविषय पाठ्यक्रम बनाता है जो छात्रों को जैविक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं में कैरियर बनाने के लिए तैयार करता है। विभाग के पास थर्मो-साइक्लर, यूवी स्पेक्ट्रो-फोटोमीटर, जैल इलेक्ट्रोफोरेसिस इकाइयां, सेंट्रीफ्यूज, इनक्यूबेटर, शेकर्स, आटोक्लेव और रोटरी वैक्यूम, पशु कोशिका संवर्धन सुविधा सहित लैमिनर फ्लो सहित नवीनतम उपकरणों के साथ अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं।

विभाग की छात्र सोसायटी, 'कीमेरा', छात्रों को नवीनतम अनुसंधान और तकनीकी प्रगति से अवगत रखने के लिए प्रख्यात शिक्षाविदों और उद्यमियों के साथ सेमिनार और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करती है। विभागीय वैज्ञानिक उत्सव, 'प्लेक्सस' विभाग की एक वार्षिक विशेषता है, जिसमें छात्र अन्य बौद्धिक और वैज्ञानिक चर्चाओं का आयोजन करते हैं, भाग लेते हैं और उनमें शामिल होते हैं। विभाग नियमित रूप से सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

विभाग में बहु-विषयक संकाय जीवित दुनिया के अंतर्निहित आणविक, सेलुलर और शारीरिक तंत्र का पता लगाता है। विभाग छात्र इंटर्नशिप, व्यावहारिक प्रशिक्षण और ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं सहित अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल है। आरसीबी, डाबर इंडिया लिमिटेड, एनबीआरसी, जेएनयू, एम्स और आईसीजीईबी जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों का नियमित दौरा भी आयोजित किया जाता है।

बायोमेडिकल साइंस पाठ्यक्रम छात्रों को बुनियादी और व्यावहारिक विज्ञान दोनों में अनुसंधान में कैरियर के लिए आवश्यक ज्ञान और हस्तांतरणीय कौशल से लैस करता है। इस पाठ्यक्रम से स्नातक करने वाले छात्र फार्मास्युटिकल कंपनियों में शामिल होते हैं और टीआईएफआर, आईआईएसईआर, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), एनआईआई, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। यह पाठ्यक्रम स्व-रोजगार के लिए अवसर भी प्रदान करता है, जैसे डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला की स्थापना, उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए फ्रीलांस लाइसेंस इंस्पेक्टर, व्यावसायिक रूप से उपलब्ध उत्पादों के उत्पादन के लिए जैव प्रौद्योगिकी इकाई की स्थापना और इसके अलावा अनुप्रयुक्त जीवविज्ञान के किसी भी क्षेत्र में अनुसंधान में रुचि रखने वालों के लिए अंतहीन संभावनाएँ प्रदान करता है।

कैमिस्ट्री विभाग

कैमिस्ट्री विभाग द्वारा बी.एससी. (आनर्स) कैमिस्ट्री में एक चार-वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। विभाग में एक अनुसन्धान प्रयोगशाला सहित चार भली-भांति सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं। ये प्रयोगशालाएं कैमिस्ट्री की तीन मुख्य शाखाओं अर्थात् इनआर्गेनिक, आर्गेनिक और फिजिकल कैमिस्ट्री की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। अनुसन्धान प्रयोगशाला में नूतन परियोजनाओं सहित अनेक अनुसन्धान परियोजनाएं चलाई जाती हैं।

ये प्रयोगशालाएं, यूवी-विस स्पैक्ट्रोफोटोमीटर, इलैक्ट्रानिक बैलेंसिस, सेन्ट्रीफ्यूग-माईक्रोप्रोसेसर आधारित 16,000 आरपीएम के हॉट प्लेट युक्त मैगनेटिक स्टिररों, वोरटेक्स शेकरों, रोटरी वैक्यूम पम्पों, डिजिटल पीएच मीटरों, डिजिटल एवं इलैक्ट्रिकल मेलटिंग यन्त्रों, डिस्टिलेशन यूनिटों, फ्यूम हुड्स इत्याअदि जैसे विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित हैं।

इस विभाग के विद्यार्थियों द्वारा पाठयक्रम की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया जाता है और वे विभिन्न सोसायटियों के सदस्य हैं। इसके साथ-साथ, क्षेत्र में होने वाली विभिन्न नूतन खोजों और विकास से स्वयं को अवगत कराने के लिए वे राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों और सेमिनारों में भी भाग लेते हैं।

विभाग में एक सक्रिय कैमिकल सोसायटी ''अलकैमी'' है जिसमें विद्यार्थी एंव अध्यातपक क्लॉस रूम से बाहर परस्पर चर्चा करते हैं। यह सोसायटी अपने सदस्यों को विश्व-स्तर पर हुए आधुनिक विकास के बारे में जानकारी देने के लिए नियमित रूप से प्रसिद्ध लेक्चरों का आयोजन करती है। विभाग द्वारा तकनीकी त्यौहार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिनका उद्देश्य शिक्षण संकाय और अर्ध-शिक्षण संकाय का ज्ञानवर्धन करना है। शैक्षिक भ्रमणों के माध्यम से विद्यार्थियों को क्लाम रूम के बाहर भी शिक्षा प्रदान की जाती है।

महाविद्यालय के छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों, जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (चेन्नई, धनबाद, गांधी नगर, गुवाहाटी, मुंबई, रूड़की), भारतीय विज्ञान शिक्षा संस्थान एंड रिसर्च (मोहाली, पुणे), टीईआरआई स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (दिल्ली), जामिया हमदर्द (दिल्ली), भारतीय प्रबंधन संस्थान (रांची), बफेलो विश्वविद्यालय (न्यूयॉर्क, यू.एस.ए.), ग्लासगो विश्वविद्यालय (यू.के.), यूनिवर्सिटी कॉलेज (डबलिन, आयरलैंड), फरी यूनिवर्सिटेट बर्लिन (जर्मनी) और कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के लिए चुना गया हैं।

कम्प्यूटर सांइस विभाग

विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान कार्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा और संरचना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर आधारित होगी। यह पाठ्यक्रम गणित आदि के साथ मुख्य कंप्यूटर विज्ञान विषयों सहित सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उम्मीदवारों के लिए आवश्यक जोर प्रदान करता है। पाठ्यक्रम व्यापक प्रयोगशाला सत्र प्रदान करता है जहां छात्र सिद्धांत में सीखी गई अवधारणाओं को लागू करते हैं। विभाग उभरते रुझानों और प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विभिन्न कार्यशालाएं/तकनीकी वार्ता/सेमिनार भी आयोजित करता है जो छात्रों के तकनीकी ज्ञान के आधार को मजबूत करने में सहायता करता है। छात्रों को प्रदान की गई विविध विशेषज्ञता उन्हें आईटी और कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसर सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। विभाग के छात्रों को विभिन्न आईटी उद्योगों जैसे विप्रो टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, एक्सेंचर, एचसीएल, टेक महिंद्रा आदि में प्लेसमेंट मिला। छात्र एम.एससी., एम.सी.ए. जैसे विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। और रोजगार अपनाने के विकल्प के अलावा विभाग के पूर्व छात्र ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, जेएनयू, आईआईटी, लैंबटन कॉलेज, कनाडा आदि जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। छात्रों के समग्र विकास के लिए, विभाग की छात्र परिषद् हर साल इंटर कॉलेज वार्षिक तकनीकी उत्सव 'टेक मेलांज' का आयोजन करती है।

विभाग नवीनतम सॉफ्टवेयर विकास उपकरणों और प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके तकनीकी कौशल प्रदान करने के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। विभाग के पास अच्छी तरह से सुसज्जित आईसीटी सक्षम प्रयोगशालाएं हैं:-

- नवीनतम कंप्यूटर कॉन्फिगरेशन के साथ 127 कंप्यूटर - इंटेल कोर i7, 20 जीबी रैम और 16 जीबी रैम के साथ 3.4 गीगाहर्ट्ज प्रोसेसर, 64 बिट विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम और क्वीक हील सुरक्षा कवच;
- 4 लेजर प्रिंटर, 1 मल्टी-फंक्शन प्रिंटर और 2 स्कैनरर्स;
- छात्रों के व्यावहारिक अनुभव को समृद्ध करने के लिए लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर और फ्री/ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का एक अच्छा संयोजन;
- प्रत्येक प्रयोगशाला में माउंटेड प्रोजेक्टर और दो पोर्टेबल प्रोजेक्टर होते हैं, जिनका उपयोग सेमिनार और प्रस्तुतियों के लिए शिक्षण सहायता के रूप में किया जाता है।

इसमें माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस प्रोफेशनल 2021, टर्बो सी++, क्विंसी, आईडीएलई पायथन, स्ट्रॉबेरी प्रोलॉग, मल्टीमीडिया टूल्स, रेड हैट लिनक्स, लेक्स और याक यूटिलिटीज, विजुअल स्टूडियो, नवीनतम जावा एसई डेवलपमेंट किट, सीपीयू सिम्युलेटर, वीका, ऑक्टेव, एंड्रॉइड जैसे नवीनतम सॉफ्टवेयर हैं। स्टूडियो, एनाकोंडा नेविगेटर, MySQL, वी.एस. कोड, नोडज, XAMPP, MASM आदि। छात्रों के बीच शोध कार्य की भावना को बढ़ाने के लिए प्रयोगशालाएं छात्रों को ई-जर्नल प्रदान करने के लिए इंटरनेट सुविधा से सुसज्जित हैं।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग के पास एक विशेष CCNA (सिस्को प्रमाणित नेटवर्क एसोसिएट) लैब भी है जहां छात्रों को CISCO राउटर, स्विच, ब्रिज आदि के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग के पास सर्वर रूम, कार्यालय सह विभागीय पुस्तकालय, यूपीएस कक्ष और शिक्षण कक्ष जैसे विभिन्न उपयोगिता कक्ष भी हैं। विभाग के पास प्रयोगशाला कार्य को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए कुशल प्रयोगशाला कर्मचारी हैं जिनमें तकनीकी सहायक, प्रयोगशाला सहायक और प्रयोगशाला परिचारक शामिल हैं।

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स, एक डिग्री कार्यक्रम आयोजित करता है। यह प्रोग्राम बुनियादी से लेकर उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स का गहन ज्ञान प्रदान करता है। इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्रों के पास उच्च शिक्षा के लिए कई रास्ते हैं जैसे कि एम. एससी. (इलेक्ट्रॉनिक्स), एम.सी.ए., एम.बी.ए. आदि। इस कार्यक्रम के पूरा होने पर छात्रों के पास कैरियर के कई अवसर हो सकते हैं। विभाग के पास संचार इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोप्रोसेसर, ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल और एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स आदि जैसी अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। ये प्रयोगशालाएँ डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, फंक्शन जनरेटर, बिजली आपूर्ति, मल्टी मीटर, व्यावहारिक ट्रेनर किट, परिष्कृत माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर ट्रेनर से सुसज्जित हैं। किट आदि के साथ-साथ उनके सॉफ्टवेयर जैसे मैटलैब, मल्टीसिम, एक्सिलिनक्स और एलटीस्पाइस भी शामिल हैं। दो इलेक्ट्रॉनिक्स सिमुलेशन प्रयोगशालाएं ऑनलाइन और ऑफलाइन सिमुलेशन के लिए 50 से अधिक नवीनतम कंप्यूटरों से सुसज्जित हैं। सिमुलेशन, प्रोजेक्ट, असाइनमेंट, वेबिनार और अनुसंधान के लिए नवीनतम कंप्यूटरों में छात्रों और कर्मचारियों को वेब तक पहुंचने के लिए इंटरनेट सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। विभाग के पास संकाय और छात्रों के लिए एक बुक बैंक भी है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में नए विकास और हालिया रुझानों को कारगर बनाने के लिए छात्रों के लिए सक्रिय रूप से सेमिनार, वेबिनार, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। विभाग सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में सामुदायिक सेवाओं में शामिल होने के लिए छात्रों का समर्थन करके मूल्य-आधारित शिक्षा को भी बढ़ावा देता है। विभाग की अपनी छात्र सोसायटी है जिसका नाम 'विद्युत' है। यह सोसायटी संकायों के साथ मिलकर प्रतिवर्ष तकनीकी उत्सव 'इलेक्ट्रोमेनिया' के साथ-साथ विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी गतिविधियों का आयोजन करती है। छात्र परिषद् छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकियों, अनुसंधान और विकास की जानकारी देने के लिए एक द्विवार्षिक पत्रिका 'इलेक्ट्रोवेडा' प्रकाशित करती है। विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स में अनुसंधान के प्रति प्रेरित छात्रों के लिए संस्थान इंटर्नशिप के अवसर भी प्रदान करता है।

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग

नवप्रवर्तन हमारे जीवन का तरीका है।

यह विभाग खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.एससी. (आनर्स) प्रदान करता है। मुख्य विभाग भूतल पर स्थित है तथा पायलट संयंत्र बेसमेंट क्षेत्र में स्थित हैं। विभाग में 6 पूर्णकालिक शिक्षण कर्मचारी और 3 अर्ध शिक्षण कर्मचारी हैं। विभाग में 5 प्रयोगशालाएँ हैं- विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला 1 और 2, खाद्य सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोगशाला, खाद्य और पोषण प्रयोगशाला, और विश्लेषणात्मक इंस्ट्रुमेंटेशन प्रयोगशाला।

कल्चर इनोक्यूलेशन, सैंपल वजन और सैंपल पाचन के लिए अतिरिक्त कमरे हैं, जो क्रमशः लैमिनर फ्लो चैंबर, इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस और पाचन सुविधाओं से सुसज्जित हैं। पायलट प्लांट में कैनिंग यूनिट, डिहाइड्रेशन यूनिट, फ्लूइडाइज्ड बेड फ्रीजर, डीप फ्रीजर, बेकरी और आइसक्रीम यूनिट हैं। विभागीय पुस्तकालय में छात्रों और शिक्षकों के लिए कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधाओं के साथ संदर्भ पुस्तकें, परियोजना रिपोर्ट और उत्पाद विकास साहित्य हैं।

विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं में नमी मीटर, फटने की शक्ति परीक्षक, वैक्यूम ओवन, ब्रुकफील्ड विस्कोमीटर (डिजिटल और एनालॉग), एब्स रेफ्रेक्टोमीटर, पेनेट्रोमीटर, हाइड्रोमीटर, सॉक्सलेट यूनिट, यूवी दृश्यमान स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, डिहाइड्रेटर, मफल फर्नेस, पोलारिमीटर, लोविबॉन्ड टिंटोमीटर, केजेल्डहल यूनिट, वैक्यूम हैं। बाष्पीकरणकर्ता, कॉब परीक्षक, वैक्यूम पैकेजिंग मशीन, किण्वक, और आरएम-पीवी अनुमान असेंबली। बेकरी इकाई में प्लैनेटरी मिक्सर, बेकिंग ओवन, आटा गूंधने की मशीन, ब्रेड स्लाइसर, आटा शीटर, बन कटर, चीनी पीसने की मिल, रसोई सहायता मिक्सर आदि हैं। माइक्रोबायोलॉजी लैब में आटोक्लेव, इनक्यूबेटर, डिजिटल माइक्रोस्कोप, दूरबीन माइक्रोस्कोप, बीओडी इनक्यूबेटर, एयर सैंपलर, मिलिपोर हैं। निस्पंदन असेंबली, लैमिनर वायु प्रवाह कक्ष, इलेक्ट्रॉनिक कॉलोनी काउंटर आदि। उन्नत सुविधाओं में एचपीएलसी प्रणाली, बनावट विश्लेषक, परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रैनसीमैट, वसा विश्लेषक, प्रोटीन विश्लेषक, रिवर्स ऑस्मोसिस प्लांट और एसओ 2 अनुमान असेंबली शामिल हैं। विभाग को पूर्व में विभिन्न अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद के लिए खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से पचास लाख का अनुदान प्राप्त हुआ है।

विभाग कॉलेज के अन्य विभागों या विभिन्न संगठनों के सहयोग से छात्रों को क्षेत्र में हाल के विकास के बारे में अद्यतन और सूचित रखने के लिए नियमित आधार पर कार्यशालाएं, प्रशिक्षण सत्र, आमंत्रित व्याख्यान, सेमिनार और वेबिनार आयोजित करता है। सत्र 2022-23 में, विभाग ने 31 अगस्त, 2022 को एक ऑनलाइन चर्चा का आयोजन किया - "International Millets Year - Your guide to the 'Tiny Grains' that pack a big nutrition pouch"; 27 सितंबर, 2022 को 'बाजरा के महत्व' पर रेसिपी निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई; विभाग ने 18 अक्टूबर, 2022 को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया। छात्रों ने 17 जनवरी 2023 को विभिन्न अंतर कॉलेज कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के साथ विभाग का तकनीकी उत्सव, फूड फेलिसिटी'23 मनाया।

विभाग द्वारा एनडीआरआई-करनाल, प्राचीन गोल्डन मिलेट्स, मदर डेयरी-दिल्ली, सफल-दिल्ली और याकुल्ट-सोनीपत जैसे विभिन्न उद्योगों और अनुसंधान संस्थानों में छात्रों की शैक्षिक यात्राएं भी आयोजित की गईं। छात्र देश और विदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जैसे सीएफटीआरआई-मैसूर, भारतीय पैकेजिंग संस्थान, एनडीआरआई-करनाल, निफ्टेम-सोनीपत, बीएचयू, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, नीदरलैंड विश्वविद्यालय आदि में उच्च शिक्षा कार्यक्रम अपनाते हैं। विभाग के पूर्व छात्र अच्छी स्थिति में हैं। जीएसके, मदर डेयरी, नेस्ले इंडिया, पेप्सी-सीओ, याकुल्ट, एफएसएसएआई, बीआईएस आदि जैसे विभिन्न खाद्य उद्योगों और संगठनों में विभाग छात्रों को नए उत्पाद विकास में प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और कौशल बढ़ाने के लिए एक उद्यमिता विकास सेल है। विभाग के छात्र अपनी परियोजनाओं के लिए शोध और समीक्षा पत्र लिखने में सम्मिलित हैं और विभिन्न उद्योगों और संगठनों में इंटर्नशिप भी करते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों जैसे पीएफएनडीएआई (प्रोटीन फूड्स एंड न्यूट्रिशन डेवलपमेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया) और सीआईआई-एसकेए (भारतीय उद्योग परिसंघ-सुरक्षितखाद्य अभियान) आदि द्वारा छात्रों को विभिन्न छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। विभाग छात्रों और समाज के समग्र विकास के लिए विभिन्न आउटरीच गतिविधियों या विस्तार को भी बढ़ावा देता है।

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन कार्यक्रम आयोजित करता है। विभाग ने शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए एक आधुनिक अनुसंधान सुविधा और बुनियादी ढांचा विकसित किया है। विभाग में पाठ्यक्रम के आधार पर पांच प्रमुख प्रयोगशालाएँ हैं - वैट प्रयोगशाला द्वारा समर्थित विश्लेषणात्मक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, बायोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन और इलेक्ट्रिकल मशीन प्रयोगशाला, माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला और औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला।

विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला एचपीएलसी, जीएलसी, कार्ल फिशर टिट्रेटर, पीएच मीटर, यूवी-विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फोटोमीटर, फ्लेम फोटोमीटर, एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, मैग्नेटिक स्टिरर और रोटरी वैक्यूम इवेपोरेटर से सुसज्जित है। बायोमेडिकल प्रयोगशाला में बायोमेडिकल किट हैं जिनका उपयोग ईईजी, ईसीजी, ईएमजी, पल्स दर, श्वसन दर आदि को मापने के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला में एलिसा रीडर, बायोकैमिस्ट्री विश्लेषक, पीसीआर मशीन, रक्त कोशिका काउंटर और अल्ट्रासाउंड मशीन भी है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन और इलेक्ट्रिकल मशीन प्रयोगशाला में श्रृंखला और शंट डीसी मोटर्स, इंडक्शन मोटर्स आदि जैसे विभिन्न उपकरण हैं। माइक्रोप्रोसेसर लैब छात्रों को प्रोग्रामिंग और नई परियोजनाओं को डिजाइन करने, मैट्रिक्स हेरफेर के लिए MATLAB प्रोग्रामिंग, कार्यों और डेटा की प्लॉटिंग, कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षित करने के लिए 8085 किट से सुसज्जित है। एल्गोरिदम का निर्माण, उपयोगकर्ता इंटरफेस का निर्माण, और अन्य भाषाओं में लिखे गए प्रोग्रामों के साथ इंटरफेस करना। औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन लैब में ऑरिफिस मीटर, डीसी कैलिब्रेशन मीटर, लेवल ट्रांसमीटर, अल्ट्रासोनिक फ्लो मीटर, रेशियो कंट्रोलर, प्रेशर गेज कैलिब्रेटर, मैग्नेटिक फ्लो मीटर, सर्कुलर चार्ट रिकॉर्डर आदि जैसे उपकरण हैं। विभाग की सभी प्रयोगशालाएँ चलाने के लिए कंप्यूटर सिस्टम से सुसज्जित हैं। सिमुलेशन आधारित व्यावहारिक। विभाग छात्रों को क्षेत्र में नवीनतम विकास के बारे में अपडेट करने के लिए नियमित आधार पर कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, आमंत्रित व्याख्यान और सेमिनार आयोजित करता है। इस वर्ष (2022-2023) विभाग ने विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की हैं:-

(1) विश्लेषणात्मक इंस्ट्रूमेंटेशन और नैनोसाइंस, सेमी-कंडक्टर डिवाइस और एप्लिकेशन और IoT और इसके एप्लिकेशन जैसे विभिन्न विषयों पर ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप/प्रोजेक्ट।

(2) तकनीकी उत्सव 'टेक्नेक्सस' का आयोजन।

(3) सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड का औद्योगिक दौरा।

(4) 'सिनॉप्सिस टीसीएडी' पर आभासी प्रशिक्षण सत्र।

(5) 'बुनियादी और व्यावहारिक विज्ञान' पर आठ दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला।

(6) 'इलेक्ट्रॉनिक और संचार के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं और कैरियर मार्गदर्शन' पर पूर्व छात्रों का संवाद सत्र।

(7) 'उच्च-आवृत्ति अनुप्रयोगों के लिए नैनोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण' पर आमंत्रित वार्ता।

(8) "GaN MMIC प्रौद्योगिकी" और "GaN MMIC घटक" पर तकनीकी वार्ता।

प्रबंधन अध्ययन विभाग

शहीद राजगुरु में प्रबंधन अध्ययन विभाग (डीएमएस) प्रबंधन अध्ययन (बीएमएस) में स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है जो छात्रों को विभिन्न उद्योगों में प्रबंधन पदों के लिए आवश्यक कौशल सिखाता है। पाठ्यक्रम में मार्केटिंग, वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन, वैश्विक व्यापार, डिजिटल मार्केटिंग और कई अन्य विषय शामिल हैं।

विभाग नियमित रूप से रजत अरोड़ा (शिक्षक, उद्यमी, यूट्यूबर), डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन (भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार), श्री कार्तिकेय चोपड़ा (Google द्वारा शीर्ष विपणनकर्ता के रूप में सम्मानित), प्रो. जे. सलदान्हा (आईबीएस, गुड़गांव में 12 वर्षों से अधिक के पीजीपीएम शिक्षण अनुभव के साथ प्रसिद्ध संकाय) जैसे प्रसिद्ध उद्योग विशेषज्ञों और पेशेवरों द्वारा सेमिनार, कार्यशालाएं, वेबिनार और सत्र आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त भी विभाग छात्रों को क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और विकास पर अपडेट रखने के लिए अग्रसर है।

इसके अलावा, छात्रों को व्यावहारिक सीखने के अवसर प्रदान करने और उनके प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए शैक्षिक क्षेत्र के दौरे, भ्रमण और सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। विभाग एक वार्षिक तकनीकी उत्सव 'IIDAIRA' भी आयोजित करता है, जिसमें छात्रों के प्रबंधकीय ज्ञान और कौशल का परीक्षण करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

डीएमएस छात्रों को एक समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जो व्यावहारिक कौशल और महत्वपूर्ण सोच पर केंद्रित है। हमारे पूर्व छात्रों ने इनसीड, आईआईएम, एफएमएस जैसे वैश्विक स्तर पर बहुत प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थानों में शानदार ढंग से प्रवेश प्राप्त किया है। छात्रों ने अर्न्स्ट एंड यंग, बजाज कैपिटल, शेयरखान और कई अन्य प्रमुख संगठनों में इंटर्नशिप की है। एडस्ट्रोल, फुल्ड एंड कंपनी, जेनपैक्ट, एचसीएल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, इंडिगो, इंटेलीपाट, जारो एजुकेशन में प्लेसमेंट और लगभग 4.61 एलपीए के औसत पैकेज और 7.25 एलपीए के उच्चतम पैकेज के साथ, विभाग ने अपने चौथे स्नातक बैच के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

वित्तीय अध्ययन विभाग

B.B.A. का नया पाठ्यक्रम (एफ.आई.ए.) नीतिगत हस्तक्षेप, वैश्विक एकीकरण और तकनीकी व्यवधान के माध्यम से नवीनतम विकास पर ध्यान देने के साथ वित्त के लगातार बदलते क्षेत्र का गहन ज्ञान प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम को करने के बाद छात्र बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं; निवेश और निधि प्रबंधन; कॉर्पोरेट वित्तीय प्रबंधन; वित्तीय जोखिम प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय वित्त व अन्य क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करेंगे।

विभाग लगातार सेमिनार, वेबिनार, कैरियर परामर्श सत्र और संगोष्ठी जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन प्रतिष्ठित प्रवक्ताओं जैसे सुश्री दक्षा जॉर्जिया (बीआईएपी में वित्तीय साक्षरता और निवेशक शिक्षा के लिए प्रशिक्षक), प्रोफेसर जे सल्दान्हा (आईबीएस, गुड़गांव में संकाय), श्री जैसे प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा करता है। कुछ प्रमुख प्रवक्ता जैसे हविश माधवपति (40 अंडर 40 एनालिटिक्स के संस्थापक), सिद्धार्थ सिंघल (मुख्य शिक्षक, आईएमएस), डॉ. कुमार बिजॉय (कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग के एसोसिएट डायरेक्टर) और कई अन्य जिन्होंने विभाग के छात्रों को अपने बहुमूल्य इनपुट प्रदान किए। असके अलावा निवेशक जागरूकता, वित्तीय मॉडलिंग, पावर बीआई, केंद्रीय बजट आदि विषयों पर भी ढेर सारी कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

छात्रों को उनके प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल को निखारने में मदद करने के लिए कई शैक्षिक क्षेत्र दौरे और भ्रमण भी आयोजित किए जाते हैं। डीएफएस अपने वार्षिक तकनीकी उत्सव 'IIDAIRA' का आयोजन करता है, जिसमें यह छात्रों के लिए विविध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करता है।

हमारे पूर्व छात्रों ने आईआईएम, एचईसी (मॉन्ट्रियल, कनाडा), डीटीयू और अन्य प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश सुरक्षित किया है। छात्रों ने प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप हासिल की है और उन्हें जेनपैक्ट, एचसीएल, इंडिगो, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और कई अन्य कंपनियों में 36.50 एलपीए पर उच्चतम सीटीसी और 5.74 एलपीए पर औसत सीटीसी के साथ रखा गया है।

गणित विभाग

गणित विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) गणित में अध्ययन प्रदान करता है, जो एक स्नातक कार्यक्रम है। विभाग अपनी स्थापना के बाद से ही कॉलेज के कामकाज में सहायक रहा है। विभाग मेहनती और समर्पित छात्रों के साथ मिलकर काम करने वाले समर्पित और शोध-उन्मुख शिक्षकों का एक संपन्न समुदाय है। विभागीय सोसायटी 'रामनार्य' छात्रों के विकास के लिए पूरे वर्ष सेमिनार, कार्यशालाएँ और अन्य गतिविधियाँ आयोजित करती है। इसकी व्याख्यान श्रृंखला 'अभिज्ञान' के बैनर तले प्रख्यात गणितज्ञों और विद्वानों के व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। 'बात-चीत' श्रृंखला के तहत विभाग के पूर्व छात्रों के साथ बातचीत आयोजित की जाती है। कॉलेज के शैक्षणिक ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर स्थित, विभाग में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट सुविधा के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। सिस्टम गणितीय और सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर जैसे मैथमेटिका, आर, लाटेक्स, HTML, साइलैब और ऑक्टेव के साथ स्थापित किए गए हैं। कार्यक्रम का पाठ्यक्रम इस तरह से डिजाइन किया गया है कि छात्रों को इन सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षित होने का अवसर मिले। प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम को कोर पेपर्स, जेनेरिक ऐच्छिक, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम में विभाजित किया गया है। अपने अध्ययन के पाठ्यक्रम में छात्रों को कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, रैखिक और सार बीजगणित जैसे गणित के मुख्य वैचारिक पेपर के साथ-साथ रैखिक प्रोग्रामिंग, ग्राफ सिद्धांत और गणितीय पायथन जैसे कुछ व्यावहारिक पेपर का अध्ययन करने का अवसर मिलता है। विभाग विभिन्न सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करके छात्रों को अनुसंधान में रुचि तलाशने और आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का निरंतर प्रयास करता है। छात्रों को अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अन्य विभागों के साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जाता है। छात्रों के समग्र विकास के लिए, विभाग छात्रों को कॉलेज के सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग

माइक्रोबायोलॉजी विभाग वर्तमान में बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी कार्यक्रम का अध्धयन प्रदान करता है, जो एक स्नातक कार्यक्रम है। सूक्ष्मजीवों का हमारे दैनिक जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है, चाहे वह पर्यावरण का रखरखाव हो और महत्वपूर्ण औद्योगिक उपकरण के रूप में कार्य करना हो या कई मानव, पशु और पौधों की बीमारियों के साथ-साथ भोजन को खराब करने के कारक के रूप में कार्य करना हो। विभाग का उद्देश्य सूक्ष्म जीव विज्ञान के अनुशासन में छात्रों को शिक्षित और प्रशिक्षित करना और सक्रिय अनुसंधान के माध्यम से इस वैज्ञानिक क्षेत्र के ज्ञान का विस्तार करना है। विभाग का लक्ष्य हममें से प्रत्येक को प्रभावित करने वाले सूक्ष्मजीवों के महत्व के बारे में सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से एक आम आदमी को जागरूक करना और संवेदनशील बनाना है। माइक्रोबायोलॉजी का अध्ययन करने के कई कारणों में से एक चिकित्सा विज्ञान, पारिस्थितिकी, कृषि, फार्मास्युटिकल विज्ञान और निदान, जलीय माइक्रोबायोलॉजी और जैव प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए आवश्यक क्षेत्र का बुनियादी ज्ञान प्राप्त करना है। विभाग नियमित रूप से मशरूम की खेती पर कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और संकाय विकास कार्यक्रम भी आयोजित करता है। विभाग के पास बुनियादी और उन्नत उपकरणों के साथ विशाल प्रयोगशालाएं हैं और इसमें मीडिया तैयारी कक्ष, जैव-इंस्ट्रूमेंटेशन कक्ष, टीकाकरण कक्ष और एक संस्कृति कक्ष जैसी सुविधाएं हैं। प्रयोगशालाएं माइक्रोस्कोप, शेकर इनक्यूबेटर, लैमिनर फ्लो कैबिनेट, इनक्यूबेटर, यूवी स्पेक्ट्रो-फोटोमीटर, सेंट्रीफ्यूज, डिजिटल पीएच मीटर, इलेक्ट्रॉनिक वजन संतुलन, कॉलोनी काउंटर, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस इकाइयां, टिशू कल्चर रैक, आटोक्लेव इत्यादि जैसे विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित हैं। विभाग में एक विधिवत निर्वाचित छात्र परिषद 'ईथरियल' है जो क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान के साथ प्रख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उद्यमियों के साथ कार्यक्रम, सेमिनार और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करती है। विभाग नियमित रूप से विभिन्न प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं और उद्योगों के लिए क्षेत्रीय दौरे भी आयोजित करता है।

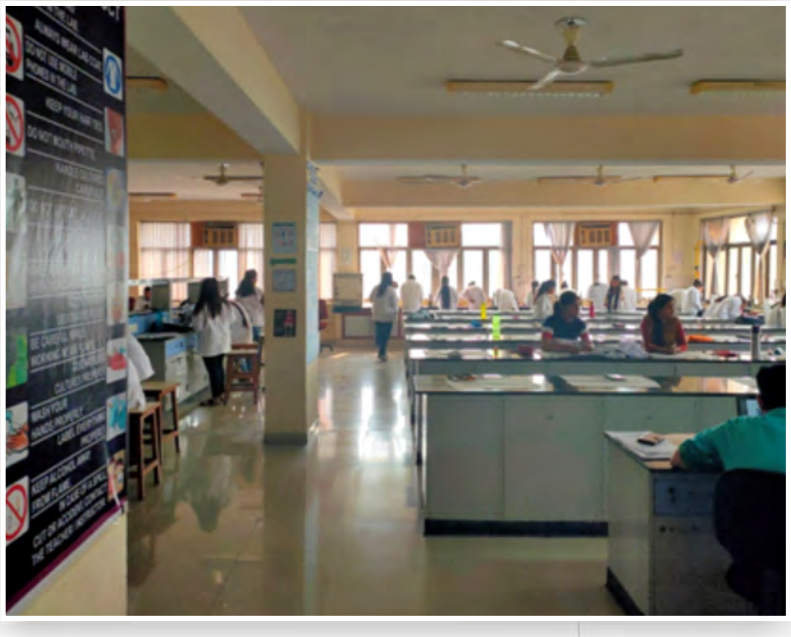

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम में अध्ययन प्रदान करता है। । सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की वर्तमान दुनिया में, जो छोटी और स्मार्ट होती जा रही है, भौतिकी, सबसे छोटी इकाई (क्वार्क, बोसॉन, क्वांटम कंप्यूटिंग, नैनोटेक्नोलॉजी आदि) से लेकर सबसे बड़ी इकाई (ब्रह्मांड) तक का विज्ञान, अनिवार्य रूप से अधिक प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हो गया है। विभाग का लक्ष्य महिलाओं को ज्ञान और कौशल प्रदान करना है जो उन्हें वैज्ञानिक अध्ययन के क्षेत्र में सशक्त बनाएगा और उन्हें चरित्रवान और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उभरने में भी सक्षम बनाएगा। विभाग में तीन सुसज्जित और विशाल प्रयोगशालाएँ और पूरी तरह से वातानुकूलित कम्प्यूटेशनल भौतिकी प्रयोगशाला हैं। बुनियादी से उन्नत/अनुसंधान स्तर तक सभी आवश्यक भौतिकी व्यावहारिक को पूरा करने के लिए लैब्स हैं जो हे-ने लेजर, पोलारिमीटर, स्पेक्ट्रोमीटर, इलेक्ट्रिकल ब्रिज, ऑसिलोस्कोप (सीआरओ और डीएसओ), हॉल इफेक्ट, रेजिस्टेंस मीटर, फंक्शन जेनरेटर, आरएफ ऑसिलेटर, मल्टी-आउटपुट पावर सप्लाई, ऑप्टिकल बेंच आदि जैसे अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। कम्प्यूटेशनल लैब में लेटेक्स, साइलैब, फोरट्रान, सी+, टीना जैसे कम्प्यूटेशनल सॉफ्टवेयर के साथ सिस्टम स्थापित हैं। , PythonGnuplot] Multisim पाइथन जीएनयू प्लॉट, मल्टीसिम आदि सॉफ्टवेयर जो छात्रों को आवश्यक कम्प्यूटेशनल कौशल से लैस और प्रशिक्षित करते हैं ताकि वे भौतिकी और अन्य समस्याओं को कम्प्यूटेशनल रूप से हल करने में सक्षम हो सकें। विभाग के पास विविध अनुसंधान विशेषज्ञता वाले अत्यधिक जीवंत और प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों के साथ-साथ छात्रों की शैक्षणिक शिक्षा, करियर, परामर्श आदि के संदर्भ में उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अत्यधिक अनुभवी और अच्छी तरह से प्रशिक्षित पैरा-शिक्षण कर्मचारी हैं। विभाग के पास विभागीय छात्र परिषद के नेतृत्व में एक गतिशील सोसायटी, 'टेकीयॉन्स' है, जो विभिन्न विभागीय गतिविधियों - शैक्षणिक के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियों का भी आयोजन करता है। सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने और छात्रों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए, विभाग विभिन्न वार्ताध्व्याख्यान, विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओंध्संस्थानों का दौरा और शैक्षिक यात्रा आयोजित करता है। विभाग में एक ई-कचरा सोसायटी है, जो कॉलेज के अंदर और बाहर ई-कचरा संग्रह अभियान आयोजित करके सामाजिक पहल करती है। ई-कचरा सोसायटी एकत्र किए गए ई-कचरे के पुनर्चक्रण और उचित निपटान के लिए एक गैर सरकारी संगठन, हिंदुस्तान ई-कचरा प्रबंधन लिमिटेड के साथ सहयोग करती है। बीएससी विभाग द्वारा प्रस्तावित (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम ने छात्रों को शुद्ध और व्यावहारिक विज्ञान में अनुसंधान में करियर के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित किया है। इसने स्नातक छात्रों को प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाया। बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी से स्नातक करने के बाद, हमारे छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों जैसे मैक्स प्लैंक यूनिवर्सिटी बॉन (जर्मनी), प्रूड्यू यूनिवर्सिटी (यूएसए), जेएनसीएएसआर, आईआईटी, जेएनयू डीटीयू, एनआईटी, दिल्ली विश्वविद्यालय आदि में मास्टर और इंटीग्रेटेड पीएचडी कार्यक्रमों में चुना गया है।

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग वर्ष 2017 में स्थापित किया गया था और बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान में अध्ययन प्रदान करता है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में मनोविज्ञान के विभिन्न उप-क्षेत्र शामिल हैं जैसे मनोविज्ञान की नींव, सामाजिक और सांस्कृतिक मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान, जीवन काल विकास, संगठनात्मक व्यवहार, सांख्यिकी और अनुसंधान पद्धति और जैव-मनोविज्ञान। हम अपने छात्रों के बीच एक मजबूत सैद्धांतिक आधार के साथ-साथ उनके सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देना चाहते हैं। यह अनुसंधान उन्मुख और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने के लिए किया जाता है। शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में छात्रों के बीच सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध करने के लिए इंटरैक्शन-आधारित व्याख्यान, ई-लर्निंग संसाधनों का उपयोग, ऑडियो-विजुअल एड्स, मूवी स्क्रीनिंग और शोध लेख शामिल हैं। विभाग के पास पुस्तकों, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और सूची, और परीक्षण उपकरणों की एक आंतरिक पुस्तकालय हैय इन सभी का उपयोग डिजाइन किए गए प्रैक्टिकम में किया जाता है। कई शिक्षण शिक्षाशास्त्र और मल्टीम—डल दृष्टिकोण के माध्यम से, हम छात्रों को कक्षा शिक्षण के भीतर और बाहर अनुसंधान रुचियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विभाग में 'साइमेंशिया' नाम से एक अकादमिक सोसायटी है - जो मानस और विवेक के लिए एक खिड़की है। 2017 से, सोसायटी ने मनोविज्ञान के विभिन्न उप-क्षेत्रों के प्रख्यात वक्ताओं द्वारा कार्यशालाओं, सेमिनारों और इंटरैक्टिव सत्रों जैसी छात्र केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया है। ऐसे सत्र व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं और छात्रों के बीच समुदाय की भावना पैदा करते हैं। सोसायटी का मुख्य आकर्षण इसका वार्षिक विभागीय महोत्सव - 'ट्रेजॉयर' है, जिसके दौरान पैनल चर्चा, सेमिनार, कार्यशाला और अंतर कॉलेज प्रतियोगिताओं जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विभाग अपनी वार्षिक पत्रिका श्सोफ्रोसिनश भी जारी करता है जो इसकी गतिविधियों के विवरण पर प्रकाश डालती है। इस प्रकार विभाग अपने छात्रों के लिए शैक्षणिक और अंतःविषय गतिविधियों में संलग्न होने के लिए एक प्रेरक वातावरण बनाता है।

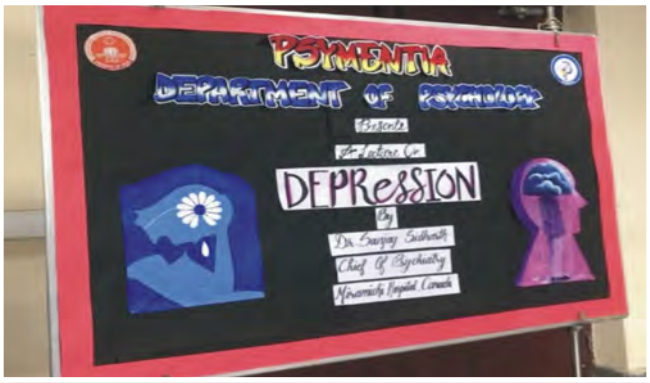

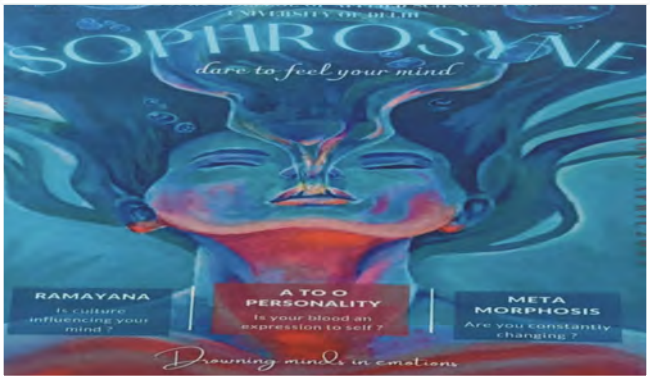

सांख्यिकी विभाग

यह सर्वविदित है कि, मोटे तौर पर सांख्यिकी, अनिश्चितता का अध्ययन है: इसे कैसे मापें (संभावना सिद्धांत में विचारों और विधियों का उपयोग करके), इसके बारे में क्या करें (सांख्यिकीय अनुमान और निर्णय सिद्धांत से अवधारणाओं का उपयोग करके) और यह भी सीखेंरू डेटा के साथ कैसे खेलें: सांख्यिकी डेटा विज्ञान के लिए एक प्रमुख मूलभूत अनुशासन है और हाल के युग में इसका विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग हो रहा है। सांख्यिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2017 में छात्रों के लिए सांख्यिकी में स्नातक डिग्री कार्यक्रम बी.एससी. शुरू करने के उद्देश्य से की गई थी। इस सांख्यिकीय कार्यक्रम के माध्यम से, छात्र सांख्यिकीय उपकरणों का बुनियादी ज्ञान सीखते हैं और वास्तविक जीवन स्थितियों में इसके अनुप्रयोगों को लागू करते हैं। विभाग का मूल दर्शन शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपने छात्रों के बीच न केवल बुद्धि और रचनात्मकता को विकसित करना है, बल्कि उन्हें उनके अतिरिक्त-शैक्षणिक और पाठ्येतर स्वभाव का भी एहसास कराना है, जो समाज का उत्पादक सदस्य बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी संबंधित प्रमुख विषयों जैसे नमूनाकरण, मॉडलिंग, निर्णय लेना, पूर्वानुमान और बहुत कुछ शामिल है। अध्ययन कार्यक्रम के दौरान, छात्रों को उनके सर्वांगीण विकास में पूर्ण अनुभव और सहायता दी जाती है। इसके अलावा, विभाग के पास ष्परस्तिकाष नाम से एक सोसायटी है जो सोसायटी के बैनर तले प्रतिष्ठित प्रोफेसरों द्वारा दिए गए अधिक अद्यतन सूचनात्मक सांख्यिकीय अध्ययनों के आधार पर विभिन्न व्याख्यान श्रृंखला, सेमिनार, वेबिनार और प्रशिक्षण आयोजित करती है। विभाग के पास एक सुसज्जित प्रयोगशाला है जिसके कंप्यूटर सिस्टम पर विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। छात्रों को आर-सॉफ्टवेयर भाषा, एसपीएसएस, टीओआरए, मैथमेटिका और एक्सेल जैसे सॉफ्टवेयर कौशल सीखने से विशेषज्ञता मिलती है और स्नातक स्तर की सरकारी और निजी क्षेत्र की नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ते हैं। इस कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, छात्र सर्वेक्षण अन्वेषक, सांख्यिकीविद्, डेटा विश्लेषक, डेटा वैज्ञानिक आदि के लिए आवेदन कर सकते हैं।

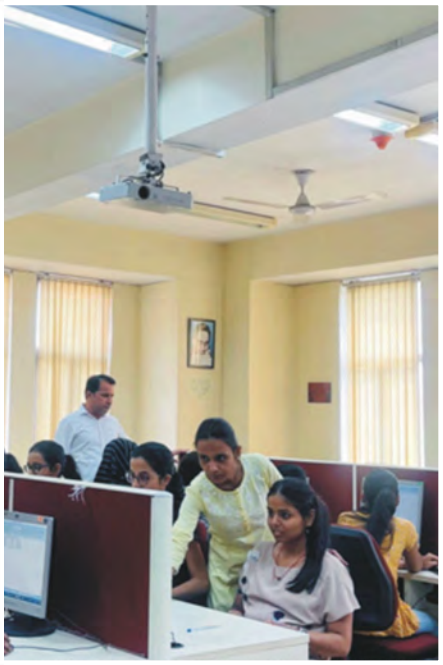

सहायक विभाग — अंग्रेजी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन में अंग्रेजी विभाग, संस्थान के सभी शैक्षणिक विभागों के लिए एक सहायक स्तंभ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 2015 में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) पाठ्यक्रम की शुरुआत के अनुरूप स्थापित, विभाग तब से विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को विविध प्रकार के पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहा है। इसकी पेशकशों के एक अनिवार्य हिस्से में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) शामिल हैं, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत स्नातक पाठ्यक्रम ढांचे (यूजीसीएफ) के अनुपालन में डिजाइन किए गए हैं। एसईसी छात्रों के रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और उन्हें प्रासंगिक, बाजार-उन्मुख कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बी.एसी. छात्रों के बौद्धिक, रचनात्मक और नैतिक विकास को बढ़ावा देकर उनके समग्र विकास में योगदान देता है। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से, विभाग न केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को अपने क्षितिज को व्यापक बनाने, रुचि के नए क्षेत्रों में जाने और कौशल को बढ़ावा देने के लिए भी प्रोत्साहित करता है जो उनके भविष्य के प्रयासों में फायदेमंद होगा। इनके अलावा, विभाग प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम व्यापक शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा देते हुए छात्रों को उनके मूल पाठ्यक्रम के बाहर विभिन्न विषयों से परिचित कराने का प्रयास करते हैं। इन जीई पाठ्यक्रमों के माध्यम से विभाग की आकांक्षा साहित्य की गहन अंर्तदृष्टि का लाभ उठाकर छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करना है। इसका अंतिम उद्देश्य छात्रों को समसामयिक सामाजिक मुद्दों के बारे में स्वतंत्र और निष्पक्ष राय बनाने के लिए सशक्त बनाना है। इसके अलावा, अंग्रेजी विभाग शिक्षाविदों से परे अपना समर्थन बढ़ाता है, कॉलेज की सांस्कृतिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान देता है। इन क्षेत्रों में इसकी भागीदारी सर्वांगीण छात्रों को विकसित करने के प्रति इसके समर्पण को रेखांकित करती है जो आत्मविश्वास और तीक्ष्णता के साथ दुनिया का भ्रमण कर सकते हैं। कॉलेज में अंग्रेजी विभाग एक सहायक विभाग के रूप में एक अद्वितीय स्थान रखता है, जो महत्वपूर्ण सोच और अंतःविषय सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए छात्रों की शैक्षणिक और पाठ्येतर यात्रा को समृद्ध करता है।

सहायक विभाग – पर्यावरण अध्ययन विभाग

स्नातक अध्ययन के लिए पर्यावरण शिक्षा एनईपी के तहत पहले और दूसरे वर्ष में योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी), पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) के रूप में प्रदान की जाती है। पेपर में सिद्धांत और व्यावहारिक घटक हैं। ईवीएस विभाग पर्यावरण संबंधी मुद्दों को समझने के लिए ऐसी रणनीतियाँ बनाने में शामिल है जो सरल, नवीन, प्राकृतिक, मर्मज्ञ, भरोसेमंद, अंतर-अनुशासनात्मक और अंतर-सांस्कृतिक हों। पर्यावरण पर जानकारी विभिन्न आयामों को कवर करती है जिसमें पारिस्थितिकी तंत्र, प्राकृतिक संसाधन, सतत विकास, पर्यावरण नीति, प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन, प्रभाव मूल्यांकन, जैव विविधता, पर्यावरणीय नैतिकता और पारंपरिक प्रथाएं जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा, यह कार्बन फुटप्रिंट, पर्यावरण ऑडिट, ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा प्रबंधन, परिपत्र अर्थव्यवस्था, जीवन-चक्र मूल्यांकन (किसी उत्पाद का) और सांख्यिकीय विश्लेषण (डेटा का) जैसे वर्तमान विषयों के माध्यम से छात्रों के ज्ञान को नवीनीकृत करता है जो पाठ्यक्रम-आधारित विषयों से परे है। यह सीख छात्रों में सोच को बढ़ावा देती है और उन्हें स्थायी पर्यावरण की दिशा में कार्रवाई की बढ़ती इच्छा के साथ एकजुट करती है। इसके अलावा, ईवीएस का लक्ष्य परियोजनाओं, सर्वेक्षणों और फील्डवर्क के माध्यम से एक छात्र की जानकारी को कक्षा में सीखने से परे अभ्यास में लाना है। छात्रों द्वारा विभिन्न परियोजनाएं और सर्वेक्षण किए गए हैं, उदाहरण के लिए, उनके घरों की कार्बन पदचिह्न गणना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता, अभ्यास और परिवार के दृष्टिकोण का आकलन करने पर सर्वेक्षण, पर्यावरण पर जागरूकता, घर पर उनके कंपोस्टिंग सिस्टम का निर्माण आदि। इस प्रकार, ईवीएस विभाग महत्वपूर्ण जांच के माध्यम से अपने छात्रों में जिम्मेदारी और देखभाल नैतिकता की अवधारणा को अधिक व्यक्तिगत से सामाजिक मूल्यों और आगे पर्यावरणीय मूल्यों तक ले जाता है।

सहायक विभाग – शारीरिक शिक्षा एवं खेल-कूद विभाग

विद्यार्थियों को देश का भविष्य माना जाता है। उनके स्वास्थ्य को पोषण देना होगा ताकि वे देश की प्रगति के लिए आवश्यक पावर हाउस बन सकें। इस दर्शन को ध्यान में रखते हुए कॉलेज शिक्षाविदों के साथ-साथ खेल गतिविधियों पर काफी ध्यान केंद्रित करता है और छात्रों को विभिन्न प्रकार के खेलों और खेलों में भाग लेने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो हमारे कॉलेज और बाहर नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। कॉलेज निम्नलिखित तरीकों से शारीरिक शिक्षा और खेल प्रदान करता है:-

1. **खेल सुविधाएं:** कॉलेज एथलेटिक्स, एरोबिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, क्रॉस कंट्री, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, खो-खो, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और योग के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। इसके परिसर में एक सुसज्जित जिम है। ये सुविधाएं कर्मचारियों और छात्रों के लिए खुली हैं। विभाग समय-समय पर विभिन्न फिटनेस कार्यक्रम और शिविर भी आयोजित करता है।
2. **टूर्नामेंट में भागीदारी:** हमारे छात्र नियमित रूप से डीयू इंटर कॉलेज टूर्नामेंट के साथ-साथ जिला स्तर, राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर और इंटर यूनिवर्सिटी स्तर पर टूर्नामेंट में भाग लेते हैं और अपनी खेल उपलब्धियों के माध्यम से कॉलेज को गौरवान्वित करते हैं। कॉलेज सभी आवश्यक बैक-अप सहायता प्रदान करता है।
3. **स्पर्धा:** कॉलेज अपना खेल उत्सव स्पर्धा आयोजित करता है जहां विभिन्न कॉलेजों/संस्थानों की टीमों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। 'स्पर्धा' जो स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का प्रतीक है, प्रतिभागियों के लिए अपनी खेल प्रतिभा, नेतृत्व और कामरेडरी प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। पहले उत्सव, यानी प्रतिस्पर्धा-2017 में, दिल्ली विश्वविद्यालय के 40 विभिन्न कॉलेजों के एथलीटों ने भाग लिया और आठ खेल स्पर्धाओं में स्वस्थ प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह उत्सव तब से हर साल आयोजित किया जा रहा है और छात्र इसका बेसब्री से इंतजार करते हैं और उत्साह से भाग लेते हैं।
4. **इंट्रा-म्यूरल्स:** कॉलेज इंट्रा-म्यूरल्स का आयोजन करता है, जहां कॉलेज के छात्र, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी विभिन्न खेल आयोजनों में भाग लेते हैं। 5. शिक्षण के विषय के रूप में शारीरिक शिक्षारू शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग बीएससी (ऑनर्स) प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए शारीरिक शिक्षा और बी.एसी. (मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम) में सामान्य वैकल्पिक पेपर प्रदान करता है।
5. **शिक्षण के विषय के रूप में शारीरिक शिक्षा:** शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग बीएससी (ऑनर्स) प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए शारीरिक शिक्षा और बी.एसी. (मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम) में सामान्य वैकल्पिक पेपर प्रदान करता है।

सुविधाएं@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

कॉलेज में लगभग 600 लोगों की बैठने की क्षमता वाला एक हाई-टेक ऑडिटोरियम, एक सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किया गया एम्फीथिएटर, कई सेमिनार हॉल, कक्षाएं, अच्छी तरह से सुसज्जित जिम, सुंदर उद्यान और अच्छी तरह से बनाए रखा लॉन हैं। इसमें एक ऑन-कैंपस छात्रावास भी है जिसमें लगभग 120 छात्र रहते हैं। कॉलेज छात्रावास, छात्रों को रहने के लिए एक साफ, स्वच्छ और आरामदायक जगह देता है।

पुस्तकालय

कॉलेज पुस्तकालय में लगभग 19100 किताबें, 20 मुद्रित पत्रिकाएँ और पत्रिकाएँ हैंय और मौलिक विज्ञान के सभी पहलुओं को कवर करने वाले कई वैज्ञानिक विश्वकोश और पत्रिकाएँ। पुस्तकालय यूजीसी-इन्फोनेट, डुलिस इलेक्ट्रॉनिक जर्नल और इनफ्लिबनेट के एनएलआईएसटी के माध्यम से बड़ी संख्या में ई-संसाधनों की सदस्यता लेता है। इसमें संदर्भ और उद्धरण स्रोतों पर 11 ऑनलाइन डेटाबेस, ग्रंथ सूची स्रोतों पर 7 ऑनलाइन डेटाबेस, उद्धरण विश्लेषण संसाधनों पर 2 ऑनलाइन डेटाबेस, वित्तीय और सांख्यिकीय स्रोतों पर 5 ऑनलाइन डेटाबेस, डॉक्टरेट थीसिस पर एकल डेटाबेस और पूर्ण पाठ स्रोतों पर 77 ऑनलाइन डेटाबेस शामिल हैं। 80 कंप्यूटरों वाली तीन वाई-फाई कंप्यूटर प्रयोगशालाओं वाली लाइब्रेरी में लगभग 49270 ई-जर्नल और 97000 ई-पुस्तकें उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय के संस्थागत भंडारों में खाद्य प्रौद्योगिकी के तीसरे वर्ष के छात्रों द्वारा किए गए नए उत्पाद विकास जैसी डिजिटल सामग्री है। अन्य महत्वपूर्ण परियोजना रिपोर्ट, प्रश्न पत्र, पाठ्यक्रम को भी पुस्तकालय द्वारा डिजिटलीकृत किया जाता है।

कॉलेज की लाइब्रेरी आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) सक्षम है, जिसका उपयोग हाउसकीपिंग संचालन के लिए किया जा रहा है। यह प्रणाली सुरक्षा से आगे बढ़कर एक ट्रैकिंग प्रणाली बन गई है जो संपूर्ण पुस्तकालय में सामग्रियों की अधिक कुशल ट्रैकिंग के साथ सुरक्षा को जोड़ती है, जिसमें आसान और तेज चार्ज और डिस्चार्ज, इन्वेंट्री, सामग्री प्रबंधन और पुस्तकों की आसान वापसी के लिए स्वचालित बुक ड्रॉप कियोस्क का उपयोग किया जाता है।

इस प्रणाली में सेल्फ-सर्कुलेशन डेस्क, स्टाफ वर्क स्टेशन, सुरक्षा द्वार, बुक ड्रॉप बॉक्स, आरएफआईडी रीडर, पुस्तक के लिए आरएफआईडी स्टिकर, प्रत्येक पुस्तक लेनदेन के लिए एसएमएसध्ई-मेल सेवाएं शामिल हैं।

सुविधाएं@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

अन्य बुनियादी सुविधाएं

उपरोक्त के अलावा, कॉलेज में एक एम्फीथिएटर, व्याख्यान थिएटर, सम्मेलन कक्ष, संकाय के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित स्टाफ-रूम, कैफेटेरिया, छात्रावास और एक हरा-भरा खेल का मैदान भी है। स्टाफ-रूम में कैफे कॉफी डे द्वारा चाय/कॉफी वितरण मशीनें स्थापित की गई हैं।

छात्रावास

सम्मेलन कक्ष

एम्फीथिएटर

खेल का मैदान

ई-पुस्तकालय

कैफेटेरिया

उपलब्धियां@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई)

कॉलेज को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) - डीआई, नई दिल्ली (फरवरी, 2018) द्वारा समर्थित टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) की मंजूरी दे दी गई है। इनक्यूबेटर का मिशन प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्ट-अप की स्थापना और विकास को प्रोत्साहित करना है। प्रस्तावित टीबीआई में स्थान, प्रयोगशाला उपकरणों का साझा उपयोग, प्रत्यक्ष व्यापार सहायता, सलाह, पूंजी और निवेश के लिए नेटवर्किंग शामिल है। अन्य तकनीकी संसाधन. इस मिशन को पूरा करके, टीबीआई रोजगार सृजन में योगदान देगा और बिना किसी समर्थन के इनक्यूबेटर चलाने के लिए राजस्व उत्पन्न करेगा।

- एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 2.0 के तहत प्राप्त विचारों की शॉर्टलिस्टिंग के लिए 9 दिसंबर, 2022 को एस.आर.सी.ए.एस. डब्ल्यू. में स्क्रीनिंग और मूल्यांकन किया गया था।
- एनेक्टस (बेकरी और फल उत्पाद विकास) के स्टार्ट-अप के लिए प्री इनक्यूबेशन।
- मशरूम की खेती के लिए प्री इन्क्यूबेशन।

स्पिक मैके सोसायटी एक 45 साल पुराना, गैर-लाभकारी, गैर-राजनीतिक, राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक युवा आंदोलन है जो भारत के युवाओं को देश की समृद्ध, विविध और अमूर्त विरासत और इसकी कई सांस्कृतिक परंपराओं के करीब लाने का प्रयास करता है। प्रोफेसर किरण सेठ ने 1977 में स्पिक मैके की स्थापना की।

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन में स्पिक मैके ने सत्र 2022-23 के लिए ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित कीं। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित विदुषी गीता चंद्रन द्वारा ऑनलाइन भरतनाट्यम नृत्य गायन का भी आयोजन किया गया। डॉ. अलंकार सिंह द्वारा एक बहुत ही सुखदायक गुरबानी गायन और उस्ताद बहाउद्दीन डैगर द्वारा रुद्र वीणा गायन का भी आयोजन किया गया। इतना ही नहीं, इस सत्र के अंत को चिह्नित करने के लिए, 'स्पिक मैके के साथ साइकिल एक आंतरिक यात्रा - अंतरयात्रा' को प्रोफेसर किरण सेठ, डॉ. अमिता देव (कुलपति, आईजीडीटीयूडब्ल्यू) ने संबोधित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार (अध्यक्ष, यूजीसी) थे।

एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग

एन.आई.आर.एफ., राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क ने भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की भारत रैंकिंग का लगातार आठवां संस्करण 'भारत रैंकिंग 2023' 5 जून 2023 को जारी किया। शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन ने 60.01 के स्कोर के साथ 2,746 भाग लेने वाले कॉलेजों के बीच इंडिया रैंकिंग 2023 कॉलेज श्रेणी में 32वां स्थान हासिल किया। कॉलेज ने पिछले छह वर्षों से लगातार शीर्ष 100 में अपनी स्थिति बनाए रखी है। कॉलेज 2021 में नैक द्वारा मान्यता प्राप्त ग्रेड 'ए+' संस्थान भी है।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ) को एम.एच.आर.डी. से मंजूरी दे दी गई थी और 29 सितंबर 2015 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था। यह ढांचा देश भर के संस्थानों को रैंक करने के लिए एक पद्धति की रूपरेखा तैयार करता है। यह कार्यप्रणाली विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों की रैंकिंग के लिए व्यापक मापदंडों की पहचान करने के लिए एम. एच.आर.डी. द्वारा गठित एक कोर समिति द्वारा की गई समग्र सिफारिशों की व्यापक समझ पर आधारित है। पैरामीटर मोटे तौर पर 'शिक्षण, सीखना और संसाधन,' 'अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास,' 'स्नातक परिणाम,' 'आउटरीच और समावेशिता,' और 'धारणा' को कवर करते हैं।

अनुसंधान गतिविधियाँ

अनुसंधान महाविद्यालय की गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है। कॉलेज पर्याप्त और नवीनतम बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है और बहु-विषयक अनुसंधान, प्री-इन्क्यूबेशन और उद्यमिता कार्यक्रमों के लिए आधार बनाने के लिए आवश्यक परामर्श प्रदान करता है। कॉलेज में विभिन्न गतिविधियाँ और परियोजनाएँ आयोजित की गई हैं:-

प्रकाशन/पेटेंटध्परियोजनाएँ/इंटर्नशिप (6); शोध पत्र प्रकाशित (62); सम्मेलन कार्यवाही पेटेंट में पुस्तक/प्रकाशन में पुस्तकें/अध्याय (20); चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ (1); सम्मेलन में प्रस्तुत किये गये कागजात (2); और छात्रों की इन-हाउस इंटर्नशिप (31)।

संस्थान की इनोवेशन काउंसिल

दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आई.आई.सी.) शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल (एम.आई.सी.) के दिमाग की उपज है, जिसे उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच नवाचार और स्टार्ट-अप की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है। यहां तैनात मॉडल कई कैलेंडर गतिविधियों, इनाम प्रणाली, संचालन, प्रगति मूल्यांकन और प्रोत्साहन पद्धतियों को एकीकृत करता है। आईआईसी के तहत वर्ष 2022-23 में आयोजित गतिविधियां इस प्रकार हैं:-

- प्रोटोटाइप/प्रक्रिया डिजाइन और विकास - प्रोटोटाइपिंग
- मदर डेयरी प्लांट का दौरा
- पूर्व छात्रों की बातचीत
- रचनात्मकता और टीम निर्माण पर कार्यशाला
- डिजाइन सोच, महत्वपूर्ण सोच और नवाचार डिजाइन पर कार्यशाला
- उद्यमिता कौशल, व्यवहार और दृष्टिकोण
- उद्यमिता और नवाचार
- एक सफल इनोवेटर द्वारा मेरी प्रेरक कहानी
- व्यक्तिगत कथा के निर्माण पर सेमिनाररू
- विशेषज्ञ नवाचार विकास की प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर (टीआरएल) पर वार्ता सत्र; प्रयोगशाला प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण और तकनीकी हस्तांतरण
- समस्या-समाधान फिट और उत्पाद-बाजार फिट हासिल करने पर सत्र
- ईस्ट प्वाइंट स्कूल में एटीएल लैब का दौरा
- नवाचार और उद्यमिता आउटरीच कार्यक्रम
- उड़ान'23- संस्थान के इनोवेशन काउंसिल का वार्षिक उत्सव

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम (सीएलपी)

यह 12 सप्ताह का कार्यक्रम है जो वंचित हाई स्कूल की लड़कियों को हमारे दैनिक जीवन में कंप्यूटर के अनुप्रयोग के बारे में बुनियादी ज्ञान प्रदान करता है। यह हमारी माननीय प्रिंसिपल मैडम प्रो. डॉ. पायल मागो और कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा की गई एक नेक पहल है। यह कार्यक्रम उन्हें अपने दैनिक जीवन में वर्तमान प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने में आत्मनिर्भर और आश्वस्त होने में मदद करेगा और साथ ही उन्हें उन नौकरियों के लिए उपयुक्त बनाएगा जहां बुनियादी कंप्यूटर साक्षरता एक पूर्व-आवश्यकता है। इस पहल के तहत छात्र बुनियादी कंप्यूटर शिक्षा सीखेंगे जिसमें एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपॉइंट और इंटरनेट का उपयोग शामिल है ताकि वे इसका व्यावहारिक रूप से उपयोग कर सकें। हमने अब तक इस कार्यक्रम के सात बैच चलाए हैं और लगभग 250 छात्र हमारे कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं। इस वर्ष इस कार्यक्रम का चरण VII 7 अक्टूबर 2022 को शुरू हुआ। 40 छात्रों ने कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया और उन्हें अभ्यास करने और सीखने की अनुमति दी गई।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने इन युवा लड़कियों को पढ़ाया। 20 जनवरी 2023 को आयोजित अंतिम परीक्षा में 17 छात्र उत्तीर्ण हुए, जो इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य की ओर एक उज्ज्वल संकेत है। समापन समारोह 13 फरवरी, 2023 को आयोजित किया गया था जिसमें प्रतिभागियों और उनके माता-पिता को आमंत्रित किया गया था। परीक्षा में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

उपलब्धियाँ@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

बहुविषयक अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता केंद्र (सी.एम.आर.आई.ई.)

छात्रों के बीच अनुसंधान मानसिकता, नवाचार और उद्यमिता को विकसित करने और निष्पादित करने के लिए कॉलेज में बहुविषयक अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता केंद्र सफलतापूर्वक चल रहा है। केंद्र का लक्ष्य कॉलेज में और उसके आसपास नवीन, अनुसंधान, उद्यमशीलता वातावरण और स्टार्ट-अप संस्कृति को विकसित करना, समृद्ध करना और पोषित करना है। यह युवा उद्यमियों (छात्रों), संकाय, पूर्व छात्रों और आकाओं के लिए संसाधनों का एक आसानी से सुलभ और विस्तृत सेट बनाकर ऐसा करने की इच्छा रखता है।

मिशन का उद्देश्य प्री-इन्क्यूबेशन सेटअप प्रदान करके और उसे एक सफल उद्यम में परिवर्तित करके उद्यमशीलता प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। केंद्र का लक्ष्य महिलाओं की समग्र वृद्धि और विकास करना है और उन्हें अपना स्वयं का अनुसंधान या व्यावसायिक उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना है। केंद्र विशेष रूप से सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देता है। कॉलेज आई. सी.एस.एस.आर. द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए सी.एम.आर.आई.ई. को प्राप्त 2.70 लाख रुपये की फंडिंग को स्वीकार करता है। इसका उपयोग केंद्र के बुनियादी ढांचे के निर्माण और गतिविधियों के कामकाज में किया गया है। सी.एम.आर.आई.ई. की वेबसाइट 10 अक्टूबर, 2022 को लॉन्च की गई थी।

प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल

कॉलेज का प्लेसमेंट सेल एक अच्छी तरह से स्थापित है और मुख्य रूप से केंद्रीय स्तर पर कॉलेज के 14 विभागों के लिए कैंपस प्लेसमेंट के प्रबंधन में लगा हुआ है। यह सभी सूचीबद्ध कंपनियों को व्यापक सहायता प्रदान करता है और साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों को विभिन्न प्रकार की इंटर्नशिप और लाइव परियोजनाओं के माध्यम से समृद्ध कॉर्पोरेट अनुभव प्राप्त हो, जो पूरे वर्ष के साथ-साथ प्रशिक्षण सत्र आयोजित करते हैं। प्लेसमेंट सीजन को दो चरणों में विभाजित किया गया है - चरण I: अगस्त से दिसंबर और चरण II: जनवरी से अप्रैल।

उपलब्धियाँ - सेल ने सितंबर 2022 में अपना पहला जॉब मेला आयोजित किया, जिसमें सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 300 से अधिक छात्रों और स्नातकों ने पंजीकरण कराया। हालाँकि, यह मेला देश के दिव्यांग युवाओं को अवसर प्रदान करने तक सीमित नहीं था। इसके अलावा, कॉन्सेंट्रिक्स, इंडिगो, एक्सेंचर, कॉग्निजेंट, अमेजॅन, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईबीएम जैसे ब्रांडों के साथ-साथ कई अन्य कंपनियां भी शामिल थीं, जिन्होंने 90 से अधिक आवेदकों के लिए ऑफर बढ़ाए थे। वित्त वर्ष 2022-23 में शामिल कंपनियों की कुल संख्या, 78 प्रतिशत को पिछले वर्ष की तुलना में नव परिवर्तित के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

एक्यूइटी नॉलेज पार्टनर्स, डी.ई.शॉ, जेनपैक्ट, एचसीएल टेक, आई.सी.आई.सी.आई., टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विलिस टावर्स वॉटसन, एओन, डेकाथलॉन, केवेंट, इंडिगो और **विप्रो** सहित अन्य महत्वपूर्ण ब्रांडों के साथ गठजोड़ की शुरुआत की गई।

प्रस्तावित प्रोफाइल के संदर्भ में, सेल ने इंजीनियरिंग, डेटा एनालिटिक्स, मेडिकल से लेकर वित्त, विपणन, मानव संसाधन, अनुसंधान और कई अन्य अवसर प्रदान किए थे। अधिकतम सीटीसी की पेशकश 36.5 एलपीए तक पहुंच गई, जो एक दशक का उच्चतम रिकॉर्ड है। औसत और औसत आंकड़े क्रमशः INR 5.85 LPA और INR 5 LPA के आसपास रहे। मार्च 2023 तक, 51 छात्रों को विविध नौकरियों की पेशकश की गई थी।

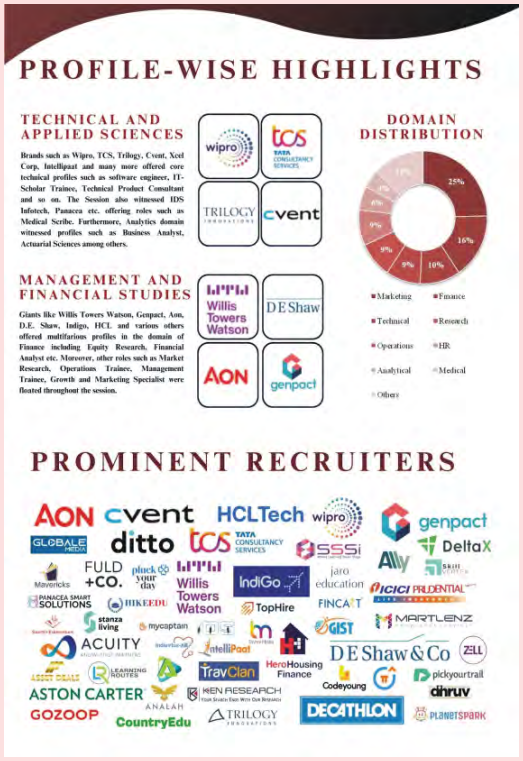

आई-हब, उद्यमिता विकास सेल (ईडी सेल)

आई-हब युवा महिलाओं के लिए उद्यमशीलता का माहौल विकसित करने, आत्म-निर्भरता और आउट-ऑफ-द-बॉक्स सोच की विशेषता को शामिल करने के लिए कौशल विकास और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है। आई-हब के सदस्य उन आयोजनों और अभ्यासों में भाग लेते हैं जो उनके दिमाग को चुनौती देते हैं और उन्हें उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करने की ओर प्रेरित करते हैं और व्यावसायिक विचारों और गणनात्मक जोखिम लेने की प्रवृत्ति को विकसित करते हैं जिसके परिणामस्वरूप एक सफल उद्यम हो सकता है जो समाज और उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करता है।

वर्ष 2022-23 में आयोजित गतिविधियाँ हैं:- प्रो सोल चैलेंज; बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम; स्टार्टअप की दिशा में शुरुआती कदमों पर वेबिनार; उद्यमिता विकास अभिमुखीकरण पर वेबिनार; और संस्थापक श्रृंखला विजय।

सिस्को नेटवर्किंग अकादमी

सिस्को सिस्टम के सहयोग से महिलाओं के लिए शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज 2002 से सिस्को नेटवर्किंग अकादमी (सी.एन.ए.) चलाती है। अकादमी सी.सी.एन.एस (सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट) प्रमाणन के लिए प्रशिक्षण प्रदान करती है। सिस्को नेटवर्किंग अकादमी पूरी तरह कार्यात्मक कंप्यूटर प्रयोगशाला और इंटरनेट कनेक्शन के साथ-साथ सिस्को राउटर और स्विच से सुसज्जित है। इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षक के नेतृत्व वाला वातावरण शामिल है, जहां छात्र अपनी गति से सीखते हैं।

कोर्स करने के बाद, छात्र सरल लैन बनाने, राउटर और स्विच के लिए बुनियादी कॉन्फिगरेशन करने, आई.पी.वी.-4 और आई.पी.वी.-6 एड्रेसिंग योजनाओं को लागू करने, स्थानीय और दूरस्थ नेटवर्क संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने और दूरस्थ उपकरणों के बीच एंड-टू-एंड कनेक्टिविटी को सक्षम करने के लिए राउटर, स्विच और अंतिम डिवाइस को कॉन्फिगर करने के लिए कोर कौशल हासिल करते हैं।

सी.सी.एन.ए. के अलावा, हमारी अकादमी विभिन्न मुफ्त ऑनलाइन खोजपूर्ण पाठ्यक्रम भी प्रदान करती है:-
1) साइबर सुरक्षा का परिचय; 2) IoT का परिचय; 3) साइबर सुरक्षा अनिवार्यताएं; 4) एनडीजी लिनक्स अनहैच्ड; 5) गतिशीलता के बुनियादी सिद्धांत और उद्यमिता; 6) नेटवर्क सुरक्षा अनिवार्यताएं और लिनक्स।

हमारी अकादमी ने IoT पाठ्यक्रम के संचालन में उत्कृष्टता के लिए 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अकादमी खोजपूर्ण पाठ्यक्रम -2017' पुरस्कार भी जीता है।

रोबोटिक्स क्लब

रोबोटिका - रोबोटिक्स क्लब कॉलेज का एक प्रौद्योगिकी-आधारित क्लब है। इसकी शुरुआत छात्रों को रोबोट तकनीक और उसके अनुप्रयोग से अवगत कराने के लिए की गई थी। इसकी शुरुआत एम.एच.आर.डी. पहल, ई-यंत्र के तहत आईआईटी बॉम्बे में आयोजित शिक्षक रोबोटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के साथ हुई। तब से हर वर्ष छात्र ई-यंत्र प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। 2023 में क्लब द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं:-

- रोबोटिक्स क्लब ने रेस्किल स्पार्क ए.आर. के सहयोग से 13 दिसंबर, 2023 को स्पार्क ए.आर. स्टूडियो पर अपना पहला ए.आर. प्रभाव कैसे बनाया जाए, इस पर एक सत्र का आयोजन किया। यह सत्र स्पार्क के विशेषज्ञ प्रशिक्षक ए.आर. लक्षित पंत (ए.आर. क्रिएटर) द्वारा लिया गया।
- रोबोटिक्स क्लब ने 30 जनवरी, 2023 को व्यावहारिक सत्र के साथ आरडुनियो के परिचय और आरडुनियो के बुनियादी बिल्डिंग ब्लॉक्स के साथ छोटी परियोजनाओं के निर्माण पर वेबिनार का आयोजन किया।
- रोबोटिक्स क्लब ने 23-24 फरवरी, 2023 को टीम टेक एनालॉजी के सहयोग से NASA को श्रद्धांजलि देते हुए रोबोट निर्माण और सॉफ्टवेयर सिमुलेशन पर दो दिवसीय प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया।

विदेशी भाषा पाठ्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मन और रोमांस अध्ययन विभाग के सहयोग से कॉलेज जर्मन भाषा में प्रमाणन और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। नियमित शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ एक विदेशी भाषा का ज्ञान कैरियर की संभावनाओं में महत्वपूर्ण मूल्य जोड़ता है।

दायरा, अवधि और शुल्क संरचना - एक कैरियर के रूप में विदेशी भाषाओं का दायरा शानदार है और इसे तलाशने के इच्छुक उम्मीदवारों के पास विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बहुपक्षीय संगठनों में नौकरी के ढेर सारे अवसर हैं। इसके अलावा, अधिकांश व्यवसायों में भाषा कौशल एक आवश्यक गुण है और करियर की उन्नति में मदद करता है। इसे ध्यान में रखते हुए, कॉलेज जर्मन भाषा में प्रमाणन और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। भाषा पाठ्यक्रम के कई स्तर हैं और प्रत्येक स्तर के लिए न्यूनतम 25 छात्रों का एक बैच लिया जाएगा।

भाषा पाठ्यक्रम में प्रवेश 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर किया जाता है। प्रमाणन पाठ्यक्रम के लिए शुल्क संरचना रु. 10000/- प्रति छात्र और डिप्लोमा कोर्स के लिए रु. 15000/-, परीक्षा शुल्क को छोड़कर, प्रति छात्र है।

प्रत्येक भाषा पाठ्यक्रम को अलग-अलग मॉड्यूल में विभाजित किया गया है। प्रत्येक मॉड्यूल को 80-150 घंटे के शिक्षण और सीखने की आवश्यकता होती है। प्रत्येक मॉड्यूल को पूरा करने के लिए नियमित कक्षाओं के साथ-साथ हर सप्ताह 2-3 कक्षाएं निर्धारित की जाती हैं। भाषा की गहराई से समझ के लिए पाठ्यक्रम के दौरान सुनना, बोलना और लिखना सहित सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

यदि कोई छात्रा अपने पहले सेमेस्टर में भाषा पाठ्यक्रम में शामिल होती है तो वह मुख्य पाठ्यक्रम के साथ-साथ भाषा पाठ्यक्रम के सभी मॉड्यूल को कुशलतापूर्वक पूरा कर सकती है। प्रत्येक मॉड्यूल को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, छात्र को पूर्णता का प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।

डेवलपर्स स्टूडेंट क्लब (डी.एस.सी.)

कंप्यूटर साइंस विभाग ने वर्ष 2018 में डेवलपर स्टूडेंट क्लब की स्थापना की जो हमारे परिसर के भीतर तकनीकी कौशल विकास पहल पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि छात्र समुदाय लाभ उठा सके। क्लब का लक्ष्य छात्रों को उद्योग के लिए तैयार होने के लिए आवश्यक संसाधन, अवसर और अनुभव प्रदान करना है। कॉलेज में डी.एस.सी. अध्याय का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों को विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम और भविष्य की जरूरतों के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित छात्रों के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाने में मदद करना है।

डी.एस.सी. क्लब का मुख्य उद्देश्य ऐसी परियोजनाओं के निर्माण में सीख को लागू करना है जो प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वास्तविक दुनिया की समस्याओं का मुकाबला कर सकें, तकनीकी कौशल को बढ़ा सकें और सहयोगात्मक रूप से काम कर सकें। इस क्लब का लक्ष्य साल भर तकनीकी कार्यक्रम, कोड-ई-थॉन और हैकथॉन का संचालन और आयोजन करना है।

वर्ष 2018-2020 के लिए, हमने गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब (जी.डी.एस.सी.) के साथ सहयोग किया।

2020 में, डेवलपर स्टूडेंट क्लब ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ सहयोग किया और सुश्री आस्था पटनायक (कंप्यूटर विज्ञान विभाग से तृतीय वर्ष की छात्रा) को लर्न स्टूडेंट एंबेसडर के रूप में चुना गया था, जो अपने स्थानीय तकनीकी सर्कल का नेतृत्व करने वाले ऑन-कैंपस राजदूतों का एक वैश्विक समूह है। सुश्री वैष्णवी झा (कंप्यूटर विज्ञान विभाग से तृतीय वर्ष की छात्रा) इस क्लब की तकनीकी प्रमुख थीं।

वर्ष 2021 में डेवलपर स्टूडेंट क्लब ने माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के साथ सहयोग किया है। सुश्री आकांशा जैन (कंप्यूटर विज्ञान विभाग से तृतीय वर्ष की छात्रा) जिन्हें माइक्रोसॉफ्ट लर्न स्टूडेंट एंबेसडर के रूप में मान्यता प्राप्त है, ने डेवलपर स्टूडेंट क्लब का नेतृत्व किया।

वर्ष 2022 में डेवलपर स्टूडेंट क्लब ळववहसम के साथ सहयोग करेगा। सुश्री अंजलि कुंडलिया (कंप्यूटर विज्ञान विभाग से तृतीय वर्ष की छात्रा) गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब लीड बन गईं।

छात्रों की सांस्कृतिक समितियाँ

अहार्य, *नृत्य सोसायटी*, का अर्थ है 'अभिव्यक्त करने का एक तरीका'। यह एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰ की आधिकारिक डांस सोसाइटी है और इसने कई अलग-अलग मंचों पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया है। इस सोसायटी का उद्देश्य अलग-अलग क्षेत्रें के लोगों को एक माध्यम यानी डांस के जरिए एकजुट करना है। यहां छात्र अपने कौशल को निखारने और अपनी अनूठी शैली के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करने के लिए हर दिन कड़ी मेहनत करते हैं। सोसायटी हर साल कॉलेज में कुछ बेहतरीन कार्यक्रम आयोजित करती है और विभिन्न कार्यक्रमों और अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में भाग लेती है। आहार्य मार्गदर्शन करता है कि यदि आप लड़खड़ाते हैं तो इसे नृत्य और अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें।

एल्विरा, *ललित कला सोसायटी*, का उद्देश्य उभरते और अनुभवी कलाकारों के लिए प्रेरणा, कामरेडशिप, अवसर और नए कला कौशल और कला रूपों को सीखने और खोजने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस समाज का संपूर्ण सार विविध प्रकार के रंगों के मनमोहक परिदृश्य में है, जो विशिष्ट होते हुए भी समान हैं, जो कला के प्रति अथक जुनून से प्रेरित हैं। एल्विरा मजबूत दृढ़ संकल्प के साथ हर साल नए अवसरों का लाभ उठाते हुए नए मील के पत्थर स्थापित कर रही है। टीम अंतर और अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में ऊर्जावान रूप से भाग लेती है, सत्र और कार्यशालाएं आयोजित करती है, लाइव प्रदर्शन करती है और अपने सौंदर्य कौशल का उपयोग करके कॉलेज के उत्सव मनाती है। *वार्षिक आर्ट गैलरी* - **विस्ता**, उस भावना, समर्पण, विश्वास और उत्साह को दर्शाती है जो इस समाज को एक साथ बांधती है और इसे एक टीम बनाती है। एल्विरा न केवल अपने सदस्यों के कलात्मक कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि उनके जीवन के हर क्षेत्र में उनकी व्यक्तिगत वृद्धि सुनिश्चित करना चाहता है।

ग्लैमफायर, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन की *फैशन सोसायटी* विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों को एक साथ लाती है जो फैशन में समान रुचि साझा करते हैं। फैशन सोसायटी में अत्यधिक प्रेरित छात्र होते हैं जो अक्सर मंच पर अपनी उपस्थिति को अपनी बात कहने देना पसंद करते हैं, और जब समाज के लिए लगन से काम करने की बात आती है तो सबसे गूढ़ रचनाकार भी पीछे नहीं हटते हैं। यह उनके लिए सिर्फ स्टेज पर प्रर्दशन से कहीं अधिक है! वर्ष की शुरुआत से ही कठोर और नियमित अभ्यास सत्र आयोजित किए जाते हैं, जो उत्सव के सत्र तक चलते हैं।

जीवन@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

ग्लोबट्रॉटर्स, हमारे कॉलेज की एक *यात्रा और पर्यटन सोसायटी* है, जिसका उद्देश्य यात्रा और नए और छिपे हुए रोमांचों की खोज के विचार को प्रोत्साहित करना है। युवा और उत्साही यात्रियों के एक समूह के साथ, इसका उद्देश्य दुनिया और इसके लोगों को अलग तरह से देखकर साझा ज्ञान का एक मंच बनाना है।

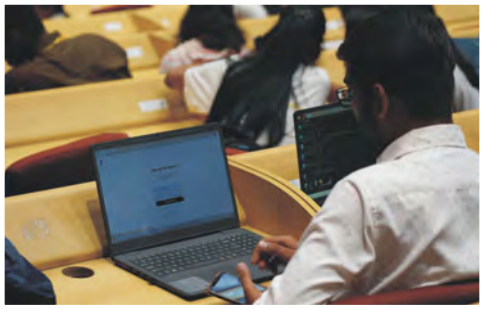

इंकलिंग्स, *साहित्यिक संस्था*, 2013 से भाषा और साहित्य के प्रेमियों के कलात्मक पक्ष को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रही है। इसका उद्देश्य साहित्यिक उत्साही लोगों और राजगुरु परिवार के ऐसे अन्य प्रतिभाशाली व्यक्तियों को एक साथ लाना और उन्हें अपनेपन की भावना प्रदान करते हुए उनके कौशल को निखारना है। वक्ताओं और बहस करने वालों से लेकर लेखकों और कवियों, डिजाइनरों और रचनात्मक विचारकों, पाठकों और संपादकों तकय समाज सभी रचनात्मक चीजों और अभिव्यक्तियों का एक आदर्श मिश्रण है।

मासिक धर्म कैफे, *महिला स्वास्थ्य सोसायटी*, एक एनजीओ सच्ची सहेली के सहयोग से एक कैंपस एंबेसडर कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार, मानसिक स्वास्थ्य आदि के बारे में कलंक को खत्म करना और जागरूकता पैदा करना है। वर्तमान संस्कृति में एक कैफे की अवधारणा को मासिक धर्म कैफे में दोहराया गया है जहां मासिक धर्म, लिंग, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य विषयों पर मुक्त-प्रवाह वाली प्रासंगिक बातचीत हो सकती है। लक्ष्य एक ऐसी दुनिया का निर्माण करना है जहां मासिक धर्म से कोई भी पीछे न हटे।

मुखौटा, *नाटक सोसायटी* का लक्ष्य उन उपेक्षित समस्याओं पर प्रकाश डालना है जिनका सामना हमारा समाज कर रहा है। एक टीम के रूप में एक साथ काम करते हुए, सदस्य सामाजिक परिवर्तन करने के लिए अपनी राय और आवाज का उपयोग करते हैं। अपने समर्पण, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत के लिए जानी जाने वाली सोसायटी को वर्षों से अपने काम के लिए व्यापक सराहना मिली है। अभिनय कौशल सिखाने से लेकर महत्वपूर्ण जीवन कौशल सिखाने तक, व्यक्ति को सब कुछ मिलता है। सामाजिक मुद्दों पर 'नुक्कड़ नाटक' इसकी यूएसपी हैं।

फिल्यारा, कॉलेज की *संगीत सोसायटी*, संगीत प्रेमियों का एक समूह है, जो संगीत के दो अलग-अलग क्षेत्रों, भारतीय शास्त्रीय और पश्चिमी, पर काम कर रहा है। यह सोसायटी कॉलेज में एक विशेष स्थान रखती है क्योंकि कोई भी सांस्कृतिक या तकनीकी कार्यक्रम देवी सरस्वती या भगवान गणेश की स्तुति के साथ शुरू होता है और

फिल्यारा के छात्र यह सुनिश्चित करते हैं कि यह परंपरा कभी न टूटे। यद्यपि दो वर्ग - भारतीय (आरोहण) और पश्चिमी संगीत की दो अलग-अलग शैलियाँ हैं, समाज स्वयं एक बड़े परिवार की तरह है। इस वर्ष आरोहण को विभिन्न आयोजनों के दौरान कॉलेज में कई प्रदर्शनों और डीयू सर्किट में विभिन्न उत्सवों में प्रतिस्पर्धा करके और कई प्रशंसाएँ जीतकर अपने पंख फैलाने का अवसर मिला। आरोहण और वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी दोनों ने वाइब'23, स्वरध्वनि, नवरात्रि श्रृंखला - देवी स्तुति, वार्षिक तकनीकी और सांस्कृतिक उत्सव जैसे कई इंट्रा और इंटर-कॉलेज कार्यक्रमों में भाग लिया। टीम वर्क और समन्वय की भावना के साथ सोसायटी ने खुद को फिर से कॉलेज की सबसे महत्वपूर्ण सोसायटी में से एक के रूप में स्थापित किया है।

शफलशॉट्स, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन का *फोटोग्राफी क्लब* कॉलेज की सबसे अधिक मांग वाली सोसायटी है, यह 2014 के आसपास अस्तित्व में आया। चाहे कोई भी आयोजन हो, हम सर्वव्यापी हैं। यह एक उभरती हुई सोसासटी है जिसके हाथों में कैमरे हैं और दिमाग में रचनात्मकता है। कौशल को बढ़ाने के लिए अधिक प्रदर्शन प्रदान करने के लिए वास्तव में अद्भुत सलाहकारों द्वारा व्यवस्थित तरीके से विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और फोटोवॉक का आयोजन किया जाता है। हम प्रतिस्पर्धी भावना पैदा करने और उत्साह बनाए रखने के लिए कॉलेज के भीतर और बाहर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं, हमें गर्व है कि हमारे शटरबग्स हमें अपनी अद्भुत प्रविष्टियों से कभी निराश नहीं करते हैं।

एहसास, *मानसिक स्वास्थ्य सोसायटी*, की स्थापना 2017 में कॉलेज की मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सोसायटी के रूप में की गई थी। मानसिक स्वास्थ्य भलाई के लिए आवश्यक है और स्वस्थ, संतुलित और उत्पादक जीवन प्राप्त करने के लिए मौलिक है। सोसायटी मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने और इससे जुड़े कलंक और वर्जनाओं को दूर करने के उद्देश्य से छात्रों के मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। इसके अलावा, यह छात्रों को अपने बारे में सकारात्मक महसूस करने और जीवन को अच्छी तरह से अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करता है। मानसिक स्वास्थ्य जानकारीपूर्ण परिसर के निर्माण के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सोसायटी पूरे वर्ष विभिन्न सत्र, कार्यशालाएं और इंटरैक्टिव कार्यक्रम आयोजित करती है।

इनैक्टस, एंटरप्रेन्योरियल एक्शन और हम का संक्षिप्त रूप है, जो दुनिया भर में फैले एक वैश्विक, गैर-लाभकारी समुदाय का

प्रतिनिधित्व करता है। इनैक्टस विभिन्न प्रकार के हितधारकों और छात्रों को उन परियोजनाओं पर काम करने के लिए एक साथ लाता है जो वंचित समुदायों को कई स्थायी तरीकों से सशक्त और उत्थान करते हैं। इनैक्टस, शहीद राजगुरु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय कॉलेज में स्थित एक इनैक्टस-संबद्ध परियोजना है। उच्च-गुणवत्ता वाली व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से, हमारा लक्ष्य भविष्य के उद्यमियों का पोषण करके और अपनी परियोजनाओं के माध्यम से एक बेहतर और अधिक टिकाऊ दुनिया का निर्माण करके समुदाय का उत्थान करना है। हमारी चल रही परियोजनाओं में **प्रोजेक्ट पहचान**, **प्रोजेक्ट ग्रीन हेवन** और **प्रोजेक्ट सुगव्य** शामिल हैं। हमारा लक्ष्य इन परियोजनाओं के माध्यम से तीन अलग-अलग हाशिए पर रहने वाले समुदायों का उत्थान करना है।

प्रोजेक्ट पहचान - इस पहल का उद्देश्य एलजीबीटीक्यूआई+ समुदाय और वंचित व्यक्तियों को सिलाई, बेकिंग, डिजाइनिंग आदि जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण सत्र प्रदान करके सशक्त बनाना है। सोने पर सुहागा यह है कि ये कौशल विकास कार्यक्रम बिल्कुल मुफ्त हैं! यह परियोजना विभिन्न व्यक्तियों को मान्यता प्रदान करके और सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाकर सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और कलंक को मिटाने का काम करती है, जिसके परिणामस्वरूप समाज में सकारात्मक बदलाव आता है।

प्रोजेक्ट ग्रीन हेवन - इसकी स्थापना महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों और सड़क विक्रेताओं को रोजगार देने के साथ-साथ शाकाहार और किसी के आहार में मशरूम के उपयोग को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ की गई थी। ताजा मशरूम और मशरूम की खेती के पैकेज निर्वाह खेती के तरीकों के माध्यम से परिसर में उगाए जाते हैं। हमारे उत्पाद स्वच्छ और प्रामाणिक हैं, और वे प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों के साथ-साथ अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देते हैं। किंग ऑयस्टर मशरूम, बटन मशरूम और काले, गुलाबी, पीले और नीले ऑयस्टर मशरूम ऐसे प्रकार के मशरूम हैं जिनका उत्पादन किया जाता है। इनके कई स्वास्थ्य लाभ हैं और इन्हें स्वच्छ प्रथाओं में उगाया जाता है। ये मशरूम, जो हमारे परिसर में स्थापित स्टालों और हमारी वेबसाइट के माध्यम से बेचे जाते हैं, छात्रों और शिक्षकों दोनों के बीच लोकप्रिय हैं।

प्रोजेक्ट सुगव्य - 'सुगव्य' शब्द का अर्थ है 'गायों से प्राप्त तत्व'। इस दर्शन के आधार पर, हम गैर-स्तनपान कराने वाली गाय के गोबर का उपयोग विभिन्न प्रकार के रसायन-मुक्त उत्पादों का उत्पादन करने के

लिए करते हैं और इस तरह उनका मूल्य बढ़ाते हैं। इस परियोजना के उत्पाद बायोडिग्रेडेबल और पर्यावरण-अनुकूल हैं, और वे पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक विकास में योगदान करते हैं। हमारे सबसे प्रसिद्ध उत्पाद हमारे गौमय दीये हैं, जो गाय के गोबर से बने पर्यावरण-अनुकूल दीये हैं जो 100 प्रतिशत बायोडिग्रेडेबल और रसायन-मुक्त हैं। वे अटूट हैं और उपयोग के बाद पौधों की खाद के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं! गोमूत्र का उपयोग फिनाइल और ग्लास क्लीनर घोल बनाने में भी किया जाता है, जो विभिन्न प्रकार के दैनिक घरेलू कामों में उपयोगी हो सकता है। गाय के गोबर से बनी जैविक खाद, बढ़ते पौधों को अच्छे पोषक तत्व भी प्रदान करती है।

ह्यूमन कैफे, दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन की एक स्थापित सोसायटी है। इसे शुरुआत में वर्ष 2021 में एक पहल के रूप में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य सभी को अपनी भावनाओं और संवेदनाओं को साझा करने के लिए एक गैर-निर्णयात्मक, पक्षपात-मुक्त और सुरक्षित स्थान प्रदान करना है। समाज से जुड़े पेशेवरों का एक बेहद प्रतिभाशाली और प्रशिक्षित समूह है जिसमें छात्र और शिक्षक दोनों शामिल हैं। इसने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है जो आत्म-देखभाल, आत्म-नुकसान की रोकथाम, मनोदशा उत्थान, आत्मविश्वास बढ़ाने और वर्तमान के प्रति जागरूक होने पर केंद्रित हैं। सोसायटी जरूरतमंद लोगों की बात सुनने और मदद के लिए हाथ बढ़ाने में विश्वास रखती है।

मार्क-हेवन, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय की *मार्केटिंग सोसायटी* है। सह-संस्थापकों - सुश्री अंजलि सिंह और सुश्री निशु कथूरिया द्वारा 19 जुलाई, 2019 को अपनी स्थापना के बाद से, सोसायटी का लक्ष्य आसमान छूना है। यह मार्केटिंग को लेकर पुरानी रूढ़ियों को तोड़ने के लिए कृतसंकल्प है। यह लगातार उत्कृष्टता की खोज में है; इसकी सभी गतिविधियाँ विपणन की जटिल और विस्तृत अवधारणाओं में योगदान करती हैं, जिससे इसे भविष्य के विपणक के समुदाय के रूप में एक साथ काम करने में मदद मिलती है। कामकाजी पेशेवरों के लिए मार्केटिंग की समझ विकसित करना अनिवार्य है, चाहे वह काम के नए अवसर प्राप्त करना हो या बिक्री को बढ़ावा देना हो। सोसायटी विपणन के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों पर छात्रों को शिक्षित करने और क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए विभिन्न गतिविधियां और परियोजनाएं चलाती है। इनमें एमबीए और आईआईएम के लिए प्रोफाइल बिल्डिंग विषय पर उद्योग विशेषज्ञों द्वारा कॉलेज में

आयोजित वेबिनार और 'मार्केटिंग के उपकरण' पर कौशल विकास कार्यशाला शामिल हैं। 'मार्केटिंग की जटिलताएं' विषय पर पहला मार्केटिंग कॉन्क्लेव भी आयोजित किया गया था, जिसके तहत 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता - विपणन का एक उभरता हुआ उपकरण' और 'शोध पत्र लिखने की कला' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था। ट्रेजर हंट - ऑफलाइन प्रतियोगिता कॉन्क्लेव का मुख्य आकर्षण थी। मार्क-हेवन ने मदर डेयरी प्लांट में अपना पहला उद्योग दौरा आयोजित किया। मार्क-हेवन अपने सदस्यों की समग्र वृद्धि और विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न लाइव परियोजनाएं शुरू करता है। इस वर्ष सोसायटी ने एक विज्ञापन एजेंसी यूनी स्क्वायर कॉन्सेप्ट के साथ मिलकर कंपनी के कामकाज के विभिन्न पहलुओं पर काम किया। पूरे वर्ष, सोसायटी ने हमारी टीम को शामिल करने के लिए विभिन्न इन-हाउस सत्रों का आयोजन किया, जैसे कि विचार-मंथन सत्र, मार्केटिंग बूटकैंप, एड-मैड, केस-स्टडी सत्र आदि।

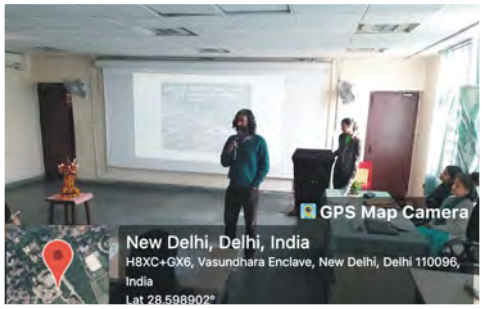

पर्यावृद्धि, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज की पर्यावरण सोसायटी (इकोक्लब) है, जिसकी शुरुआत 2005 में शिक्षकों और सक्रिय छात्रों के एक समूह द्वारा की गई थी। यह नेशनल ग्रीन कॉर्प्स का एक हिस्सा है, जो पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, 2001 के तहत एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। वृद्धि नाम का अर्थ है 'स्थायी पर्यावरण बनाने के लिए कार्यों को प्रोत्साहित करना और तेज करना'। पर्यावृद्धि का मिशन कॉलेज में और उसके आसपास विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता और सतत विकास की अवधारणाओं को बनाना और शामिल करना है। यह पर्यावरण में सुधार के लिए भविष्य की स्थिरता की सुरक्षा में छात्रों और युवाओं के महत्व और महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानता है। सोसायटी विभिन्न गतिविधियों, कार्यशालाओं और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन करती है जो छात्रों को वैश्विक संदर्भ में स्थानीय मुद्दों को समझने में मदद करती है। इसका उद्देश्य स्थानीय समस्याओं का समाधान खोजने में गहन विचार प्रक्रिया को विकसित करना है। सोसायटी का उद्देश्य कई पर्यावरणीय पहलुओं पर चर्चा, अभिव्यक्ति और विचारों को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करके भागीदारी बढ़ाना और छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों, पड़ोसियों में पर्यावरण के प्रति गहरी रुचि पैदा करना है। सोसायटी सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से पर्यावरण-अभियानों और अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेती है और खुद को शामिल करती है। सोसायटी कॉलेज के हर्बल गार्डन और हरियाली का भी प्रबंधन करती है, जिसमें कॉलेज में विभिन्न औषधीय पौधों की 20 से अधिक

विभिन्न प्रजातियां और फल, सजावटी और लकड़ी के पेड़ों की 30 से अधिक प्रजातियां हैं। पर्यावृद्धि आईक्यूएसी के एईजीआईएस के तहत हरित नीति को अपनाकर कॉलेज के बुनियादी ढांचे में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से सतत विकास की अवधारणा को बढ़ावा देना सुनिश्चित करती है। ग्रीन पॉलिसी दस्तावेज यह सुनिश्चित करता है कि कॉलेज भारत के दिशानिर्देशों और उद्देश्यों के अनुसार पर्यावरण-अनुकूल वातावरण बनाने के अपने उद्देश्य को बनाए रखता है और उसका पालन करता है। ग्रीन ब्रिगेड, छात्रों और शिक्षकों का एक समर्पित समूह, ग्रीन पॉलिसी के प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करता है। पर्यावृद्धि स्थानीय भागीदारी के साथ हर साल कॉलेज और उसके आसपास वृक्षारोपण अभियान आयोजित करती है। हाल ही में, इसने राजगुरु दिवस के उपलक्ष्य में 24 अगस्त 2022 को ब्रह्माकुमारीज फाउंडेशन के सहयोग से 30 पौधे (गूलर, अमलतास, जामुन, हरसिंगार, शीशम, बेल और आम) लगाए। यह विभिन्न अवसरों (विश्व पर्यावरण दिवस, पृथ्वी दिवस, ओजोन दिवस, बाघ दिवस आदि) और एक वार्षिक इको उत्सव भी मनाता है। समाज के विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में अपने महाविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करता है। यह विभिन्न पर्यावरणीय आयामों पर ऑडिटिंग भी करता है। इको-क्लब को श्री विजय धस्माना जैसे प्रसिद्ध वक्ता द्वारा सम्मानित किया गया है। क्लब अपनी हरित पत्रिका भी जारी करता है, सर्वेक्षण करता है और पर्यावरण पर परियोजनाएँ चलाता है। इसने अप्रैल 2022 में पृथ्वी दिवस पर एक ग्रीन जर्नल, द ग्रीन एक्लिप्स लॉन्च किया। यह अपने सदस्यों को पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित कराने और अनुभव देने के लिए शैक्षिक यात्राएं भी आयोजित करता है। 24 जुलाई 2022 को, इको-क्लब के सदस्यों ने राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला का दौरा किया जहां वे विभिन्न प्रकार के कचरे को कम करने पर शोधकर्ताओं द्वारा किए गए प्रयासों और पहल से परिचित हुए। कॉलेज को पर्यावृद्धि की ओर से पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में अपने काम के लिए मान्यता दी गई है। वे इस प्रकार हैं - एक प्रमाण पत्र कि कॉलेज 16 सितंबर 2022 को एमजीएनसीआरई, शिक्षा मंत्रलय द्वारा सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव सेल (एसईएस आरईसी) संस्थान से मान्यता प्राप्त है; 18 जनवरी 2022 को उत्तरी क्षेत्र, पूर्वी दिल्ली जिले में सबसे बड़ा वृक्षारोपण अभियान चलाने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र; मार्च 2022 में स्वच्छता कार्य योजना के लिए की गई पहल के तहत एमजीएनसीआरई, शिक्षा मंत्रालय द्वारा ग्रीन चौंपियन अवार्ड; पर्यावरण मंत्रालय, दिल्ली सरकार द्वारा 5 जून 2022 को दिल्ली का सर्वश्रेष्ठ इको-क्लब पुरस्कार प्रदान किया गया। युवाओं

District Green Champion Certificate

This is to certify that SHAHEED RAJGURU COLLEGE OF APPLIED SCIENCES FOR WOMEN, UNIVERSITY OF DELHI is hereby recognized as District Green Champion for East District, Delhi for the Academic Year 2021-22. The institution has successfully elevated the Swachhta Action Plan, adopted and implemented best practices in the areas of Sanitation, Hygiene, Waste Management, Water Management, Energy Management and Greenery Management.

Dr W G Prasanna Kumar
Chairman, MGNCRE
Ministry of Education, Government of India

और छात्रों में मौजूद संभावित भंडार का दोहन करके समाज और राष्ट्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्यावृद्धि का दृढ़ विश्वास है। इस प्रकार यह एक स्वस्थ और स्थिर समाज के निर्माण का माध्यम बनता है। हम उन छात्रों, युवाओं, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और गैर-सरकारी/सरकारी संगठनों का स्वागत करने के लिए उत्सुकता से तत्पर हैं जो पर्यावरण की चुनौतियों और समस्याओं का सामना करने के लिए उत्साहित और उत्सुक हैं।

रकम, *वित्त और निवेश सोसायटी* की स्थापना अगस्त 2019 में प्रबंधन और वित्तीय अध्ययन विभाग के छात्रों द्वारा की गई थी और अपनी स्थापना के बाद से यह एक लंबा सफर तय कर चुकी है। सोसायटी का उद्देश्य छात्रों को वित्त के क्षेत्र में मौजूद सही और संभावित रास्तों की ओर उनकी रुचि बढ़ाने के लिए सही मंच प्रदान करना है। सोसायटी का आदर्श वाक्य न केवल वित्त के क्षेत्र में बल्कि टीम वर्क, नेतृत्व, प्रबंधन, संचार, रचनात्मकता आदि जैसे कौशल का प्रदर्शन और विकास करके 'अनंत तक ज्ञान प्रदान करना' है।

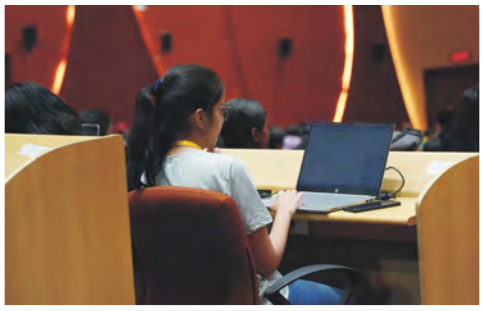

यूथ पार्लियामेंट सोसाइटी ने जुलाई 2016 में कॉलेज के परिसर में अपनी पवित्र नींव रखी और तब से यह फल-फूल रही है। यह आम तौर पर पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करता है, जिसमें बहस, चर्चा, नकली संसद सत्र और सामुदायिक सेवा परियोजनाएं शामिल हैं। ये कार्यक्रम छात्रों को महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करने, खुद को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का तरीका सीखने और अपने साथियों के साथ सार्थक बातचीत में संलग्न होने में मदद करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। यह एक ऐसा मंच है जहां छात्र अपनी राय रख सकते हैं, मुद्दों पर बहस कर सकते हैं और अपने समुदायों और समाज के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान प्रस्तावित कर सकते हैं। सोसायटी छात्रों को उनके नेतृत्व और सार्वजनिक बोलने के कौशल के साथ-साथ राजनीतिक प्रक्रिया की समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करती है। यह उन कॉलेज छात्रों के लिए एक संगठन है जो अपने आसपास की दुनिया में बदलाव लाना चाहते हैं।

टेड-एक्स-राजगुरू कॉलेज कार्यक्रम एक स्थानीय सोसायटी है जिसमें टेड वार्ता की शैली में लाइव वार्ता और प्रदर्शन शामिल होते हैं। ये आयोजन स्वतंत्र रूप से योजनाबद्ध और आयोजित किए जाते हैं। महीनों की मेहनत के बाद, कॉलेज ने इच्छुक व्यक्तियों के स्थानीय समुदाय के साथ 'फैलाने लायक विचारों' को साझा करने के उद्देश्य से 2022 में अपनी टेड-एक्स यात्रा शुरू की। यह विचारोत्तेजक विचारों

को साझा करने का एक मंच है जो लोगों को उन विषयों के बारे में जानने के लिए प्रेरित करता है जो उनकी अपनी दुनिया से परे तक फैले हुए हैं। यह सोसायटी असाधारण वक्ताओं को दर्शकों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए प्रेरणा, प्रेरणा और एक मंच प्रदान करने के लिए समर्पित है। उद्घाटन टेड-एक्स कार्यक्रम 30 जनवरी, 2023 को 'द रोड नॉट टेकन स्टिल कॉनक्वेर्ड - चुजिंग अनकन्वेंशनल कैरियर' थीम के तहत आयोजित किया गया था। विभिन्न पृष्ठभूमियों के चार प्रमुख वक्ताओं ने अपने अपरंपरागत कैरियर पथों के बारे में बात की। प्रत्येक वक्ता के पास साझा करने के लिए एक अनूठी यात्रा थी और उपस्थित लोगों ने विभिन्न मूल्यवान सबक सीखे। यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा और दर्शकों से इसे खूब सराहना मिली। टेड-एक्स-शहीद राजगुरू का लक्ष्य वंश को आगे बढ़ाना और हर साल ऐसे कई बड़े आयोजनों की मेजबानी करना जारी रखना है।

आहार, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन की *खाद्य सोसायटी* की स्थापना जुलाई, 2022 में की गई थी। यह छात्रों को भोजन के प्रति उनके सामान्य प्रेम के माध्यम से एकजुट करने की दिशा में काम करता है, स्वस्थ खाने की आदतों को प्रोत्साहित करता है, और रचनात्मकता और नवीनता का पोषण करता है। हम टीम वर्क के महत्व को स्वीकार करते हैं और छात्रों और समाज के स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के लिए मिलकर काम करने का प्रयास करते हैं। हमारा मिशन उन छात्रों को एक साथ लाना है जो भोजन पसंद करते हैं, खाना पकाने का शौक रखते हैं, भोजन के बारे में अधिक जानना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य तेजी से बदलते परिवेश में भोजन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं के प्रति कॉलेज के छात्रों, स्टाफ सदस्यों और समाज को संवेदनशील बनाना है।

इस वर्ष, सोसाइटी ने खाद्य ब्लॉगर्स के साथ बातचीत में खाद्य ब्लॉगिंग और सामग्री निर्माण के बारे में एक संक्षिप्त और स्पष्ट बातचीत, 'मिश्का - द फूड डोनेशन', रेसिपी प्रतियोगिता, सुरक्षित खाद्य परिसर जैसी विभिन्न गतिविधियाँ कीं।

सांस्कृतिक सचिव डॉ. साधना जैन और छात्र सलाहकार सुश्री वेनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में विद्यार्थी परिषद 2022-23 द्वारा कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:-

आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए 'हर घर तिरंगा' के लिए झंडा वितरण समारोह - कॉलेज ने आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में भारत की आजादी के 75 स्वर्णिम वर्षों का जश्न मनाने के लिए 8 अगस्त, 2022 को झंडा वितरण समारोह मनाया। इस कार्यक्रम ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की। यह उत्सव प्रोफेसर (डॉ.) पायल मागो (प्रिंसिपल), सुश्री इला श्रीवास्तव (अध्यक्ष, शासी निकाय), सुश्री प्रियंका देव (सदस्य, शासी निकाय) और श्री साकेत कुमार (प्रशासनिक अधिकारी) के संरक्षण में कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया था। उनके द्वारा छात्रों को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज-तिरंगा वितरित किया गया। भारत सरकार की पहल को सफल बनाने के लिए कई तस्वीरें खींची गईं और 'वंदेमातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए गए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह - कॉलेज ने 15 अगस्त, 2022 को 75वीं स्वतंत्रता पूरे जोश के साथ मनाई। इस कार्यक्रम में गवर्निंग बॉडी की चेयरपर्सन सुश्री इला श्रीवास्तव, गवर्निंग बॉडी के कोषाध्यक्ष श्री रविंदर कुमार और प्रोफेसर (डॉ.) पायल मागो उपस्थित थे। उनके शब्दों ने छात्रों को अखंड भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ने और एकता में ताकत खोजने के लिए प्रेरित किया। छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी महान क्रांतिकारियों की शहादत और बलिदान को याद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कार्यक्रम का समापन उन्मुक्त ऊर्जावान नारों के साथ हुआ, जो भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने का प्रतीक और सम्मान प्रदान करते थे।

राजगुरु दिवस - शहीद राजगुरू कॉलेज ने श्री हरि शिवराम राजगुरु के बलिदानों को पहचानने और उनका

सम्मान करने के लिए 24 अगस्त 2022 को उनकी जयंती मनाई।

दीक्षांत समारोह – कॉलेज ने 6 सितंबर, 2022 को कॉलेज सभागार में अपना वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में माननीय मुख्य अतिथि, दिल्ली सरकार के डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन के उपाध्यक्ष श्री जैस्मीन शाह की उपस्थिति रही। कॉलेज को विधान सभा, बुराड़ी आयोग, दिल्ली के सदस्य श्री संजीव झा और पद्म श्री पुरस्कार विजेता प्रोफेसर वी.एस. चौहान व आर्टुरो फलास्ची एमेरिटस वैज्ञानिक, सम्मानित अतिथि की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। । कार्यक्रम की अध्यक्षता गवर्निंग बॉडी की चेयरपर्सन सुश्री इला श्रीवास्तव ने की। अतिथियों ने परिसर में शहीद शिवराम हरि राजगुरु की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

दिवाली मेला (उज्ज्वल'22) – कॉलेज ने 19 अक्टूबर, 2022 को दिवाली मेला उज्ज्वल'22 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एक दान अभियान का आयोजन किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दीये हर घर को रोशन करें। अंतर-विभागीय समूह नृत्य प्रतियोगिताओं में विभागों द्वारा उत्कृष्ट लोक-नृत्य प्रदर्शन के साथ छात्रों और कर्मचारियों दोनों ने दिवाली मेले का भरपूर आनंद लिया। अन्य प्रतियोगिताओं में दीया सजावट प्रतियोगिता और संकाय सदस्यों के लिए रंगोली बनाने की प्रतियोगिता शामिल थी। कार्यक्रम में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज की भांगड़ा सोसाइटी ने भी प्रस्तुति दी। शाम का समापन डीजे और सभी राजगुरूओं के दिल खोलकर नाचने के साथ हुआ।

ओरिएंटेशन दिवस – कॉलेज ने 30 नवंबर, 2022 को कॉलेज सभागार में अपने उत्साही नौसिखियों के लिए एक ओरिएंटेशन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शोभा दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक्स प्रो. के. रत्नाबली ने की और अध्यक्षता गवर्निंग बॉडी की चेयरपर्सन सुश्री इला श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम की शुरुआत सभागार में राष्ट्रगान की गूंज के साथ हुई।

संस्था द्वारा प्रिय राजगुराइट्स का हार्दिक स्वागत किया गया, जिसके बाद फिल्हरा, अरोहना द्वारा गाए गए ऋग्वेद के भजनों के साथ दीप प्रज्वलित किया गया। उद्घाटन भाषण इला श्रीवास्तव ने दिया। उन्होंने सभी छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने के अपने सपने को पूरा करने के लिए बधाई दी। सम्मानित प्रिंसिपल, प्रो. (डॉ.) पायल मागो, प्रिंसिपल, एसआरसीएडब्ल्यू ने मेहमानों का अभिनंदन और स्वागत किया। उन्होंने यूजीसीएफ की संपूर्ण संरचना पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे स्नातक की चार वर्षीय डिग्री ने छात्रों के लिए सीखने के क्षितिज और अवसरों का विस्तार किया है। इसके बाद, माननीय मुख्य अतिथि प्रो. के. रत्नाबली ने अपने ज्ञानवर्धक शब्दों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी लड़कियों के कॉलेज में लड़कियों के गौरवान्वित माता-पिता के साथ उनकी उपस्थिति ताकत का प्रतीक थी। उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे नए बैच ने नई शिक्षा नीति का पहला हिस्सा बनकर इतिहास रचा है। उन्होंने आशंकित श्रोताओं को आश्वस्त किया कि नीति को लागू करते समय छात्रों के हितों को ध्यान में रखा गया है। उन्होंने बताया कि कैसे नई प्रणाली शिक्षा पाठ्यक्रम में बहु-विषयक को शामिल करती है और छात्रों को स्नातक स्तर में अंतर्निहित अनुसंधान तत्व से परिचित कराती है। इस कार्यक्रम में छात्रों के संबंधित प्रश्नों का समाधान किया गया। प्रो. के. रत्नाबली ने धैर्यपूर्वक छात्रों के मन में उभर रहे संदेहों को दूर करने का प्रयास किया। कार्यक्रम का समापन गवर्निंग बॉडी के कोषाध्यक्ष श्री रविंदर कुमार द्वारा किया गया।

कॉलेज छात्र परिषद चुनाव और शपथ ग्रहण समारोह - कॉलेज छात्र परिषद चुनाव 13 जनवरी, 2023 को हुए और निर्वाचित छात्र परिषद का 8 फरवरी, 2023 को कॉलेज द्वारा बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कॉलेज के प्राचार्य ने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान परिषद और छात्रों को संबोधित किया। शपथ पढ़ने के बाद विद्यार्थी परिषद के सभी सदस्यों को बैज प्रदान किया गया।

आधिकारिक कॉलेज यात्रा (दिल्ली-जोधपुर-जैसलमेर-जोधपुर-दिल्ली) - विद्यार्थी परिषद ने 28 फरवरी - 4 मार्च, 2023 तक जोधपुर और जैसलमेर के लिए एक आधिकारिक कॉलेज यात्रा का आयोजन किया। 22 स्टाफ सदस्यों के साथ 208 छात्र इस यात्रा में शामिल हुए। यात्रा में एक रेगिस्तानी सफारी, डीजे नाइट, सांस्कृतिक रात, ऊंट की सवारी, शिविर में रहना और स्थानीय अन्वेषण शामिल थे। यह यात्रा सभी छात्रों और स्टाफ सदस्यों के लिए यादगार रही। पूरी यात्रा सभी छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों के लिए भी बेहद सफल रही।

सांस्कृतिक उत्सव (कारवां'23) - विद्यार्थी परिषद और सांस्कृतिक समिति ने 28-29 मार्च, 2023 को वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव-कारवां का आयोजन किया। सांस्कृतिक उत्सव का उद्घाटन कॉलेज सभागार में प्रिंसिपल प्रोफेसर (डॉ.) पायल मागो ने किया। गणेश वंदना के साथ दीप प्रज्वलन हुआ। उद्घाटन समारोह के दौरान कॉलेज की विभिन्न सांस्कृतिक समितियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आहार्या, द डांस सोसायटी ने अपने पश्चिमी शैली के नृत्य का प्रदर्शन किया। ग्लैमफायर ने महिलाओं पर होने वाले विभिन्न अत्याचारों पर प्रकाश डालते हुए एक विशेष प्रदर्शन किया। एलविरा ने अपने कलात्मक कौशल का जीवंत प्रदर्शन किया। फिलिरा म्यूजिक सोसाइटी ने भारतीय और पश्चिमी गायन संगीत में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उद्घाटन कॉलेज उपाध्यक्ष सुश्री निमिषा पांडे द्वारा एक विशेष नृत्य प्रदर्शन के साथ समाप्त हुआ। शाम को सूफी बंधु ने एक धमाकेदार सत्र के साथ कॉलेज के एम्फीथिएटर में सूफी प्रदर्शन की शोभा बढ़ाई। उनके प्रदर्शन से स्टाफ सदस्यों सहित छात्र मंत्रमुग्ध हो गए। ग्लैमफायर, द फैशन सोसायटी और आहार्या, द डांस सोसायटी द्वारा प्रमुख प्रतियोगिताएं कॉलेज ग्राउंड में आयोजित की गईं। श्री रजत चौहान के स्टैंड-अप ने शाम को सभी छात्रों और स्टाफ सदस्यों के लिए मनोरंजन और हँसी से भर दिया। कॉलेज मैदान में प्रदर्शन में सभी लोग शामिल हुए। इसके बाद नृत्य दल विवेशियस द्वारा लाइव नृत्य प्रदर्शन किया गया। उनके प्रदर्शन से भीड़ में जोश भर गया।

सामाजिक पहल@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

राष्ट्रीय सेवा योजना – एन.एस.एस. अपने आदर्श वाक्य – 'मैं नहीं बल्कि आप' के तहत अपने स्वयंसेवकों की निस्वार्थ सेवा के साथ पूरे वर्ष गतिविधियों का संचालन करती है। आस-पास की झुग्गी बस्तियों में वंचितों को दान से लेकर खाद बनाना, कॉलेज परिसर के आसपास सफाई करना, वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का दौरा करना, स्कूल स्तर पर छात्रों को सलाह देना, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियाँ, महिला स्वास्थ्य और सशक्तिकरण संबंधी गतिविधियाँ आदि कुछ प्राथमिक एन.एस.एस. की पहलें हैं। पिछले सत्र में, इकाई ने एक दिवसीय कोविड-19 बूस्टर खुराक शिविर, थैलेसीमिया स्क्रीनिंग शिविर, साहसिक शिविर, स्वास्थ्य जांच संबंधी शिविर और महिलाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर जैसे विभिन्न शिविरों का भी आयोजन किया। एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. के एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिष्ठित सरकारी निकायों और अन्य समाजों के सहयोग से कई कार्यशालाएं भी आयोजित की गई हैं जिनमें तंबाकू के हानिकारक प्रभावों, पूर्वी जिले में महिला अधिकार और सतर्कता जागरूकता पर कार्यशालाएं शामिल हैं। इनके अलावा बाल विवाह मुक्त भारत, राष्ट्रीय मतदाता दिवस और एकता से संबंधित शपथ समारोह भी किये गये। इंटरैक्टिव तरीके से जागरूकता फैलाने के लिए समाज सेवा और कल्याण से संबंधित विषयों पर एन.एस.एस. के तत्वावधान में निबंध लेखन, लेख-लेखन, पोस्टर-मेकिंग और मोनोलॉग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

ई.बी.एस.बी. क्लब – जनवरी 2020 में स्थापित, एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. का ई.बी.एस.बी. क्लब एम.एच.आर.डी., भारत सरकार की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत बनाया गया था, जहां दिल्ली राज्य को सिक्किम राज्य के साथ जोड़ा गया है। ई.बी.एस.बी. क्लब सिक्किम की संस्कृति, परंपराओं, भाषा, लोक नृत्य, लोक संगीत और व्यंजनों को बढ़ावा देने वाली विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का संचालन करने का प्रयास करता है। क्लब का उद्देश्य 'हमारे देश की विविधता में एकता का जश्न मनाना' है और युवाओं को समानता के लिए एक ताकत बनने और अपनी रोजमर्रा की बातचीत में सांस्कृतिक रूप से अधिक समावेशी बनने के लिए प्रेरित करना है। सत्र 2022-23 के लिए ई.बी.एस.बी. के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियां इस

संकाय एवं छात्रों द्वारा ग्राम का सर्वेक्षण

प्रकार हैं - टीम ई.बी.एस.बी. द्वारा विभिन्न राज्यों और वहां के लोगों पर प्रकाश डालते हुए हर घर तिरंगा अभियान पर बनाई गई डॉक्यूमेंट्री, जिसे स्वतंत्रता दिवस पर दिखाया गया था; राजगुरु जी के जीवन पर प्रश्नोत्तरी एवं ओपन माइक प्रतियोगिता; राष्ट्रीय एकता दिवस पर 'अनेकता में एकता' विषय के तहत नारा लेखन प्रतियोगिता; असमिया और सिक्किमी सीखने के लिए भाषा सत्र; जापान में श्री मुकेश के साथ टॉक शो, जिसमें एक साधारण सिक्किमी लड़के की जापान में सफलता की कहानी पर प्रकाश डाला गया; 15 फरवरी को प्रसिद्ध सामाजिक उद्यमी और 'द ग्रीन मैन ऑफ सिक्किम' श्री ओमी गुरुंग द्वारा सेमिनार; स्मिता राय, उद्यमी, नामची सिक्किम और हिमाद्रि डेका, सहायक शिक्षक, असम के साथ महिला दिवस विशेष इंस्टाग्राम लाइव श्रृंखला; वार्षिक उत्सव संगम'23 के तहत पोशक-ए-भारत जहां विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने पोशाक, विभिन्न नृत्य रूपों और अन्य तरीकों से अपने राज्य का प्रतिनिधित्व किया; और सिक्किम और दिल्ली के लोगों और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सिक्किम छात्र संघ, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोग।

गर्ल अप नायाब - संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन की एक पहल, गर्ल अप सशक्त युवा महिला नेताओं का एक वैश्विक आंदोलन है जो लैंगिक समानता की रक्षा करती है। शहीद राजगुरु कॉलेज चैप्टर, गर्ल अप नायाब का मानना है कि सशक्त महिलाएं अत्यधिक शक्तिशाली और कीमती हैं। क्लब ने कई मुद्दों पर काम किया है जैसे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, कार्यस्थल पर लैंगिक असमानता, महिलाओं के लिए संवैधानिक अधिकार, LGBTQIA+ समुदाय का हाशिए पर होना, घरेलू दुर्व्यवहार, युवाओं में यौन शिक्षा की कमी और कई अन्य। एक गो टू डॉक्यूमेंट बनाया गया और प्रसारित किया गया, जिसमें महिलाओं के अधिकारों, मोबाइल एप्लिकेशन, डिवाइस/उपकरण, विशेष सुरक्षा उत्पाद जो आत्मरक्षा में मदद करते हैं और नई दिल्ली में लोगों को तत्काल मदद के लिए कॉल/टेक्स्ट करने के लिए आपातकालीन संपर्क शामिल हैं। क्लब नियमित रूप से गर्ल अप पोर्टल के साथ-साथ अपने स्वयं के

वर्डप्रेस खाते पर राय अपलोड करता है। गर्ल अप नायाब ने 18,000 रुपये का फंड जुटाया है जो लिंग आधारित हिंसा से बचे लोगों के लिए सहायता प्रदान करने के लिए मुहैया कराया जाता है। क्लब को अंतरराष्ट्रीय दिवस, 2021 में करुणा एनजीओ द्वारा दिल्ली पुलिस के सहयोग से अपने अथक प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

उन्नत भारत अभियान (यूबीए) - यह भारत सरकार के शिक्षा मंत्रलय का एक प्रमुख कार्यक्रम है। कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी दिल्ली के समर्पित संकाय सदस्यों के एक समूह द्वारा की गई थी जो ग्रामीण विकास के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार काम कर रहे हैं और आधिकारिक तौर पर 2014 में एमएचआरडी (अब एमओई) द्वारा लॉन्च किया गया था। यूबीए का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण में सुधार के साथ-साथ ग्रामीण भारत में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लक्ष्य में उच्च शैक्षणिक संस्थानों (एचईआई) के संकाय सदस्यों और छात्रें को शामिल करना है। ग्रामीण विकास प्रक्रिया में परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए देश के प्रमुख संस्थानों के ज्ञान आधार और संसाधनों का लाभ उठाया जाना चाहिए। इसका उद्देश्य समाज और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के बीच एक जीवंत संबंध बनाना है, जिसमें ग्रामीण लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और समाज में सार्वजनिक और निजी दोनों संगठनों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और तकनीकी सहायता प्रदान करना शामिल है। शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय को एक चुनौती मोड एप्लिकेशन के माध्यम से उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत एक भागीदार संस्थान के रूप में चुना गया था। तब से, छात्रों ने अपनाए गए ग्रामीण समुदायों में सकारात्मक परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संकाय के साथ मिलकर काम किया है। यूबीए, एस. आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. ने हमारे कॉलेज परिसर के पास 5 गांवों को गोद लिया है। विभिन्न परियोजनाएँ शुरू की गईं जिनमें शामिल हैं:- भूख के खिलाफ लड़ाई, प्लास्टिक के एकल उपयोग को ना कहना, आवश्यक वस्तुओं का वितरण, एलजीबीटीक्यूआई समुदाय को उनकी क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों को प्रदर्शित करने के लिए एक

सामाजिक पहलें@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

मंच प्रदान करके उनका उत्थान करना। हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सुधार करना है, मुख्य रूप से शहरी गांवों में कैंसर पर ध्यान केंद्रित करना है जिसे हमने इस सत्र में अन्य मूल्यवान पहलों के साथ अपनाया है। उन्नत भारत अभियान का मिशन भाग लेने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों को विकास चुनौतियों की पहचान करने और सतत विकास में तेजी लाने के लिए उचित समाधान विकसित करने में ग्रामीण भारत के लोगों के साथ काम करने में सक्षम बनाना है।

महिला विकास सेल - अनुभूति, कॉलेज का महिला विकास सेल अपनी विभिन्न कार्यशालाओं, सेमिनारों और गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं के मुद्दों, उनके अधिकारों और महिलाओं को सशक्त बनाने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है। इसमें मुद्दों के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं - सामान्य और महिला-विशिष्ट दोनों। इसका उद्देश्य महिला कल्याण कानूनों के बारे में मार्गदर्शन करना, आर्थिक, सामाजिक और लैंगिक समानता के महत्व पर जोर देना, स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालना और समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण विकसित करना है।

समान अवसर सेल - यह सरकार का एक समावेशी समाज का दृष्टिकोण है, जिसमें उत्पादक, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के विकास और वृद्धि के लिए समान अवसर और पहुंच प्रदान की जाती है। विकलांग व्यक्ति अधिनियम, 2016 स्पष्ट रूप से निर्मित वातावरण में गैर-भेदभाव का प्रावधान करता है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के रूप में 3 दिसंबर 2015 को विकलांग व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर 'सुगम्य भारत अभियान' शुरू किया गया था। विकलांग छात्रों को सशक्त बनाने और उन्हें उच्च शिक्षा में समान अवसर देने के उद्देश्य से कॉलेज के समान अवसर सेल (ईओसी) की स्थापना की गई है। सेल ऐसे छात्रों से संबंधित विभिन्न

कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करता है और परामर्श और उपचारात्मक कक्षाओं के माध्यम से सुविधाएं और सहायता भी प्रदान करता है। परिसर को विकलांगों के अनुकूल बनाने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं। कॉलेज में रैंप, लिफ्ट, व्हील चेयर, विकलांगों के लिए अनुकूल शौचालय और दिव्यांगों के लिए आरक्षित पार्किंग है। इसके अलावा, कॉलेज पुस्तकालय में दृष्टिबाधित छात्रों के लिए सहायक सॉफ्टवेयर वाले कंप्यूटर हैं।

नार्थ ईस्ट सेल – इसकी स्थापना कॉलेज में पढ़ने वाले उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों के मुद्दों और चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से की गई थी। छात्रों की भलाई को ध्यान में रखा गया और सेल का लक्ष्य उन्हें अपने मूल स्थानों से दूर एक घरेलू वातावरण सुनिश्चित करना है। यह एक सांसकृतिक समाज है जो कॉलेज से जुड़े दुनिया भर के छात्रों को उत्तर-पूर्वी राज्यों की विविध और शानदार, फिर भी कम ज्ञात, संस्कृतियों और परंपराओं और अज्ञात संस्कृतियों के बारे में जागरूकता फैलाने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सेल का उद्देश्य उत्तर-पूर्व राज्यों की कम-ज्ञात संस्कृतियों और परंपराओं को मुख्यधारा में शामिल करके राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक कदम के रूप में भाईचारे और विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देना है।

महत्व – कॉलेज में ऐसी सोसायटी की उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मतभेदों के बावजूद दुनिया भर के छात्रों को समान प्रतिनिधित्व और अवसर प्रदान करती है। अक्सर, यह देखा गया है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों के छात्रों को भेदभाव और विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिससे अक्सर छात्रों में अवसाद और अंतर्मुखी स्वभाव का विकास होता है। इसे रोकने की जरूरत है, कठिन परिस्थितियों को देखते हुए, नॉर्थ-ईस्ट सेल की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी और तब से यह सभी छात्रों को बेहतर कॉलेज जीवन प्रदान करके नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है।

महाविद्यालय के नियम

लेक्चर्स, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल

प्रत्येक छात्र को अध्ययन के लिए चुने गए प्रत्येक विषय के लेक्चर्स और ट्यूटोरियल/प्रैक्टिकल में उपस्थित होना अनिवार्य है। लेक्चर्स/प्रैक्टिकल के लिए छात्रों को खंडों अथवा समूहों में बांटा जाता है। छात्रों से यह आशा की जाती है कि वे अपने खंड/समूह/दिवस/अवधि का समय पर पता लगाएं ताकि कोई भी कक्षा छूट न सके। यदि कोई छात्र किसी लेक्चर अथवा प्रैक्टिकल कक्षा के लिए किसी खंड/समूह में अपना नाम/रोल नम्बर नहीं पाता है, तो उसे इस तथ्य को तुरंत संबंधित शिक्षक के संज्ञान में लाना चाहिए।

अनुशासन एवं उपस्थिति

कॉलेज के प्रत्येक छात्र को कॉलेज और विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों का पालन करना चाहिए। विश्वविद्यालय विनियमन के अनुसार, स्नातक पाठ्यक्रम के छात्र को प्रत्येक विषय के कुल लेक्चरों और ट्यूटोरियल्स/प्रैक्टिकलों में कम-से-कम 67 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। उपस्थिति में कमी वाले छात्रों को सैमेस्टर परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। छात्रों को कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के भीतर और बाहर अनुशासन एवं शांति बनाए रखना आवश्यक है। छात्रों को कक्षाओं और प्रयोगशालाओं में अपना मोबाईल फोन स्विच ऑफ रखना अपेक्षित है।

प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना कॉलेज परिसर के बाहर आयोजित किए गए किसी भी कार्यक्रम और/अथवा एकत्रीकरण के लिए कॉलेज उत्तरदायी नहीं होगा।

चिकित्सा छुट्टी

बीमारी के कारण अनुपस्थिति की छुट्टी के लिए सभी आवेदन के साथ किसी अधिकृत चिकित्सक अथवा अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाणपत्र संलग्न किया जाना चाहिए और इसे बीमारी के बाद छात्र के कॉलेज में उपस्थित होने की तारीख के एक सप्ताह के अवधि के भीतर प्रधानाचार्य के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। चिकित्सीय आधार पर उपस्थिति का लाभ देने के मामले में इस नियम का सख्ती से प्रवर्तन किया जाएगा।

पहचान-पत्र

सभी छात्रों को एडमिशन के तुरंत बाद आर.एफ. पहचान पत्र जारी किए जाते हैं। छात्रों के लिए यह अनिवार्य है कि प्रत्येक दिन कॉलेज में आते समय अपना पहचान-पत्र साथ लाएं और कॉलेज प्राधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर इसका प्रदर्शन करना चाहिए। पहचान-पत्र खो जाने/खराब हो जाने के मामले में, जुर्माना और फीस का भुगतान करने के बाद कॉलेज कार्यालय से इसकी प्रतिलिपि प्राप्त की जा सकती है।

पुस्तकालय

एक छात्र को प्रत्येक सप्ताह के लिए चार पुस्तकें और एक दिन के लिए एक टेक्स्ट बुक जारी की जा सकती है। यदि निर्धारित समय पर पुस्तक वापिस नहीं की जाती है तो पुस्तकालय नियमों के अनुसार जुर्माना जमा कराना होगा। पुस्तकालय की पत्रिकाएं केवल संदर्भ के लिए हैं। छात्र इनकी प्रतिलिपि भुगतान सुविधा के आधार पर प्राप्त कर सकते हैं। मुद्रित पुस्तकों के अतिरिक्त, छात्रों को 135000 ई-बुक और 5000 ई-पत्रिकाओं पर पहुंच बनाने के लिए एक लॉग-इन/पासवर्ड दिया जाएगा।

सूचना-पट

छात्रों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे नियमित तौर पर सूचना-पट को पढ़े और समय-समय पर संगत आदेशों और निर्देशों का अनुपालन करें। छात्रों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे स्वयं को सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं से अवगत होने हेतु, समय-समय पर कॉलेज और विश्वविद्यालय की वेबसाईट का अवलोकन करें।

मेडल एवं पुरस्कार

प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के अंत में, प्रत्येक पाठ्यक्रम में बेहतरीन शैक्षणिक निष्पादन के लिए मेडल से सम्मानित किया जाता है। शैक्षणिक पुरस्कारों के अतिरिक्त, कॉलेज में वर्षभर में आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए भी मेडल और पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है।

सेमिनार, कार्यशालाएं और विभिन्न समारोह, वार्षिक तकनीकी उत्सव

कॉलेज विभिन्न उद्योगों/अनुसंधान संस्थानों के साथ प्रत्यक्ष चर्चा करने के क्रम में सेमिनार/कार्यशालाओं का आयोजन करता है। प्रख्यात वक्ताओं को उनके संबंधित विशेषज्ञताप्राप्त क्षेत्र के संबंध में संभाषण प्रदान करने हेतु आमंत्रित किया जाता है। छात्रों के हित में, कॉलेज में समय-समय पर कुशल पेशेवरों द्वारा लेक्चरों का आयोजन भी किया जाता है। प्रत्येक छात्र के लिए इन सेमिनारों/कार्यशालाओं/लेक्चरों में उपस्थित होना अनिवार्य है, जिसमें विफल होने पर दोषी छात्रों के विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महाविद्यालय के नियम

लॉकर्स

शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रत्येक छात्र को एक लॉकर उपलब्ध कराया जाता है। छात्रों को प्रयोगशालाओं, ऑडिटोरियम और पुस्तकालय के भीतर अपने बैग ले जाने की अनुमति नहीं दी जाती है और उन्हें अपने बैग और अन्य सामानों को लावारिस नहीं छोड़ना चाहिए। इसीलिए सुरक्षा की दृष्टि से, लॉकरों को लॉक करके रखा जाना चाहिए।

कॉलेज संपत्ति को नुकसान

छात्रों को कॉलेज संपत्ति की समुचित देखभाल करनी होगी और उन्हें कॉलेज सम्पत्ति, फर्नीचर, फिटिंग्स इत्यादि को विकृत अथवा कोई नुकसान अथवा छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। कॉलेज संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में शामिल पाए जाने वाले छात्रों के विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

छात्रवृत्ति

सभी पात्र एस.सी./एस.टी., ओ.बी.सी., दिव्यांग छात्र इत्यादि को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के लिए, नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर उद्घोषित होने पर, उनके छात्रवृत्ति फार्म ऑनलाइन प्रस्तुत करने चाहिए।

फीस छूट

कॉलेज जरूरतमंद, आर्थिक रूप से कमजोर और प्रबुद्ध छात्रों के लिए फीस में छूट की पेशकश करता है। इस सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक छात्र एडमिशन के पश्चात् निर्धारित प्रपत्र (कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध) में आवेदन कर सकते हैं।

उपरोक्त नियमों के उल्लंघन के मामले में छात्रों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अनुशासनात्मक कार्रवाई में चेतावनी, जुर्माना और कॉलेज पुस्तकालय के उपयोग से निलंबन, कक्षा से निलंबन अथवा यहां तक कि कॉलेज से निष्कासन भी शामिल है।

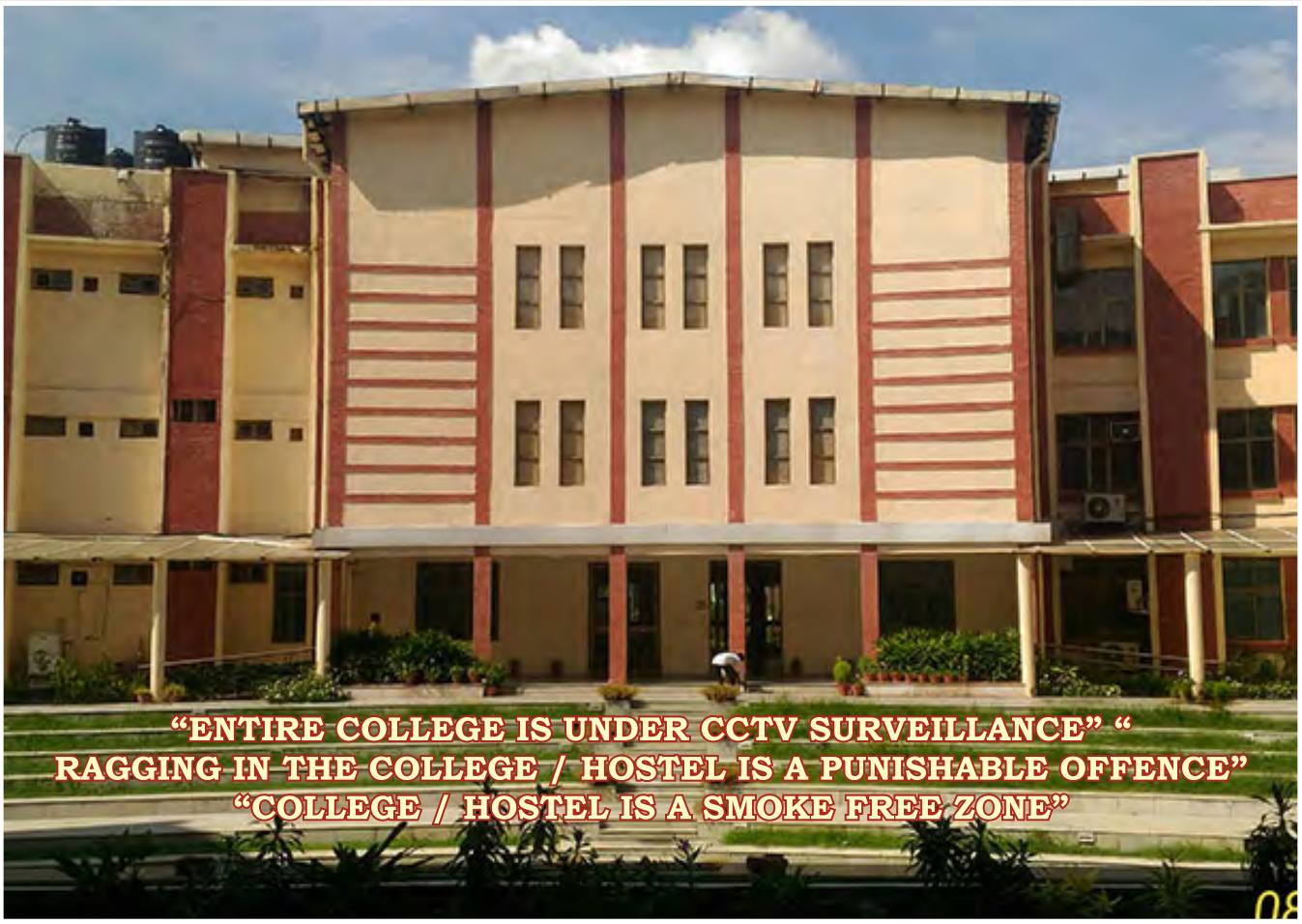

अध्यादेश

19.1 अध्यादेश XV–बी

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई संबंधी सभी शक्तियां कुलपति के पास निहित है।
2. कुलपति सभी अथवा ऐसी शक्तियों, जिन्हें वे उचित समझें, को प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों, जिन्हें वे इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकते हैं, को प्रत्यायोजित कर सकते हैं।
3. अध्यादेश के तहत अनुशासन के प्रवर्तन की शक्तियों की सार्वभौमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित को अशिष्टतापूर्ण अनुशासनहीनता का कार्य माना जाएगा :
   - क. दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी संस्थान/विभाग के किसी शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टॉफ के सदस्य और किसी छात्र के विरूद्ध शारीरिक मार-पीट करना अथवा शारीरिक बल प्रयोग करने की धमकी देना।
   - ख. किसी हथियार को अपने पास रखना, उसका प्रयोग करना अथवा प्रयोग करने की धमकी देना।
   - ग. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई उल्लंघन।
   - घ. अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।
   - ङ. महिलाओं के प्रति मौखिक अथवा अन्यथा - अपमानजनक व्यवहार।
   - च. किसी भी प्रकार की रिश्वत अथवा भ्रष्टाचार संबंधी कोई प्रयत्न करना।
   - छ. संस्थानिक संपत्ति को जान-बूझकर क्षति पहुंचाना।
   - ज. धार्मिक अथवा सांप्रदायिक आधार पर वैमनस्य अथवा असहिष्णुता का सृजन करना।
   - झ. विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कार्यकरण की किसी पद्धति में बाधा उत्पन्न करना।
   - ञ. अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैगिंग प्रतिबंधित है।
4. अनुशासन बनाए रखने संबंधी अपनी शक्तियों की सार्वभौमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई, जिसे वह उचित समझे, कुलपति, उपरोक्त उल्लिखित अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए किसी छात्र अथवा छात्रों को निम्नलिखित आदेश अथवा निर्देश दे सकते हैं :-
   - क. निष्कासन करना; अथवा
   - ख. किसी कथित अवधि के लिए निष्कासित करना; अथवा
   - ग. विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग अथवा संस्थान में अध्ययन के लिए किसी कार्यक्रम अथवा कार्यक्रमों में एक कथित अवधि के लिए दाखिल न करना;
   - घ. राशि का जुर्माना लगाना, जैसा कि निर्दिष्ट किया जाए; अथवा
   - ङ. विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज अथवा विभागीय परीक्षा अथवा परीक्षाएं देने हेतु एक अथवा अधिक वर्ष की अवधि के लिए रोक लगाना; अथवा संबंधित छात्र अथवा छात्रों की परीक्षा अथवा परीक्षाओं, जिनमें वह अथवा वे शामिल हुए हैं, के परिणाम को रद्द करना।
5. संबंधित विभागों में संस्थान, हॉल और शिक्षण। वे अपने प्राधिकार को, अपने कॉलेज, संस्थान अथवा विभागों में ऐसे शिक्षकों, जिन्हें वे इस उद्देश्य के लिए उचित समझे, द्वारा प्रयोग सकते हैं अथवा उन्हें प्रत्यायोजित कर सकते हैं।
6. कुलपति और प्रॉक्टर, जैसा की ऊपर उल्लेख किया गया है, की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित व्यवहार संबंधी व्यापक नियम तैयार किए जाएंगे। इन नियम की अनुपूर्ति, आवश्यकता पड़ने पर, इस विश्वविद्यालय के कॉलेजों के प्रधानाचार्यों, हॉल के अध्यक्षों, संकायों के अध्यक्षों और शिक्षण विभागों के अध्यक्षों द्वारा की जाएगी। प्रत्येक छात्र द्वारा इन नियमों की एक प्रति को प्राप्त किया जाना प्रत्याशित है। एडमिशन के समय, प्रत्येक छात्र द्वारा एक घोषणा पर हस्ताक्षर किया जाना आवश्यक है कि एडमिशन किए जाने पर, वह विश्वविद्यालय के कुलपति और विभिन्न प्राधिकारियों, जिन्हें अधिनियमों, कानूनों, अध्यादेशों और नियमों, जिन्हें विश्विविद्यालय द्वारा तैयार किया गया है, के तहत अनुशासन बनाए रखने की शक्तियां प्रदान की गई हैं, के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन स्वयं को शामिल किए जाने की सहमति देता/देती हैं।

19.2 अध्यादेश XV-सी

रैगिंग पर प्रतिबंध और दंड

1. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भाग और कॉलेज/विभाग अथवा संस्थान के परिसर के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन के भीतर किसी भी प्रकार की रैगिंग सर्वथा निषिद्ध है।
2. रैगिंग का कोई व्यक्तिगत अथवा सामूहिक कार्य अथवा प्रयास अशिष्टतापूर्ण अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है तथा ऐसे मामलों को इस अध्यादेश के तहत निपटाया जाएगा।
3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के तहत रैगिंग का सामान्य अर्थ है - कोई कार्य, व्यवहार अथवा प्रयास जिसके तहत वरिष्ठ छात्रों की प्रभावशाली शक्ति अथवा पद का प्रयोग नए नामांकित छात्रों अथवा उन छात्रों, जो किसी भी रूप में अन्य छात्रों द्वारा कनिष्ठ अथवा अवर माने जाते हों, को सहन करना पड़ता हो; और जिसमें व्यक्तिगत अथवा सामूहिक रूप से निम्नलिखित कार्य अथवा प्रयास शामिल हैं :

क. शारीरिक मार-पीट अथवा शारीरिक बल प्रयोग की धमकी देना।

ख. छात्राओं की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना।

ग. अनुसूचित जाति और जनजाति से संबंद्ध छात्रों की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना।

घ. उपहास अथवा अपमान करने के लिए किसी छात्र की कोई बात उजागर करना और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाना।

ङ. मौखिक दुर्व्यवहार और मारपीट, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार में शामिल होना।

4. कॉलेज के प्रधानाचार्य, विभाग अथवा संस्थान के अध्यक्ष, कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय छात्रावास अथवा आवासीय हॉल के प्राधिकारी रैगिंग संबंधी कोई सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

5. उपरोक्त खंड (4) में कोई भी होने के बावजूद, प्रॉक्टर भी स्वतः संज्ञान लेकर रैगिंग की किसी भी घटना की जांच कर सकते हैं और कुलपति को, उन व्यक्तियों, जो रैंगिंग में शामिल हुए, तथा घटना की प्रकृति की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

6. प्रॉक्टर, रैगिंग के दोषियों की पहचान तथा घटना की प्रकृति का विवरण देते हुए एक प्राथमिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

7. यदि कॉलेज के प्रधानाचार्य अथवा विभाग अथवा संस्थान के अध्यक्ष अथवा प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि कुछेक कारणों, जिन्हें लिखित रूप से लेखबद्ध किया जाना चाहिए, से ऐसी जांच करना यथोचित रूप से व्यवहार्य नहीं है, तो वे तदनुसार कुलपति को परामर्श दे सकते हैं।

8. यदि कुलपति इस बात से संतुष्ट होंगे कि ऐसी जांच करना अनिवार्य नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।

9. खंड (5) अथवा (6) के तहत रिपोर्ट अथवा खंड (7) के तहत प्रासंगित प्राधिकारी की अवधारणा, जिसमें खंड 3(क), (ख) और (घ) में निर्दिष्ट रैगिंग की घटना होने का उल्लेख किया गया हो, प्राप्त होने पर, कुलपति किसी छात्र अथवा छात्रों को विशिष्ट वर्षावधि के लिए निष्कासित करने का निर्देश अथवा आदेश दे सकते हैं।

10. रैगिंग के अन्य मामलो में कुलपति, छात्र अथवा छात्रों को निष्कासित करने अथवा विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज में अध्ययन के लिए किसी कार्यक्रम में एक कथित अवधि के लिए दाखिल न देने, एक अथवा अधिक वर्ष की अवधि के लिए विभागीय परीक्षा पर रोक अथवा संबंधित छात्र अथवा छात्रों की परीक्षा अथवा परीक्षाओं, जिनमें वह अथवा वे शामिल हुए हैं, के परिणाम को रद्द करने का निदेश अथवा आदेश दे सकते हैं।

11. यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री अथवा डिप्लोमा प्राप्त करने वाला कोई छात्र दोषी पाया जाता है, तो ऐसे मामले में; इस अध्यादेश के तहत सांविधि 15 के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री अथवा डिप्लोमा के वापिसी के लिए समुचित कार्रवाई की जाएगी।

12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के किसी कार्य, व्यवहार अथवा उकसावे के माध्यम से रैगिंग के लिए प्रेरित करने के कार्य को भी रैगिंग माना जाएगा।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थान, इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए निर्देशों/दिशानिर्देशों को पूरा करने और इस अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने हेतु कुलपति को सहायता प्रदान करने के लिए बाध्य होंगे।

नोट : अध्यादेश XV-सी के अनुसरण में कुलपति का आदेश

इस अध्यादेश के तहत किसी प्राधिकरण द्वारा जब रैगिंग की कोई घटना(ओं) को कुलपति को सूचित की जाती है, तो रैगिंग में शामिल छात्रों को आदेश में निर्दिष्टानुसार एक विशिष्ट अवधि के लिए निष्कासित किया जाएगा। रैगिंग के मामले में रिपोर्ट में शामिल किए गए गैर-छात्र व्यक्तियों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगीय उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी संस्थान में नामांकित होने के लिए पांच वर्ष की अवधि हेतु अपात्र ठहराया जाएगा। उन छात्रों, जिनके विरूद्ध इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है, को नैसर्गिक न्याय के नियमों के सख्त अनुसरण में, निर्णय-पश्चात् सुनवाई का अनुमति दी जाएगी।

19.3 अध्यादेश XV-डी

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिबंध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (विधि एवं न्याय मंत्रालय)

कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से संरक्षण प्रदान करने और उसकी रोकथाम करने तथा यौन उत्पीड़न और उनसे संबंधित एवं परिणामी मामलों संबंधी शिकायतों का समाधान करने के लिए एक अधिनियम है।

हालांकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 15 के तहत यौन उत्पीड़न, महिलाओं को समानता के मौलिक अधिकारों तथा संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार और सम्मान से जीने का अधिकार और कोई व्यवसाय करने अथवा किसी रोजगार, व्यापार अथवा व्यवसाय जिसमें यौन उत्पीड़न रहित सुरक्षित परिवेश का अधिकार शामिल हैं, में संलग्न होने के अधिकारों का उल्लंघन है।

और हालांकि महिलाओं के प्रति किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने संबंधी सभागम, जिसे 25 जून, 1993 द्वारा भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई, जैसे अंतर्राष्ट्रीय सभागम और इंस्ट्रूमेट्स द्वारा यौन उत्पीड़न से संरक्षण और सम्मान के साथ कार्य करने के अधिकार को वैश्विक रूप से मानवाधिकार की मान्यता प्रदान की गई है।

और हालांकि कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न के विरूद्ध संरक्षण के लिए उक्त सभागम को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान किया जाना वांछनीय है।

विवरण के लिए, कृपया वेबसाईट http//indiacode-nic-in/acts&in&pdf/142013-pdf का अवलोकन करें।

समितियां

एडमिशन समिति	
डॉ. रेखा मेहरोत्रा (संयोजक)	9811243283
डॉ. सुरुचि चावला (संयोजक)	9810342692
प्रो. पुनिता सक्सेना (विदेशी छात्र सलाहकार)	9810221483
डॉ. साधना जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, बायोकैमिस्ट्री विभाग	9810103664
डॉ. वर्षा मेहरा, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, बायोमेडिकल साइंसेज विभाग	9971703464
प्रो. जसजीत कौर, टीआईसी, रसायन विज्ञान विभाग	8130959522
डॉ. आकांक्षा, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग	9810342692
प्रो. रंजना सिंह, टीआईसी, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग	9811706879
सुश्री वेनिका गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग	9953469945
डॉ. स्नेहा काबरा, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग	9868847325
प्रो. पुनिता सक्सैना, टीआईसी, गणित विभाग	9810221483
डॉ. रेखा मेहरोत्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, जीवविज्ञान/माइक्रोबायोलॉजी विभाग	9811243283
प्रो. अलका वोहरा कुआंर, टीआईसी, भौतिकी विभाग	9717453770
डॉ. दया भारद्वाज, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, मनोविज्ञान विभाग	9811239028
प्रो. पायल मागा/डॉ. दीपा त्यागी, सांख्यिकी विभाग	9529794512
प्रो. पायल मागो/श्रीमती जूही झाम, वित्तीय अध्ययन विभाग	9654748257
प्रो. पायल मागा/सुश्री तनुषा जैन, प्रबंधन अध्ययन विभाग	9891050045
प्रवेश शिकायत समिति	
डॉ. मोहम्मद साकिब अंसारी (संयोजक)	9868877867
डॉ. नूपुर गोसाईं (सह-संयोजक)	9818282648
खेल प्रवेश समिति	
प्रो. पुनिता सक्सेना (संयोजक)	9810221483
डॉ. बिमला पवार (सह-संयोजक)	9810224259
ईसीए प्रवेश समिति	
सुश्री सौम्या चतुर्वेदी	9560384491
डॉ. रितिका चोपड़ा	9958559143
विशेष श्रेणियाँ प्रवेश सक्षम समिति	
डॉ. मो. साकिब अंसारी (संयोजक)	9868877867
डॉ. ट्विंकल सच्चन	8130149910
प्रॉक्टोरियल एवं एंटी रैगिंग समिति	
डॉ. कोहिनूर कौर (संयोजक)	9810215208
श्री सुमित कुमार (संयोजक)	9899703138
आंतरिक शिकायत समिति	
प्रो. रंजना सिंह (नोडल अधिकारी)	9811706879
शुल्क रियायत समिति	
प्रो. राधिका बख्शी	9810599435

पाठ्यक्रम–वार सीटों की संख्या

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	सामान्य	ओ.बी.सी. (एन.सी.एल.)	एस.सी.	एस.टी.	ई.डब्लयू.एस.	कुल (सुपरन्यूमरी के अलावा)	पी.डब्लयू.डी.	सी.डब्लयू. (आर्मी)	के.एम.	खेलकूद	ई.सी.ए.	वार्ड कोटा (14 टी./14 पी.टी.)	विदेशी नागरिक	कुल सुपरन्यूमरी
1	बी.एस.सी.(आनर्स) बॉयोमेडिकल साइंस	16	11	6	3	4	40	2	2	2	2	1	2	4	15
2	बी.एस.सी.(आनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
3	बी.एस.सी.(आनर्स) कैमिस्ट्री	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
4	बी.एस.सी.(आनर्स) कम्प्यूटर साइंस	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
5	बी.एस.सी.(आनर्स) इलैक्ट्रॉनिक्स	16	11	6	3	4	40	2	2	2	0	1	2	4	13
6	बी.एस.सी.(आनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी	16	11	6	3	4	40	2	2	2	2	1	2	4	15
7	बी.एस.सी.(आनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन	16	11	6	3	4	40	2	2	2	0	1	2	4	13
8	बी.एस.सी.(आनर्स) गणित	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
9	बी.एस.सी.(आनर्स) माइक्रोबॉयोलोजी	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
10	बी.एस.सी.(आनर्स) भौतिकी	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
11	बी.एस.सी.(आनर्स) सांख्यिकी	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
12	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) (बैचुलर इन बिजनैस स्टडीज (फाईनैनशियल इन्वैस्टमेंट एनालिसिस))	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
13	बी.एम.एस. (बैचुलर इन मैनेजमेंट स्टडीज)	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	2	2	5	19
14	बी.ए.(आनर्स) मनोविज्ञान	23	16	9	4	6	58	3	3	2	3	1	2	5	19

शुल्क संरचना

शैक्षणिक वर्ष 2023–24 (प्रथम वर्ष) के लिए शुल्क संरचना

(दिल्ली विश्वविद्यालय के पत्र क्रमांक ACAD-I/UG & PG FEE/2023&24/344 दिनांक 07-07-23 के अनुसार)

(A)	Maintenance Account	Amount
1	ट्यूशन फीस	180
2	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष**	200
3	कॉलेज छात्र कल्याण कोष**	4500
4	विश्वविद्यालय विकास कोष*	1000
5	कॉलेज विकास कोष**	2000
6	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क*	1000
7	कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क	13500
8	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता विश्वविद्यालय कोष*	150
9	दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूएसयू) कोष*	–
	कुल	**22530**
	कंप्यूटर विज्ञान पाठ्यक्रम शुल्क अतिरिक्त	**15000**
	बायोमेडिकल साइंस कोर्स शुल्क अतिरिक्त	**10000**
	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) कोर्स शुल्क अतिरिक्त	**11000**
	निम्नलिखित को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों के लिए कुल शुल्कः	**22530**
	बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस के लिए कुल शुल्क	**37530**
	बी.एससी. (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस के लिए कुल शुल्क	**32530**
	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए) के लिए कुल शुल्क	**33530**

* *विश्वविद्यालय को देय।*
** *छात्र समाज कल्याण कोष में देय।*

कार्यक्रम एवं श्रेणीवार फीस 2023–24 सत्र

सं.	कार्यक्रम का नाम	सामान्य/ओ.बी.सी./ई.डब्लयू.एस./ सी.डब्लयू./के.एम./खेलकूद/ई.सी.ए./वार्ड	एस.सी./एस.टी.	पी.डब्लयू.डी.	विदेशी नागरिक*
1	बॉयोकैमिस्ट्री	22530	22350	2350	233200
2	बॉयोमेडिकल साइंस	32530	22350	2350	42330
3	कैमिस्ट्री	22530	32350	2350	52330
4	कंप्यूटर साइंस	37530	37350	2350	233200
5	इलैक्ट्रॉनिक्स	22530	22350	2350	42330
6	खाद्य प्रौद्योगिकी	22530	22350	2350	42330
7	इंस्ट्रूमेंटेशन	22530	22350	2350	42330
8	गणित	22530	22350	2350	42330
9	माइक्रोबॉयोलोजी	22530	22350	2350	42330
10	भौतिकी	22530	22350	2350	42330
11	सांख्यिकी	22530	22350	2350	42330
12	बिजनैस प्रशासन (एफ.आई.ए.)	33530	33350	2350	233200
13	मैनेजमेंट स्टडीज (बी.एम.एस.)	22530	22350	2350	233200
14	मनोविज्ञान	22530	22350	2350	42330

* *विदेशी छात्र पंजीकरण शुल्क (तिब्बत और सार्क देशों के अलावा) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार संशोधन के अधीन।*

फीस वापिसी नीति

फीस वापिसी और रिफंड नीति के विवरण के
लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइटः
www.admission.uod.ac.in देखें।

मार्गदर्शिका

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाईड सांईसेस फॉर वुमैन

वसुन्धरा एनक्लेव, दिल्ली–110096

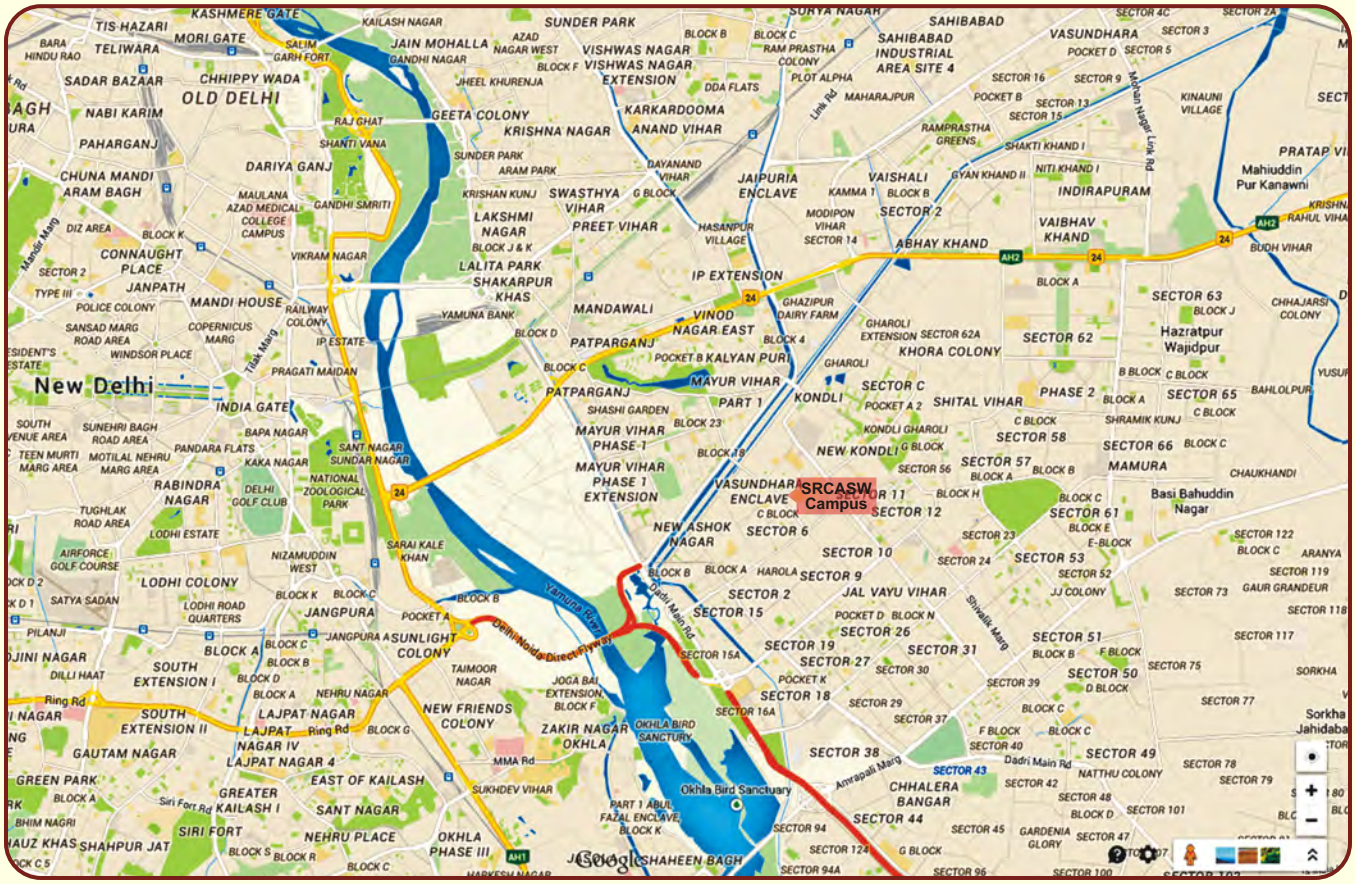

सैक्टर 15, नौएडा, ऊ०प्र० (2.5 कि०मी०)

नजदीकी मेट्रो स्टेशन : न्यू अशोक नगर, दिल्ली (3.7 कि०मी०)

मयूर विहार एक्सटेंशन (4.5 कि०मी०)

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाईड सांईसेस फॉर वुमैन

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वसुंधरा एनक्लेव (चिल्ला स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स के पास), दिल्ली–110096
दूरभाष : 22623503, 22623505 • दूरभाष/फैक्स : 22623504
वेबसाइट : www.rajgurucollege.com